फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12 प्रतिशत बढ़ सकती है कीमत - 12

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट - 12

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ, संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा -13

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत - 14

आज का मौसम

31.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.10

सूर्यास्त 06.21

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी 06:38 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 23 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 211, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

पश्चिम एशिया : चौथे सप्ताह की शुरुआत में खतरनाक हमलों के साथ युद्ध ने किया नए चरण में प्रवेश

मिसाइलों से दहले इजराइल-ईरान

अमेरिका ने अल्टीमेटम के 48 घंटे पूरे होने से पहले ही तेहरान पर किए हमले, टॉप लीडर्स को मौत के घाट उतारने का दावा | ईरान ने इजराइल के दो बड़े शहरों पर किए हमले, 300 लोग घायल इजराइली परमाणु अनुसंधान केंद्र डिमोना के पास गिरी मिसाइल

काहिरा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। ये हमले इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। इसी धमकी के बीच अमेरिका ने ईरान के कई महत्वपूर्ण लोगों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ मिसाइल हमले किए हैं।

अमेरिका ने दावा किया है कि इन हमलों में उसने ईरान के कई टॉप लीडर्स का सफाया कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडिया साझा करते हुए अमेरिका मिलिट्री नाम के अकाउंट से दावा किया गया है कि इन हमलों में ईरान के टॉप लीडर्स को मौत के घाट उताया गया। इन घटनाक्रमों से संकेत मिलता है कि युद्ध अपने चौथे सप्ताह की शुरुआत में एक खतरनाक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच देश में दबाव का सामना कर रहे ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने घर से सोशल मीडिया पर यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को 48 घंटे में इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खोलना होगा, अन्यथा अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाएगा। रविवार तड़के ईरान ने चेतावनी दी कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर किसी भी हमले के जवाब में वह क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के ऊर्जा व बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। इजराइल पर ये हमले ऐसे समय हुए जब उसी दिन पहले तेहरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन केंद्र नतांज पर हमला हुआ था। इजराइली सेना ने कहा कि वह दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर गिरी मिसाइलों को रोक नहीं सकी। यह पहली बार था जब परमाणु केंद्र के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहीं।

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यदि इजराइल डिमोना जैसे अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में भी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है, तो यह युद्ध के नए चरण में प्रवेश का संकेत है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि घटनास्थल पर और आपातकालीन दल भेजे जा रहे हैं। यह बेहद कठिन शाम है। बचावकर्मियों के अनुसार, अराद में सीधे हमले से कम से कम 10 अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान हुआ, जिनमें से तीन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर गिरने के खतरे में हैं। कम से कम 64 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। डिमोना, परमाणु अनुसंधान केंद्र से लगभग 20 किलोमीटर पश्चिम में है, जबकि अराद उससे करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। माना जाता है कि इजराइल पश्चिम एशिया का एकमात्र देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं, हालांकि उसने कभी इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया।

डिमोना में ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित स्थल का सर्वेक्षण करते इजराइली सुरक्षा बल।

ईरान बोला- अमेरिकी धमकियों का जवाब मैदान में देंगे

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों के बाद ईरान ने सैन्य जवाब देने की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि देश के खिलाफ दी जा रही धमकियां और हमले ईरान को और ज्यादा एकजुट कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम इन बेतुकी धमकियों का मैदान में डटकर सामना करेंगे। पजशकियान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी साफ किया कि यह सभी के लिए खुला है, लेकिन जो ईरान की जमीन का उल्लंघन करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पूर्व ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज पूरी तरह नहीं खोला, तो पावर प्लांट्स को निशाना बनाएंगे।

जंग में ब्रिटेन भी कूदा, अरब सागर में तैनात की परमाणु पनडुब्बी, यूएस को सौंपे मिलिट्री बेस

लंदन। ब्रिटेन की परमाणु-संचालित पनडुब्बी अरब सागर पहुंच गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज करने के संकेत दिए हैं। एचएमएस एंसन नाम की यह पनडुब्बी 6 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से रवाना हुई थी और अब माना जा रहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट उत्तरी अरब सागर में अपनी तैनाती ले ली है। यह पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक-4 लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस है, जिनकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है। इसके अलावा इसमें स्पीयरफिश हैवीवेट टॉरपीडो भी लगे हुए हैं। मध्य-पूर्व क्षेत्र में इस पनडुब्बी की तैनाती ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका को ईरान के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

अमेरिका-इजराइल दुनिया के लिए लड़ रहे : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में, ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है।

मोदी ने की हाईलेवल बैठक ईंधन-ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति का लिया जायजा

पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के मद्देनजर समीक्षा बैठक करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

नई दिल्ली, एजेंसी

- पश्चिम एशिया संकट के कारण उपजी परेशानी से निपटने पर मंथन, शाह-नड्डा पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है।

होर्मुज बंद से मंडराया संकट

ईरान ने होर्मुज को बाधित कर दिया है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग है और इसके जरिये दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा की ढुलाई होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान ने बहुत कम पोतों को इससे गुजरने की अनुमति दी है। इसके कारण भारत समेत कई देशों में ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

ब्रीफ न्यूज

मिलावटी दूध : मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हुई

राजमहेंद्रवरम। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में संदिग्ध रूप से मिलावटी दूध पीने के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है, जबकि तीन लोगों का राजमहेंद्रवरम के अस्पतालों में इलाज जारी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस मामले का पता सबसे पहले 22 फरवरी को चला था जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 54 वर्षीय बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वहीं बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर अभियान से संबंधित अत्यधिक कार्यभार के कारण उनकी मौत हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उत्पल ठाकुर के रूप में हुई है। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उत्पल ठाकुर को शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे दिल का दौरा पड़ा और बाद में उनकी मौत हो गई।

शहरों में गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने का निर्देश

- सीएनजी/पीएनजी के आवेदन तेजी से निपटाने व वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है। बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है और देशभर में वितरण सामान्य रूप से हो रहा है।

अमेरिका का एलपीजी जहाज मंगलुरु पहुंचा

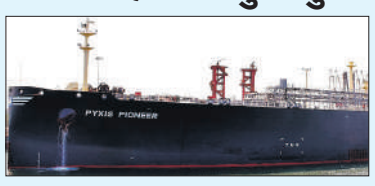

मंगलुरु। युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। पिक्सिस पायनियर नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज एव्वा टाइटन के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का 28 को उद्घाटन करेंगे मोदी

नोएडा। मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं। इस बैठक में अधिकारियों ने समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा योजना, जनसभा में आने वाले लोगों की संभावित संख्या और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी दी। (विस्तृत प्रदेश पेज पर)

- कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे

मोदी ने रचा इतिहास...सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

- बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे, पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा
- अमित शाह ने मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए रिकॉर्ड दिनों की सराहना की
- कहा- सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर

प्रधानमंत्री मोदी ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर वे भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। नरेंद्र मोदी ने कुल 8931 दिन तक सरकार के प्रमुख के रूप में काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के 8930 दिनों के रिकॉर्ड को पार कर लिया।

पीएम मोदी पहले ही गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रह चुके हैं। साथ ही वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं, जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा अनुभव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए गए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की रविवार को सराहना की और कहा कि यह सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर है। कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी द्वारा सार्वजनिक जीवन में रिकॉर्ड बनाया जाना राष्ट्र-प्रथम, शासन, कार्यों में ईमानदारी और प्रत्येक नागरिक की अथक सेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

7 अक्टूबर, 2001 को सीएम के रूप में ली थी शपथ

मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वह 21 मई, 2014 तक इस पद पर बने रहे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 282 सीट के साथ शानदार जीत दिलाने के बाद मोदी ने 26 मई को प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। भाजपा स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी, जिसने कांग्रेस को मात्र 44 सीट पर समेटते हुए धूल चटा दी।

पंजाब के पूर्व मंत्री भुल्लर उनके पिता समेत 3 पर केस

चंडीगढ़, एजेंसी

अधिकारी आत्महत्या मामला

- आत्महत्या के लिए उकसाने आपराधिक धमकी व साझा इरादा के तहत प्राथमिकी दर्ज

पंजाब में भंडारण निगम के एक अधिकारी की आत्महत्या के सिलसिले में पुलिस ने राज्य के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अमृतसर में पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार को आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस ने भुल्लर के पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और उनके निजी सहायक दिलबाग सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। इस मामले में आत्महत्या के लिए उकसाना, आपराधिक धमकी और साझा इरादा के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला अमृतसर के रणजीत एवेन्यू पुलिस थाने में रंधावा की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत पर शनिवार रात दर्ज किया गया। भुल्लर ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों के बीच, मुख्यमंत्री मान ने भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था जिसमें रंधावा ने आरोप लगाए थे।

बदलाव | नवरात्र में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र, योगी बोले,पहले प्रत्येक पद के लिए चाचा-भतीजा व उनके सिपहसालार करते थे वसूली

प्रदेश में बिना सिफारिश, लेन-देन के मिल रही नौकरी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने नवरात्र के पावन अवसर पर रविवार को लोकभवन में 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए इसे महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बेटियों को रोजगार मिलना समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष है, जहां बिना किसी सिफारिश या लेन-देन के योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिल रहा है। जबकि वर्ष 2017 के पहले प्रत्येक पद के लिए बोली लगती थी। चाचा-भतीजा और उनके सिपहसालार झोला लेकर वसूली पर निकलते थे। योगी ने 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों में 1,097 महिलाओं के शामिल होने को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत बताते हुए कहा कि आज नर्सिंग प्रोफेशन की मांग देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से बढ़ रही है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय नर्सिंग प्रोफेशनल्स के प्रति सम्मान है। ऐसे में नर्सिंग के साथ भाषा कौशल विकसित कर युवा वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले पूर्वी यूपी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के लिए जाना जाता था, लेकिन अब व्यापक सुधार हुए हैं। बंद पड़े 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों को पुनः संचालित किया गया है और 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 9.25 करोड़ लोग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज से जुड़े हैं और 14.28 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ आईडी (आभा) जारी किए जा चुके हैं।

लखनऊ : लोकभवन में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नव चयनित महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े बदलाव

- 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्र पुन : संचालित
- 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन
- 976 सीएचसी पर टेलीमेडिसिन सुविधा
- 14 .28 करोड़ से अधिक आभा आईडी जारी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज पर तेजी
- मेडिकल शिक्षा में एकरूपता और संस्थानों का नेटवर्क
- सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं

केजीएमयू का एनआईआरएफ रैंकिंग में आठवां स्थान

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 की एनआईआरएफ रैंकिंग में देशभर में आठवां स्थान हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में किडनी, लीवर व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू हो चुकी हैं, वहीं टेली-आईसीयू से कई मेडिकल कॉलेज जुड़े हैं। प्रदेश में लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर भी विकसित किए जा रहे हैं। बाबू कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स सेंटर स्थापित हुआ है।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 23 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ में संगठन मजबूत करने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मध्य

प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों से कहा कि इन राज्यों में पूरी निष्ठा के साथ बहुजन आंदोलन को आगे बढ़ाना जरूरी है, ताकि पार्टी को 'शासक वर्ग' के रूप में स्थापित किया जा सके। बसपा प्रमुख रविवार को राजधानी स्थित कार्यालय में एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ पार्टी इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। पिछले निर्देशों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्यों पर आंशिक संतोष जताया, लेकिन संगठन को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने पर जोर दिया। कांशीराम के अधूरे मिशन को आगे बढ़ाने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और सक्रिय बनाने तथा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए रणनीति पर भी चर्चा की गई।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में यूपी अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में अब तक 7340 प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके साथ ही विभिन्न बैंकों द्वारा 2000 करोड़ रुपये से अधिक का टर्म लोन स्वीकृत किया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ी गति मिली है। योजना के तहत प्रति इकाई औसत 10 लाख रुपये का टर्म लोन और करीब 4 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, जबकि प्रस्तावों की औसत स्वीकृति अवधि लगभग 100 दिन है। राष्ट्रीय स्तर पर बिहार दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है।

नवरात्र में शक्तिपीठों पर होंगे भव्य आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रदेश में इस बार भक्ति और सांस्कृतिक आस्था का विशेष संगम देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सप्तमी, अष्टमी और नवमी (25, 26 व 27 मार्च) को प्रदेशभर के देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में देवी गीत, भजन, दुर्गा सप्तशती पाठ और शक्ति आराधना के भव्य आयोजन किए जाएंगे। संस्कृति विभाग ने इन आयोजनों की व्यापक तैयारी कर ली है और कलाकारों का चयन भी पूरा कर लिया गया है। कार्यक्रम स्थानीय प्रशासन के समन्वय से जनपद स्तर पर आयोजित होंगे, जिनमें लोक कलाकारों, भजन और कीर्तन मंडलियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। इन आयोजनों को योगी सरकार के महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण अभियान 'मिशन शक्ति' से भी जोड़ा गया है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास पर रंगदारी व दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग करने वाले एक आरोपी को एसटीएफ ने आगरा के बाह से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे क्राइम ब्रांच मुंबई के सुपुर्द कर दिया। मामले की जांच क्राइम ब्रांच मुंबई कर रही है। आरोपी प्रदीप एसटीएफ के एएसपी राकेश के मुताबिक, बाह के बिजौली महावीरनगर निवासी आरोपी प्रदीप शर्मा अंतरराष्ट्रीय कुख्यात अपराधी शुभम लोनकर गैंग का सदस्य है। उसे शनिवार दोपहर करीब 3 :50 बजे उसके घर के पास से दबोचा गया। रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग के मामले में शामिल दीपक, विष्णु कुशवाहा समेत अन्य पांच आरोपियों को 15 फरवरी को एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

'वाया' के सहयोग से कर्ज से उबरा परिवार

अमृत विचार, लखनऊ : वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन "वाया" के सहयोग से दिल्ली के पश्चिम विहार निवासी सीए विकास गर्ग का परिवार कर्ज के बोझ से मुक्त होकर नई शुरुआत कर सका है। गंभीर बीमारी के कारण नौकरी छूटने और आर्थिक संकट में फंसे इस परिवार को संस्था की मदद ने फिर से संभाल दिया। यह जानकारी औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने दी। नंदी ने कहा कि वाया संस्था समाज के सहयोग से जरूरतमंद परिवारों को सहारा देने का कार्य कर रही है। संस्था की कमेटी ने त्वरित निर्णय लेते हुए सभी लेनदारों को बुलाकर करीब 12 .40 लाख रुपये का पूरा कर्ज चुका दिया।

खनन से बढ़ी आय, सोनभद्र आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महोबा, हमीरपुर, झांसी-जालौन भी टॉप सूची में
- फरवरी में 2543 करोड़ से अधिक राजस्व
- अवैध खनन पर सख्ती से बढ़ा राजस्व संग्रह

अमृत विचार: प्रदेश में खनिज एवं उपखनिज खनन से राजस्व प्राप्ति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। फरवरी माह में प्रदेश के दस प्रमुख खनिज संपन्न जनपदों से लगभग 2543.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें सोनभद्र जनपद सबसे आगे रहा।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सोनभद्र ने सर्वाधिक 678.28 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इसके अलावा महोबा, हमीरपुर, झांसी और जालौन जैसे जनपद भी खनन आधारित आय में प्रमुख योगदानकर्ता रहे। विभाग के अनुसार, राजस्व वृद्धि के पीछे अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण, खनन गतिविधियों की सतत निगरानी और पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना प्रमुख कारण है। खनन पट्टों के आवंटन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ने से भी राजस्व संग्रह में सुधार हुआ है।

अन्य प्रमुख जिलों में सहारनपुर, बांदा और प्रयागराज ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया, जबकि फतेहपुर और कौशांबी से भी राजस्व प्राप्त हुआ। अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप खनिज संसाधनों के संतुलित और सतत उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति है कि खनन गतिविधियां आर्थिक विकास का माध्यम बनें, लेकिन पर्यावरणीय संतुलन भी बना रहे। इसी दृष्टिकोण के साथ विभाग तकनीक आधारित निगरानी और कड़े प्रवर्तन के जरिए व्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

'द शैडो' एप से बेटियों की सुरक्षा को तकनीक का कवच

प्रदेश सरकार की नई पहल, यूपीएसआईएफएस के छात्रों ने विकसित किया एप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बेटियों की सुरक्षा को तकनीकी मजबूती देने की दिशा में एक नई पहल की गई है। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) द्वारा विकसित "द शैडो" एप अब छात्राओं के लिए "डिजिटल परछाईं" की तरह काम करेगा। यह एप न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी और प्रबंधन को भी एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा।

संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी के अनुसार, यह एप बीटेक छात्रों द्वारा विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी व जवाबदेह प्रणाली तैयार करना है। एप के माध्यम से कैंपस में प्रवेश-निकास, अवकाश अनुरोध और अन्य गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी। इसकी सबसे अहम विशेषता 'पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल सिस्टम' है, जिसमें छात्रा के कैंपस से बाहर जाने से पहले अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी। इससे सुरक्षा के साथ अभिभावकों का विश्वास भी मजबूत होगा।

एप की विशेषताएं

- पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल से बाहर जाने की अनुमति
- एसओएस इमरजेंसी अलर्ट से त्वरित सहायता
- रियल टाइम एंट्री-एग्जिट ट्रैकिंग
- क्यूआर कोड आधारित डिजिटल गेट पास
- पढ़ाई, अटेंडेंस और प्रदर्शन की मॉनिटरिंग

इसके अलावा एप में इंटीग्रेटेड एसओएस इमरजेंसी फीचर दिया गया है, जिससे किसी भी खतरे की स्थिति में एक क्लिक पर संस्थान प्रशासन और परिजनों को तत्काल अलर्ट मिल जाएगा। क्यूआर-कोड आधारित डिजिटल गेट पास सिस्टम कैंपस में अनधिकृत प्रवेश पर भी प्रभावी नियंत्रण रखेगा। डॉ. नेहा सिंह के मार्गदर्शन में छात्र हर्ष और आदित्य मिश्रा द्वारा विकसित यह एप तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, जो बेटियों की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देता है।

जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियां तेज

28 को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी ने निरीक्षण कर दिए व्यापक दिशा-निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गौतमबुद्धनगर

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर कार्यक्रम को भव्य व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे, साथ ही मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग, पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, हेलीपैड, पार्किंग और रैली स्थल का अवलोकन कर तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य समयसीमा के भीतर और तय मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। अमृत विचार

तैयारी के मुख्य बिंदु

चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू, ट्रैफिक और पार्किंग के लिए विशेष प्लान, पेयजल, शौचालय व चिकित्सा सुविधाओं पर जोर, कार्यक्रम की ब्रांडिंग और व्यापक प्रचार-प्रसार।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों और आमजन की उपस्थिति को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारू और प्रभावी हों। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली, साइनेज, परिवहन, चिकित्सा और अग्नि सुरक्षा की व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार और ब्रांडिंग पर भी जोर दिया, ताकि इसे वैश्विक स्तर का आयोजन बनाया जा सके। साथ ही विभिन्न जनपदों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस को चार स्तरीय सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत योजना भी प्रस्तुत की गई। बैठक में कई जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

100 करोड़ जीएसटी चोरी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कई राज्यों में बोगस कंपनियां बनाकर असली फर्मों को बेचता था इनपुट टैक्स क्रेडिट
- एसटीएफ लखनऊ की टीम ने पुणे में दबोचा

अमृत विचार: फर्जी फर्मों के माध्यम से इनवाइस व ई-वे बिल बनाकर 100 करोड़ से अधिक की जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को एसटीएफ ने रविवार को पुणे से गिरफ्तार कर लिया। वह कई राज्यों में बोगस कंपनियां बनाकर असली फर्मों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बेचता था। आरोपी के खिलाफ लखनऊ में भी मामला दर्ज है।

आरोपी

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक, आरोपी केशवानी अब्बास हुसैन रमजान अली पुणे में रहता था। वह गुजरात के भावनगर स्थित बागे हुसैन प्रभूदास तालाब शिशु विहार का निवासी है। आरोपी के पास से दो लैपटॉप, दो मोबाइल फोन और एक पासपोर्ट बरामद हुआ है।

आरोपी साथी रईस और मुंतजिर के साथ मिलकर महाराष्ट्र और गुजरात में अकाउंटेंसी का काम करता था। इसी आड़ में वह फर्जी दस्तावेजों के जरिए अलग-अलग राज्यों में बोगस फर्में रजिस्टर्ड करता था। इन फर्मों के नाम पर बिना किसी वास्तविक खरीद-फरोख्त के फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल जारी किए जाते थे। जांच में सामने आया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और बेंगलुरु समेत कई राज्यों में सक्रिय था और सर्कुलर ट्रेडिंग के जरिए करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी को अंजाम दे रहा था।

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी असली फर्मों से व्हाट्सएप के जरिए जीएसटी नंबर, माल का विवरण और कीमत प्राप्त करता था। इसके बाद अपनी फर्जी फर्मों के माध्यम से इनवॉइस और ई-वे बिल बनाकर जीएसटी पोर्टल पर अपलोड करता और संबंधित फर्मों को उपलब्ध करा देता था। इस प्रक्रिया में असली फर्में बिना माल खरीदे ही इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ ले लेती थीं, जिससे सरकार को भारी नुकसान होता था। फर्जी लेन-देन को असली दिखाने के लिए रकम बैंक खातों में ट्रांसफर दिखाई जाती थी। बाद में यह रकम कैश या अन्य फर्जी कंपनियों के जरिए वापस लौटा दी जाती थी। आरोपी के पास कई फर्मों के लॉगिन आईडी और पासवर्ड भी थे, जिनके जरिए वह ओटीपी लेकर लेन-देन करता था।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक, आरोपी के गिरोह के खिलाफ इंदिरानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज है। जिसमें आराध्या इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई। आरोपी ने लखनऊ के पते पर कई बोगस फर्म पंजीकृत करा रखी हैं। इसमें एसएम ट्रेडर्स, राठौड़ इंटरप्राइजेज, गौड़ ट्रेडिंग प्रमुख रूप से शामिल है।

पेस और मिताली सम्मानित, यूपी को 'स्टेट ऑफ द इयर' अवॉर्ड

- प्रदेश में बन रहा मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम: योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश की धरती पर आगमन पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। लखनऊ में 3आयोजित एक स्पोर्ट्स अवार्ड समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं और उन्हें नई दिशा देते हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को 'मेंटॉर ऑफ द इयर' और पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश सहित कई अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मान मिला। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश को खेल ढांचे और नीतियों के लिए 'स्टेट ऑफ द इयर' का पुरस्कार दिया गया। वहीं, 'टीम ऑफ द इयर' महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम और 'फेडरेशन ऑफ द इयर' बीसीसीआई को मिला।

इस अवसर पर पीटी उषा, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, बाइचुंग भूटिया, राजीव शुक्ला, कुलदीप यादव, हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा और हरलीन देओल समेत कई खेल हस्तियां मौजूद रहीं।

क्रिकेटर मिताली राज को सम्मानित करते मुख्यमंत्री।

अभ्युदय योजना से लहराया परचम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मानसी

अदिति

तनिषा

- महंगी कोचिंग के बिना मिली यूपीएससी में सफलता, तीन बेटियों ने बनाई पहचान

अमृत विचार: प्रदेश की बेटियां अब सपनों को हकीकत में बदल रही हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उनके लिए ऐसा सशक्त मंच बनकर उभरी है, जिसके सहारे वे देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में सफलता हासिल कर रही हैं। वर्ष 2025 में इस योजना का लाभ लेकर प्रदेश की तीन बेटियों ने उल्लेखनीय सफलता दर्ज कर "नारी तू नारायणी" की भावना को साकार किया है।

खास बात यह है कि इस योजना के तहत बेटियां बिना महंगी कोचिंग के भी बड़ी सफलता हासिल कर रही हैं। अब तक ढाई सौ से अधिक अभ्यर्थी, विशेषकर बेटियां, इस योजना के जरिए सफलता प्राप्त कर प्रशासनिक सेवाओं में स्थान बना चुकी हैं।

गाजियाबाद की मानसी ने सीमित संसाधनों के बावजूद सेल्फ स्टडी और योजना के मार्गदर्शन से 444वीं रैंक हासिल की। झांसी की अदिति सिंह ने 859वीं रैंक पाई और तैयारी के साथ-साथ अन्य अभ्यर्थियों को पढ़ाकर सहयोग भी किया। वहीं आगरा की तनीषा सिंह ने घर से ऑनलाइन तैयारी करते हुए 930वीं रैंक हासिल कर सफलता पाई। इसके अलावा लखनऊ की कीर्तिका सिंह पहले ही इस योजना का लाभ लेकर डिप्टी एसपी बन चुकी हैं और युवाओं के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और विशेषज्ञों के सहयोग से अब बेटियां आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उतर रही हैं।

चुनाव से पहले संगठन को धार देने में जुटी भाजपा

नए चेहरों और जातीय संतुलन पर फोकस, 17 जिलों में अभी फंसा पेंच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा संगठन को मजबूत करने में जुटी है और जिला इकाइयों के गठन को लेकर तेजी से मंथन चल रहा है। पार्टी नए चेहरों को अवसर देने के साथ जातीय समीकरण साधने पर विशेष ध्यान दे रही है, लेकिन कई जिलों में मतभेदों के कारण अंतिम सहमति बनने में देरी हो रही है।

प्रदेश मुख्यालय पर पिछले दो दिनों में विभिन्न क्षेत्रों की जिला टीमों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। शनिवार को कानपुर और काशी क्षेत्र, जबकि रविवार को अवध क्षेत्र के जिलों पर विचार-विमर्श किया गया। अब तक पांच क्षेत्रों के 82 संगठनात्मक जिलों पर चर्चा पूरी हो चुकी है, लेकिन 17 जिलों में अभी भी पेंच फंसा हुआ है।

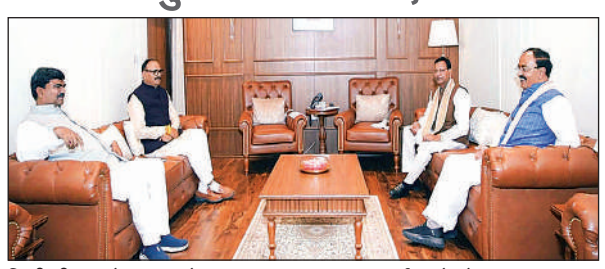

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर संगठनात्मक चर्चा करते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह।

सूत्रों के अनुसार, जिन जिलों में नए जिलाध्यक्ष बनाए जाने हैं, वहां संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद सामने आए हैं। पश्चिम क्षेत्र में बागपत, मेरठ, मुरादाबाद और अमरोहा, जबकि ब्रज क्षेत्र में अलीगढ़, आगरा, शाहजहांपुर, हाथरस और मैनपुरी में सहमति नहीं बन सकी है। काशी क्षेत्र में जौनपुर, वाराणसी महानगर, वाराणसी जिला और चंदौली, वहीं अवध क्षेत्र में अंबेडकरनगर, रायबरेली और लखीमपुर में भी प्रक्रिया अटकी हुई है।

हालांकि कानपुर क्षेत्र के सभी 17 जिलों में सहमति बन चुकी है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि मार्च के भीतर सभी जिला इकाइयों का गठन कर लिया जाएगा, ताकि संगठन चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय हो सके। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मजबूत जिला संगठन ही विधानसभा स्तर तक चुनावी जमीन तैयार करेगा और पार्टी के अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा।

बदलाव | 160 एसटीपी से रोज 5000 एमएलडी नदियों का पानी हो रहा शुद्ध

प्रदेश में नौ वर्ष में 10 गुना बढ़े एसटीपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ में क्षमता 1000 एमएलडी पार करने की तैयारी

अमृत विचार: प्रदेश में नदियों की निर्मलता को लेकर योगी सरकार ने बीते नौ वर्षों में बड़ा बदलाव दर्ज किया है। नमामि गंगे योजना के तहत जहां वर्ष 2017 से पहले मात्र पांच सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित हो पाए थे, वहीं इसके बाद 50 से अधिक नए एसटीपी स्थापित किए गए हैं। इस तरह सीवर शोधन ढांचे के विस्तार की रफ्तार लगभग दस गुना तक बढ़ी है।

वर्तमान में प्रदेशभर में करीब 160 एसटीपी संचालित हैं, जिनके जरिए प्रतिदिन लगभग 5000 मिलियन लीटर (एमएलडी) गंदे पानी का शोधन किया जा रहा है। इससे नदियों में गिरने वाले प्रदूषित पानी को रोकने में बड़ी सफलता मिली है। राजधानी लखनऊ में भी सीवेज शोधन के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। यहां नौ एसटीपी संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 624.50 एमएलडी है। भरवारा, दौलतगंज, हाथी पार्क, वृंदावन और सीजी सिटी जैसे क्षेत्रों में स्थापित इन संयंत्रों के माध्यम से गोमती और उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण से बचाया जा रहा है।

नमामि गंगे की उपलब्धियां

*2017 से पहले केवल 5 एसटीपी

*2017 के बाद 50 से अधिक नए प्लांट

*कुल 160 एसटीपी पूरे प्रदेश में संचालित

*रोजाना 5000 एमएलडी पानी का शोधन

लखनऊ का मॉडल

* 9 एसटीपी संचालित, क्षमता 624 .50 एमएलडी

*3 प्लांट निर्माणाधीन, 4 प्रस्तावित

*गोमती में जाने से पहले पानी का शोधन

*1000 एमएलडी क्षमता पार करने की तैयारी

इसके अलावा शहर में तीन नए एसटीपी निर्माणाधीन हैं, जिनकी क्षमता 153.50 एमएलडी होगी, जबकि चार अन्य प्लांट प्रस्तावित हैं। इनके तैयार होने के बाद लखनऊ की कुल शोधन क्षमता 1000 एमएलडी से अधिक पहुंचने का अनुमान है। सरकार का फोकस केवल नए प्लांट लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पुराने संयंत्रों के उन्नयन और ट्रीटेड वाटर के पुनः उपयोग पर भी जोर दिया जा रहा है।

नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कॉर्निया प्रत्यारोपण और आई बैंकिंग को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम
- सभी मेडिकल कॉलेज बनेंगे ट्रांसप्लांट सेंटर

अमृत विचार : प्रदेश में रोके जा सकने वाले अंधत्व को खत्म करने और नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। इस टास्क फोर्स की अध्यक्षता संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के चिकित्सा अधीक्षक एवं सोटो यूपी के संयुक्त निदेशक प्रो. राजेश हर्षवर्धन करेंगे।

अपर मुख्य सचिव अमित घोष, आईएएस ने इसकी औपचारिक घोषणा करते हुए कहा कि नई टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में कॉर्नियल दान, आई बैंकिंग और कॉर्निया प्रत्यारोपण की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

समिति में एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अल्का गुप्ता को सह-अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर की विशेषज्ञ डॉ. शालिनी मोहन सदस्य सचिव और एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा की डॉ. शेफाली मजूमदार संयोजक नियुक्त की गई हैं।

इसके अलावा पीजीआई के नेत्र विभाग के प्रमुख प्रो. विकास कनौजिया, सीतापुर आई हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. मधु भदोरिया, नवोदय आई हॉस्पिटल, वाराणसी के निदेशक डॉ. अभिषेक चंद्रा सहित केजीएमयू और राम मनोहर लोहिया संस्थान के नेत्र रोग विशेषज्ञों को भी सदस्य बनाया गया है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को पीजीआई में आयोजित 'नेत्रमंथन' कार्यक्रम के दौरान हुई पैनल चर्चा में इस टास्क फोर्स के गठन का निर्णय लिया गया था।

न्यूज ब्रीफ

प्रतिमा तोड़ माहौल बिगाड़ने का प्रयास

कानपुर देहात। शिवली कोतवाली क्षेत्र के मदारपुर गाजीउद्दीन स्थित ब्रह्मदेव मंदिर में स्थापित दुर्गा जी की प्रतिमा रविवार को अराजकतत्वों ने खंडित कर दी। इसकी जानकारी फैलते ही भीड़ एकत्र हो गई। मैथा एसडीएम राजकुमार पांडेय व क्राइम इंस्पेक्टर शीलेन्द्र यादव, लेखपाल वर्षा पाल ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराकर मूर्ति स्थापित कराने का आश्वासन दिया। पुलिस ने गांव के ही एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। मंदिर के पुजारी अशोक मिश्रा ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया कि ताला तोड़कर मूर्ति को खंडित किया गया है। पुलिस ने कहा कि नई मूर्ति स्थापित होगी।

प्रोजेक्ट नई किरण में छह मामले निस्तारित

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए 'मिशन शक्ति 5.0' के दूसरे चरण का आगाज शानदार तरीके से हुआ। इसी अभियान के अंतर्गत रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में 'प्रोजेक्ट नई किरण' के जरिए टूटते परिवारों को बचाने की एक सराहनीय पहल की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपसी मतभेदों के कारण बिखर रहे परिवारों को समझा-बुझाकर पुन : एक सूत्र में बांधना है। प्रोजेक्ट नई किरण के इस सत्र में कुल 42 पारिवारिक विवाद के मामले सामने आए। विशेषज्ञों और पुलिस टीम की काउंसलिंग के बाद छह परिवारों के बीच आपसी सहमति बन गई। वर्षों से अलग रह रहे या विवादों में उलझे पति-पत्नी अब खुशी-खुशी साथ रहने को तैयार हैं। शेष मामलों में सुलह के लिए अगली तारीख दी गई है।

रनियां से किशोरी गुम तलाश में जुटी पुलिस

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र में एक किशोरी बिना बताए घर से कहीं चली गई। परिजनों ने एक युवक पर बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने लापता किशोरी समेत आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने शनिवार को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी 14 वर्षीय पुत्री का सचेंडी कानपुर नगर में अपनी मौसी के यहां आना जाना था। इस दौरान उसकी चकरपुर निवासी एक युवक से जान पहचान हो गई और वह अक्सर फोन पर उससे बातें किया करती थी ।शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे उसकी पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई ।महिला ने आरोप लगाया कि उसे संदेह है कि बाबू उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है। पुलिस ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

बीमारी से तंग युवक ने की खुदकुशी

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना क्षेत्र के बुधौली गांव में रविवार शाम एक युवक ने बीमारी से तंग आकर आत्महत्या कर ली। दीपक कुमार 35 वर्ष पुत्र अशर्फीलाल के बारे में बताया गया कि वह कैंसर की बीमारी से पीड़ित था। रविवार शाम करीब छह बजे उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बारे में सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी रजनीश कुमार वर्मा पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और परिजनों तथा ग्रामीणों से घटना के बाबत जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम को भी सूचना भेजी गई ।सूचना मिलने पर फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। दीपक की मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया बीमारी से तंग आकर आत्महत्या कर लेने की बात सामने आई है।

हार्ट अटैक से ग्राम प्रधान का निधन

कानपुर देहात। संदलपुर ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान समउद्दीन 50 वर्ष की हार्ट अटैक के चलते मौत हो गई। बताया गया कि शनिवार की सुबह शौचक्रिया के लिए जाते समय वह अचानक गश खाकर गिर पड़े और बेहोश हो गए थे। परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए कानपुर के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। देर रात इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वर्ष 2021 में संदलपुर ग्राम प्रधान चुने गए थे। पिछले एक वर्ष से वह शुगर की बीमारी से पीड़ित थे। ग्राम प्रधान की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रविवार सुबह उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो शोक की लहर दौड़ गई।

गैस संकटः समोसे के बढ़े दाम, चाय भी महंगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः रसोई गैस की किल्लत अब आम लोगों के साथ-साथ कारोबारियों पर भी भारी पड़ने लगी है। गैस आपूर्ति बाधित होने के बाद अब कोयले के दामों में भी तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे हालात और अधिक कठिन हो गए हैं। दूसरी तरफ, होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंट खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ गए हैं। दुकानों पर पंद्रह रूपए के दो मिलने वाले समोसे अब बीस के दो हो गए हैं।

कमर्शियल सिलेंडरों पर पाबंदी और घरेलू सिलेंडरों के मिलने में आ रही बाधा से काला बाजारियों की पौ-बारह है। चोरी छिपे लाकर कुछ दुकानदार 15 सौ रूपए से लेकर दो हजार तक घरेलू सिलेंडर बेच रहे। इससे घरों की गणित गड़बड़ाई है। साथ ही गैस आधारित धंधों खासकर, होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट और खान-पान की छोटी दुकानों का कारोबार भी बुरी तरह चरमराया है।

मेन्यू पर खाद्य चीजों के दाम अचानक बढ़ गए हैं। दुकानदारों का कहना है कि सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित है। दूसरा कोई जरिया न होने से लकड़ी और पत्थर के कोयले का इस्तेमाल करना मजबूरी है। इसके भी दाम बढ़े हैं। पत्थर का कोयला 15 रुपये से बढ़कर 20 रुपए प्रति किलो हो गया है, जबकि लकड़ी वाला कोयला 30 रुपए से बढ़कर 40 रुपए तक पहुंच गया है।

सिलेंडर की आपूर्ति पर ब्रेक लगने से शहर के होटल, ढाबा और फूड कॉर्नर संचालकों पर सीधा असर पड़ा है। कारोबारियों के अनुसार छोटे दुकानदारों का करीब 70 फीसदी व्यापार प्रभावित हो चुका है और कई दुकानों के बंद होने की नौबत आ गई है। दुकानदारों का कहना है कि अब उनके सामने दो विकल्प बचे हैं। दुकान बंद कर दें या फिर महंगे दामों पर सिलेंडर खरीद कर अपना परिवार पालें।

अब टूटने लगी आस, कोयला की भट्ठी बनवाई

- माती रोड पर मिष्ठान्न की दुकान चलाने वाले दुकानदार दिनेश सैनी ने बताया कि गैस सिलेंडर मिलने की आस अब खत्म होती जा रही है। धंधा चालू रखने के लिए आज ही पत्थर के कोयले वाली भट्ठी बनवाई है। इससे काम चलेगा, मगर उत्पादों के दाम बढ़ जाएंगे। सिलेंडर न मिलने से चाय और मिष्ठान के छोटे दुकानदारों को घोर परेशानी है। चोरी छिपे घरेलू सिलेंडर से वह काम चला रहे। गैस मंहगी होने से चाय और समोसे में तीन से लेकर पांच रुपये तक की बढ़ोत्तरी हुई है। उधर, ग्रामीण क्षेत्रों में भी गैस संकट गहराता जा रहा है। उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए लगातार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

मुंडन संस्कार के दौरान मधुमक्खियों का हमला

रसूलाबाद। रविवार को कठिका गांव में एक मुंडन संस्कार कार्यक्रम के दौरान मधुमक्खियों के अचानक हमले से अफरा-तफरी मच गई। इस हुई भगदड़ में 35 वर्षीय शिशुपेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

कठिका निवासी शिशुपेंद्र यादव ने बताया कि वह अपने भतीजे के मुंडन संस्कार में शामिल होने गांव से कुछ दूरी पर स्थित कुल देवता की थान पर गए थे। कार्यक्रम चल रहा था। तभी मंदिर के पास लगे मधुमक्खियों के छत्ते में किसी लड़के ने ढेला मार दिया जिससे मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से कार्यक्रम में मौजूद बच्चे, महिलाएं और पुरुष अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। मधुमक्खियां के हमले और भगदड़ मे शिशुपेंद्र यादव को गंभीर चोटें आईं। परिजन उन्हें निजी वाहन से सीएचसी रसूलाबाद ले गए, जहां डॉक्टर सौरभशाक्य ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसकी गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार की गई जान

काशीपुर में अपनी जमीन देखकर लौट रहे थे गंगागंज

संवाददाता, शिवली

रमेश चंद्र शुक्ला।

अमृत विचारः तेज रफ्तार डंपर ने बैरी रनियां मार्ग पर स्थित हिंदूपुर गांव के पास बाइक सवार किसान को टक्कर मार दी। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। चालक डंपर छोड़ चालक भाग निकला घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गंगागंज पनकी निवासी रमेश चंद्र शुक्ला (69) पैतृक गांव काशीपुर में जमीन व खड़ी फसल की देखरेख के लिए पनकी से बाइक से गए थे। रविवार की दोपहर बाद वापस गंगागंज पनकी जा रहे थे। बैरी रनिया मार्ग पर हिंदूपुर गांव के सामने पहुंचे वैसे ही सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। डंपर छोड़कर चालक मौके से भाग निकला।

घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे बाघपुर चौकी प्रभारी योगेश शर्मा ने डंपर को कब्जे में लेकर छानबीन की। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के पुत्र आशीष शुक्ला, अमित शुक्ला तथा पुत्री शालिनी शुक्ला का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

श्यामपुर गांव के पास हादसे में मंदिर के पुजारी की मौतः रनियां थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक शिव मंदिर के पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए मेडिकल कालेज भिजवाया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर क्षेत्र में पहुंची तो शोक की लहर दौड़ गई। रायपुर-गजनेर मार्ग पर स्थित श्यामपुर गांव निवासी दिनेश तिवारी उम्र करीब 42 वर्ष गांव के निकट एक शिव मंदिर में पुजारी थे। उनके माता पिता की मौत हो चुकी थी और वे अविवाहित थे। चार बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। बीती रात वे पैदल सड़क पार कर रहे थे कि तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे उप निरीक्षक इंद्रपाल सिंह ने गंभीर रूप से घायल पुजारी को एंबुलेंस से पीएचसी गजनेर भिजवाया जहां डाक्टरों ने उन्हें मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष रनियां दिनेश कुमार गौतम ने बताया कि मेडिकल कालेज में डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। पीएम के बाद शव मृतक के बहनोई शिव नारायण पांडेय और प्रदीप पांडेय निवासी शिवली को सुपुर्द कर दिया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

स्वास्थ्य मेले के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने आयुष्मान कार्ड वितरित किए। अमृत विचार

स्वास्थ्य मेला में जांची गई सेहत, पोषण किट बांटी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः प्रदेश सरकार गरीब, किसान और जरूरतमंदों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर कर रही है। अक्षम लोगों के लिए आयुष्मान भारत योजना, निःशुल्क दवा, जांच और इलाज जैसी योजनाएं हैं। यह बात रविवार को प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य मेले में मुख्य अतिथि कंचौसी नगर पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह गौर ने कहीं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की इन नीतियों के चलते गरीब परिवारों को बहुत राहत मिल रही है। निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं से आम जनता को लाभ मिल रहा है।

जांच कराने के बाद ही दवा सेवन की सलाह

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के देवीपुर सीएचसी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित जन आरोग्य मेले में 222 मरीजों को निशुल्क दवा दी गई। लोगों को बीमारी से बचाव के टिप्स भी दिए गए। बरौर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कुल 81 मरीजों का डॉ. शशि ने टीम के साथ इलाज किया और उन्हें दवा दी। मलासा में 68 और जरसेन में 73 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दी गई। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ विकास ने लोगों को बीमारी से बचाव के टिप्स दिए। उन्होंने मौसम परिवर्तन के चलते एहतियात बरतने की सलाह दी। कहा कि संक्रमण से बचाव के लिए सफाई का विशेष ख्याल रखें और चिकित्सीय समस्या होने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जांच कराने के बाद ही दवा का सेवन करें।

भाजपा मंडल अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधारों पर प्रकाश डाला। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अक्षय द्विवेदी ने कहा कि सरकार अपने वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य मेलों का मुख्य उद्देश्य गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है, ताकि लोगों को समय पर जांच और उपचार मिल सके। स्वास्थ्य मेले में आयुष्मान कार्ड, नशा मुक्ति, कृषि और स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न स्टॉल लगाए गए। आयुष्मान योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। इस मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीण, आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। मेले के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुखलाल वर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. शैलेन्द्र, डॉ. सौरभ, डॉ. विजय प्रकाश और डॉ. गौरव की टीम ने आयुष्मान कार्ड धारकों तथा क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित की। राम लखन, माया देवी, सियाराम, बालक राम, कमला देवी और प्रेमचंद सहित कई मरीजों को पोषण सामग्री मिली। कुष्ठ रोग से प्रभावित ज्योति सिंह और महावीर को चप्पलें भी दी गईं।

अपने शरणागत भक्तों की मनोकामना अवश्य पूर्ण करते गिरिराज

संवाददाता, रसूलाबाद

श्रीमद् भागवत कथा कहते कथा वाचक वेदपाल शास्त्री। अमृत विचार

- घाघू गांव के ब्रह्मदेव बाबा मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा में गोवर्धन पर्वत कथा का प्रसंग

अमृत विचारः गिरिराज जी सदा अपने भक्तों की मनोकामना को पूरा करते हैं। भगवान कहते हैं कि जो मेरी शरणागत होता है उसकी रक्षा का भार मेरे ऊपर होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के क्रोध के कारण हुई वर्षा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर सात दिन तक उठा कर उनकी रक्षा की।

यह बात घाघू ग्राम स्थित ब्रह्मदेव बाबा मंदिर परिसर में हो रही श्रीमद् भागवत कथा में कथा वाचक वेदपाल शास्त्री ने गोवर्धन पर्वत कथा प्रसंग के दौरान भक्तों को बताई। उन्होंने श्री कृष्ण के द्वारा की गई सुंदर बाल लीलाओं की कथाओं के उपरांत गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था उसका घमंड दूर करने के लिए भगवान ने बृज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू कर दी इससे गुस्साए इंद्र ने ब्रजमंडल पर भारी बरसात कर दी प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया सात दिनों के बाद इंद्र को जब अपनी भूल का एहसास हुआ तो उन्होंने प्रभु श्री कृष्ण से क्षमा मांगी।

गोवर्धन की कथा सुन श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। कथा वाचक ने कहा कि गिरिराज कोई और नहीं साक्षात श्रीकृष्ण हैं। गिरिराज जी सदा अपने भक्तों की मनोकामना को पूरा करते हैं। भगवान कहते हैं, जो मेरी शरणागत होता है उसकी रक्षा का भार मेरे ऊपर होता है। इसीलिए उनके शरणागत हुए ब्रजवासियों को इंद्र के क्रोध से बचाने के लिए उन्होंने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर सात दिन तक उठा कर रखा। इस अवसर पर कथा सुन रहे परीक्षित रामविलास उनकी पत्नी शारदा देवी, राहुल, रामशंकर, महावीर, रामनारायण, बड़े लल्ला, ज्ञानपाल ,रामनरेश ,अनिल ,जितेंद्र, बादशाह आदि मौजूद रहे।

कथा के दौरान बिल के बाहर बैठा सर्प। अमृत विचार

कौतूहल का विषय बना सांप

- रसूलाबाद। ब्रह्मदेव दरबार में 17 मार्च से श्रीमद् भागवत कथा शुरू हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि जैसे ही भागवत की कथा प्रारंभ होती है त्यों ही एक नाग प्रतिदिन बिल से बाहर सिर (फन) निकालकर शांतिपूर्वक कथा सुनता है। कथा समाप्ति के बाद वह फिर से अपने बिल के अंदर चला जाता है और किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है। इस घटना को देखकर स्थानीय लोग इसे भगवान शिव की कृपा और चमत्कार मान रहे हैं। चर्चा आसपास के गांवों में फैल जाने पर बड़ी संख्या आए हुए श्रद्धालु काफी दूर से इस दृश्य को देख रहे हैं और कथा का लाभ ले रहे हैं।

खेल-खेल में बच्चों को मिला काफी कुछ सीखने का मौका

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः कस्बे के रामेश्वर पब्लिक स्कूल में रविवार को एडवेंचर कैंप फनडे का आयोजन किया गया। एडवेंचर कैंप में बच्चों के मनोरंजन का प्रबंध किया गया।

प्रबंधक डॉ. रामशरण तिवारी ने बताया कि विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों और राइड्स का भरपूर आनंद लिया। एडवेंचर कैंप के डायरेक्टर राज वर्मा ने बच्चों को कैंप से जुड़ी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस आयोजन ने बच्चों को न केवल मनोरंजन का अवसर दिया, बल्कि उनमें नई ऊर्जा और उत्साह का संचार भी किया।

इस दौरान आलोक दत्त चतुर्वेदी, राम प्रकाश श्रीवास्तव, शिव शंकर पांडेय राहुल मिश्रा, सुशील यादव, प्रधानाचार्य प्रीति दीक्षित, सुप्रिया डे, कोऑर्डिनेटर दीक्षा मिश्रा, अल्का अवस्थी, पूनम, अर्चना पांडेय, मुस्कान अवस्थी, सोमनाथ, दिव्यांशी, खुशी, पूर्णिमा, शैलजा, अंशिका चौहान, अनन्या, दिव्या सिंह,आकांक्षा त्रिपाठी व अंशिका मिश्रा आदि मौजूद रहीं।

एडवेंचर कैंप में भाग लेते बच्चे।

चुनावी तैयारी | भारतीय जनता पार्टी की जिला कमेटी घोषित, कुल 32 पदाधिकारी नियुक्त किए गए, आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी वर्गों को साधने की हुई कोशिश

8 उपाध्यक्ष और 8 मंत्री शामिल, अल्पसंख्यक वर्ग का पत्ता साफ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः भाजपा ने इस बार जंबोजेट कमेटी घोषित की। 32 पदाधिकारियों की कमेटी में 8 उपाध्यक्ष और इतने ही मंत्री बनाए गए हैं। तीन महामंत्री मनोनीत किए गए। मीडिया प्रबंधन संभालने के लिए जिला मीडिया प्रभारी के साथ-साथ दो जिला सह मीडिया प्रभारी भी बनाए गए हैं। कमेटी में सभी वर्गों को साधने की कोशिश की गई मगर अल्प संख्यक समुदाय के किसी नेता को नहीं लिया गया।

कमेटी के गठन का काफी समय से इंतजार किया जा रहा था। बीती रात प्रदेश संगठन की मंजूरी के बाद जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के नाम घोषित कर दिए गए। इसमें जिला उपाध्यक्ष नीरज पांडेय, बृजेंद्र सिंह, महेंद्र कटियार, सौरभ मिश्रा, राकेश तिवारी, कृष्ण प्रताप सिंह, अंशु तिवारी और योगराज राजपूत को बनाया गया है। राम जी मिश्रा इस बार शामिल नहीं किए गए। इसी तरह, महामंत्री पद के लिए चंद्र कुमार शुक्ला, सत्यम सिंह चौहान और सुमित दिवाकर के नाम तय हुए। जिला मंत्री पद पर क्रांतिवीर सिंह, जनार्दन सिंह ऋषि, निर्मला दीक्षित, सुप्रिया गुप्ता, पूनम आर्या, शैलेंद्र कुशवाहा, साकेत पाल व विनोद नायक का मनोनयन किया गया। दूसरी तरफ, जिला कोषाध्यक्ष पद हरमोहन गुप्ता को दिया गया। जिला कार्यालय मंत्री के रूप में जीतेंद्र द्विवेदी, सह कार्यालय मंत्री श्यामू शुक्ला, सह कार्यालय मंत्री, राखी कक्कड़ को बनाया गया। जिला मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा बने तो सह मीडिया प्रभारी अमित राजपूत सह मीडिया प्रभारी जितेंद्र द्विवेदी बीटू बनाए गए हैं। जिला आईटी संयोजक अनिरुद्ध सिंह, आईटी सहसंयोजक अंकित परमार, आईटी सहसंयोजक यश अग्निहोत्री, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक अनुज सविता, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक सौरभ कटियार बनाए गए हैं। मीडिया प्रभारी ने बताया कि कमेटी में सभी जातियों का समावेश करते हुए अनुभवी एवं युवा टीम को स्थान दिया गया है, ताकि 2027 के चुनाव में जीत सुनिश्चित की जा सके।

सातवीं बार मीडिया प्रभारी बने विकास मिश्रा

कानपुर देहात। बेहतरीन प्रबंधन के लिए पहचान बनाने वाले विकास मिश्रा को लगातार सातवीं बार मीडिया प्रभारी पद का दायित्व मिला। वह अकेले मीडिया प्रभारी हैं जिन्होंने राजेश सचान, राजेश तिवारी, मदन पांडेय, राहुल अग्निहोत्री, अविनाश सिंह चौहान और मनोज शुक्ला के साथ काम किया। अब रेणुका सचान की टीम में वह भी दायित्व निभाएंगे। एक बार के उपाध्यक्ष एवं दो बार के महामंत्री रहे अनुभवी चंद्र कुमार शुक्ला बबलू को महामंत्री पद की अहम जिम्मेदारी दी गई। उनके साथ सत्यम सिंह चौहान को भी रखा गया। पूर्व उपाध्यक्ष नीरज पांडे को फिर उपाध्यक्ष बनाया गया है। वह राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग की अध्यक्ष निरंजन ज्योति के करीबी हैं। जिला पंचायत सदस्य जनार्दन सिंह ऋषि को मंत्री बनाया गया है।

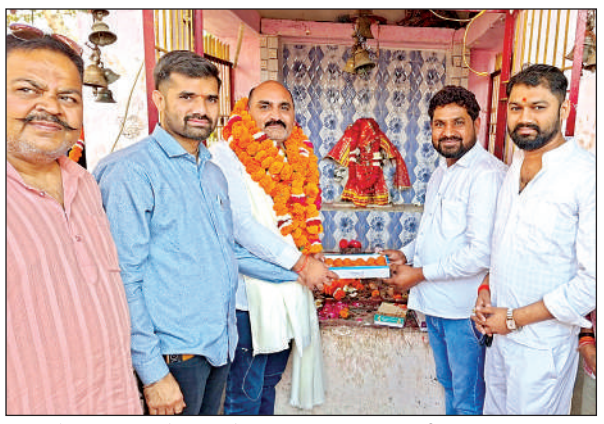

समर्थकों संग मंदिर पहुंचे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अंशू तिवारी। अमृत विचार

उपाध्यक्ष बनने के बाद अंशू ने लड्डू चढ़ाए

- रनियां। भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी में अलियापुर गांव के अंशू तिवारी को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रविवार को अंशू तिवारी ने गांव के देवी मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। ग्रामीणों ने ढोल बजा व आतिशबाजी कर अपनी खुशी जताई। ग्रामीणों ने लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष रनियां धर्मेन्द्र कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष अकबरपुर आशीष दीक्षित, सभासद रीतेश गुप्ता, ग्राम प्रधान करबक संजय पांडेय, रजत प्रताप सिंह, अमित शर्मा रानू, गोपाल गौतम, दुष्यंत शुक्ला, सुनील तिवारी, रजपाल सिंह, जंग बहादुर सिंह, टीटू श्रीवास्तव आदि भाजपाई मौजूद रहे।

सुप्रिया को बधाई देते व्यापारी नेता।

सुप्रिया बोलीं, पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे

जिला कमेटी में मंत्री बनीं सुप्रिया गुप्ता का कार्यकर्ताओं ने मालाओं से स्वागत किया और साथ मिलकर संगठन को गति देने की हुंकार भी भरी। सुप्रिया गुप्ता ने कहा कि संगठन ने जिन उम्मीदों के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, वह उन पर खरा उतरने की कोशिश करेंगी। साधन सहकारी समिति के सभापति मन्नीलाल गुप्ता की पत्नी सुप्रिया काफी समय से भाजपा के लिए काम कर रही हैं। मंडल अध्यक्ष आशीष दीक्षित, व्यापार मंडल के अध्यक्ष ऋषि पुरवार सहित सोनू मिश्रा, अर्पित मिश्रा, आलोक द्विवेदी, समर्थ गुप्ता, मुनि तिवारी, निर्मल गोस्वामी, सौरभ शुक्ला, धर्मेंद्र कुमार, दिनेश कुशवाहा, मोनू राजपूत, शिवम आदि ने घर पहुंचकर उनका स्वागत किया।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 23 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

तालाब में डूबने से युवक की मौत

बिल्हौर। बिल्हौर कोतवाली स्थित उत्तरीपुरा चौकी क्षेत्र के डडवा जमौली गांव में रविवार को एक हृदयविदारक घटना हुई। यहां एक 30 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में चीख-पुकार मची है और पूरे गांव में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मरने वाले की पहचान रिंकू (30 वर्ष) पुत्र चुन्ना कठेरिया के रूप में हुई है।सूचना मिलते ही उत्तरीपुरा चौकी प्रभारी अमित कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चौकी प्रभारी ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए उन्हें न्याय दिलाने और हर संभव पुलिस सहायता का आश्वासन दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिल्हौर के उप जिलाधिकारी संजीव कुमार दीक्षित ने बताया कि घटनास्थल का मुआयना करने के लिए तहसीलदार और तहसील प्रशासन की एक टीम भेजी गई है। एसडीएम ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान करने का भरोसा दिलाया है।

दबंगों ने मारपीट में युवक का हाथ तोड़ा

शिवराजपुर। मामूली बात पर दबंगों द्वारा की गई मारपीट में युवक का हाथ टूट गया। पीडित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। क्षेत्र के मदनेपुर गांव निवासी विजय कुमार पुत्र ईश्वरी ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 19 मार्च को शाम के समय गांव निवासी मिथुन व धर्मेंद्र पुत्रगण गंगाराम ने मामूली बात पर मुझसे गाली गलौज की। गाली गलौज का विरोध करने पर मेरे साथ जबरदस्ती मारपीट की जिससे मेरा हाथ टूट गया। परिजनों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया वहीं इस मामले में थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि तहरीर के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

मंदिर के विवाद को लेकर मारपीट,युवती समेत कई घायल

बिधनू। सेन पश्चिम पारा पिपरगवां गांव में ग्राम समाज की जमीन पर बने मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर कई दिनों से चल रहा विवाद शनिवार देर शाम हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि पुलिस के सामने ही एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी डंडों से हमला कर लहूलुहान कर दिया। जिसमें युवती समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पिपरगवां गांव निवासी किन्नर बसंती ने ग्राम समाज की जमीन पर स्थित मंदिर का जीर्णोद्धार का काम शुरू कराया था। जिसको लेकर पड़ोसी वीर सिंह, धीर सिंह और रघुनाथ ने विरोध किया। जिस पर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। विवाद की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और कुरिया चौकी बुलाकर दोनों पक्षों का समझौता करा दिया। किन्नर बसंती का आरोप है कि वह अपने परिवार संग चौकी से घर लौट रहे थे। तभी वीर सिंह, धीर सिंह और रघुनाथ, लाखन सिंह, ने अपने साथियों संग उनपर लाठी डंडों से हमला कर दिया। जिसमे राधा, मोनू, लक्ष्मी, रामकिशोर, काजल, जशवंत गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी बिधनू में भर्ती कराया गया। राधा की हालत गंभीर है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपितों ने पुलिस के सामने ही सभी को लाठी- डंडों से पीटा। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया दोनों पक्ष एक ही परिवार के हैं। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो लोग घायल

बिधनू। बिनगवां गांव के पास रेलवे पुल के नीचे शनिवार रात ऑटो में अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब साढ़े 12 बजे एक ऑटो नौबस्ता से घाटमपुर की ओर जा रही थी। उक्त ऑटो में तीन युवक सवार थे। ऑटो में पीछे से किसी अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ऑटो सवार तीनों युवक रानू पुत्र मोहम्मद रईस निवासी बाबा नगर लवकुश विहार थाना नौबस्ता कानपुर, सरताज पुत्र निजामुद्दीन निवासी लवकुश विहार थाना नौबस्ता कानपुर नगर, पवन पुत्र मुनेश्वर सिंह निवासी बाबा नगर नौबस्ता कानपुर नगर गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को गंभीर चोटे आई थीं। तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विधनू भेजा गया। चिकित्सा अधिकारी द्वारा घायल पवन को मृत घोषित कर दिया। घायल रानू तथा सरताज दोनों का प्राथमिक उपचार कर चिकित्सा अधिकारी द्वारा हैलेट अस्पताल रेफर किया। घायल रानू तथा सरताज दोनों आपस में सगे साले बहनोई हैं।

भाजपा कानपुर ग्रामीण की नई टीम में बिल्हौर का कद घटा

अभय प्रताप सिंह, बिल्हौर

अमृत विचार। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 और उससे पूर्व होने वाले पंचायत चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सांगठनिक बिसात बिछा दी है। शनिवार देर रात कानपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने जिला कार्यकारिणी की बहुप्रतीक्षित सूची जारी कर दी। इस नई टीम में जहां जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है, वहीं सत्ता के गलियारों में इसे 'मिशन 2027' के टिकट वितरण का 'ट्रेलर' माना जा रहा है। वहीं इस सूची में बिल्हौर का कद कमजोर नजर आ रहा है। जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जिलाध्यक्ष द्वारा घोषित सूची में बिठूर विधानसभा का वर्चस्व बढ़ा है। पार्टी ने यहां के कई नए और युवा चेहरों को टीम में शामिल कर भविष्य की राजनीति के संकेत दे दिए हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह सूची पार्टी के एक कद्दावर पदाधिकारी के प्रभाव में तैयार की गई है, जिसमें उनके खेमे के युवाओं को विशेष तरजीह मिली है। हैरानी की बात यह रही कि इस बार की सूची में बिल्हौर का कद पहले की तुलना में कम नजर आ रहा है। बिल्हौर कस्बे से मात्र दो नामों को जगह मिली है, वहीं ककवन ब्लॉक से भी केवल दो चेहरों को जिला टीम में शामिल किया गया है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष समेत बिल्हौर के कई दिग्गज दावेदारों को इस बार सूची से बाहर रखा गया है।

श्याम सिंह।

जयप्रकाश कटियार।

विक्रम मिश्रा।

किसे क्या मिली जिम्मेदारी

- **जे पी कटियार :** जिलाध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार रहे जेपी कटियार को जिला महामंत्री की कमान सौंपी गई है।
- **वेदव्रत सचान व समरजीत सिंह :** इन्हें भी जिला महामंत्री मनोनीत किया गया है।
- **विक्रम मिश्रा :** इन्हें जिला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।
- **अमरनाथ राजपूत :** पूर्व मंत्री को पुनः जिला मंत्री की सूची में स्थान मिला है।
- **श्याम सिंह चौहान :** सचेंडी मंडल से इन्हें जिला मंत्री बनाया है।
- **अमित प्रताप सिंह :** पूर्व मंडल अध्यक्ष को जिला कार्यकारिणी में नामित सदस्य बनाया गया है।

इन दिग्गजों की हुई छुट्टी

- नई टीम के गठन में कुछ पुराने और बड़े चेहरों को बाहर का रास्ता भी देखना पड़ा है। ब्राह्मण चेहरों के रूप में पहचान रखने वाले राजू दुबे और अखिलेश अवस्थी को इस बार जिला सूची में जगह नहीं मिली है।

कूष्मांडा माता मंदिर के तालाब में दीपदान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

दीपदान कार्यक्रम में भाग लेतीं विधायक सरोज कुरील व अन्य। अमृत विचार

सवा लाख दीपों से जगमगाया कूष्मांडा माता का मंदिर

दीपदान के कार्यक्रम में विधायक और ईओ ने लोगों का किया अभिवादन, पुलिस बल रहा तैनात

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। नवरात्रि के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा देवी मंदिर में रविवार शाम दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां पर सूरज ढलते ही एक साथ हजारों की संख्या में दीप जगमगा उठे। दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर जगमगा उठा। नगर के अलावा दूर-दराज के गांवों से आए भक्तों ने मां के दरबार में भोग प्रसाद चढ़ाया। दीप दान देखने के लिए हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे। जिसके चलते मंदिर में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

घाटमपुर नगर निवासी पूतू, सत्यम सिंह, गुड्डू पंडित, योगेश आदि भक्तों ने बताया कि नवरात्र पर्व की चतुर्थी तिथि को यह आयोजन बीते कई वर्षों से लगातार जारी है। रविवार की शाम जहां एक ओर सूरज ढल रहा था वहीं दूसरी ओर मंदिर परिसर में भक्त माता की अगवानी में दीप जला रहे हैं। देखते ही देखते एक साथ रोशन हुए सवा लाख दीपों की झिलमिल रोशनी से पूरा मंदिर परिसर जगमग हो उठा। वही मंदिर परिसर में स्थित तालाब, परिक्रमा मार्ग, यज्ञशाला और मुख्यद्वार पर की गई बिजली की झालरों की विशेष सजावट यहां पर आए हुए भक्तो के मन को मोहती रही। यहां पर लगभग सात लाख झालरों से मंदिर परिसर की सजावट की गई। दीपदान कार्यक्रम में बुजुर्ग, युवक, बच्चे, युवतियां और महिलाएं उत्साह के साथ शामिल हुए। इस दौरान यहां पर पहुंचीं घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने दीप प्रज्वलित करके दीपदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसके बाद उन्होंने यहां पर घाटमपुर वासियों के लिए मां कूष्मांडा देवी से खुशहाली की कामना की।

घाटमपुर नगरपालिका अधिकारी डॉ महेन्द्र कुमार ने बताया की मां कूष्मांडा देवी मंदिर परिसर में आयोजित दीपदान पर्व में भक्तों की सुविधा के विशेष इंतजाम किए गए। यहां पर समय समय पर माइक के जरिए भक्तों को दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। वहीं, मेले में खोया पाया केंद्र बनाया गया है, मंदिर परिसर में भक्तों की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा।

शृंगारित कूष्मांडा माता की प्रतिमा। अमृत विचार

कानपुर सागर हाईवे पर पुलिस रही अलर्ट

घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया की मंदिर परिसर में दीप दान कार्यक्रम के मद्देनजर यहां कानपुर सागर हाईवे पर पुलिस अलर्ट रही। घाटमपुर नगर में शाम 6 बजे से लेकर आठ बजे तक बच्चों के साथ महिलाएं मंदिर पहुंच रही थीं, सभी हाईवे पार कर मंदिर जा रही थीं। पुलिस कर्मी ट्रैफिक को रोककर सभी को मंदिर की ओर भेज रहे थे।

उचित मूल्य की दुकानों पर राशन नहीं पहुंचने से लाभार्थी परेशान

संवाददाता, चौबेपुर

- कई स्थानों पर झगड़ा व मारपीट की स्थिति उत्पन्न

अमृत विचार। क्षेत्र स्थित उचित मूल्य की राशन दुकानों में राशन न पहुंचने से कोटेदार व लाभार्थी परेशान हैं। सुबह से शाम तक दुकानों पर घण्टों लाइन में लगने के बाद लोगों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ रहा है। कई स्थानों पर झगड़े की स्थिति भी उत्पन्न हैं।

सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के तहत ब्लाक क्षेत्र में 14 उचित मूल्य की दुकानें हैं। दुकानों पर 12 से 28 तारीख तक राशन पहुंचाने का समय निर्धारित है। इधर वितरण के लिए मात्र 6 दिन शेष हैं। बावजूद इसके ब्लॉक क्षेत्र की दुकानों पर मक्का अभी तक नहीं पहुंच सकी है। क्षेत्र के ओम शंकर गोगूमऊ, प्रवीन कुमार कुर्मी खेड़ा, नीतू ततारपुर, विनोद इटरा, पुष्पेंद्र बनी, अनंतराम राय गोपालपुर, सुधीर पारा प्रतापपुर, सूर्य नारायण पांडे शेरपुर बैरा, राजेश कुमार चंपतपुर व कृष्णकांत शादीपुर आदि राशन विक्रेताओं ने बताया कि राशन वितरण के लिए मात्र 6 दिन शेष हैं। दुकानों पर मक्का अभी तक नहीं पहुंच सकी है। बताया कि शासन स्तर से राशन वितरण में किसी भी तरह की लेट लतीफी व लापरवाही न बरते जाने के कड़े निर्देशों के बावजूद निचले स्तर पर बरती जा रही लापरवाही से समस्या उत्पन्न है। जानकारी दी कि दुकानों पर सुबह से ही राशन धारकों की भीड़ लगने लगती है। राशन दुकानों में आपूर्ति करने वाले ठेकेदार आशीष पांडे ने बताया कि जिले के गोदाम में मक्का का स्टॉक न होने से दिक्कत उत्पन्न है। डिप्टी आरएमओ अजय विक्रम सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में मोटे अनाज की समस्या आई है, जल्द निदान होगा।

अदालती सूचना

न्यायालय-उपजिलाधिकारी, तहसील,मैथा,कानपुर देहात
वाद संख्या–22 सन 2026
अंतर्गत–धारा 116–उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006

ग्राम–रंजीतपुर,तहसील मैथा,कानपुर देहात विनोद कुमार बनाम कृष्ण कुमार आदि वास्ते– 1–कृष्ण कुमार पुत्र स्वर्गीय दयाशंकर, 2–दिनेश कुमार पुत्र स्वर्गीय दयाशंकर उपरोक्त सभी निवासी ग्राम रंजीतपुर तहसील मैथा, कानपुर देहात आपको को आदेशित किया जाता है। कि दिनांक 02–04–2026 को मेरी अदालत में उपस्थित होकर उपरोक्त वाद में अपना पक्ष प्रस्तुत करे। अनुपस्थित रहने पर आदेश आप के विरुद्ध भी जा सकता है।

उपजिलाधिकारी,
तहसील मैथा,
कानपुर देहात

गुमशुदा की तलाश

नाम : **सोनेलाल कटियार**
पिता का नाम : **स्व0 छेदीलाल कटियार**, निवासी ग्राम : अमौली कुर्मियान, थाना : डेरापुर, जनपद – कानपुर देहात, उम्र : लगभग 60 वर्ष, कपड़े : हल्के कत्थई रंग का कुर्ता, सफेद पैजामा, पैरों में हवाई चप्पल।, गुमशुदा दिनांक : 19/07/2018, हुलिया–कद 5 फुट, रंग साँवला, इकहरा बदन, नाक, कान औसत है।
सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि सोनेलाल कटियार पुत्र स्व0 छेदीलाल कटियार जो कि दिनांक 19/07/2018 समय लगभग 10रू00 बजे सुबह से लापता हैं। इसकी गुमशुदगी थाना सिकन्दरा में जी0डी0 नं0 26 समय 3:13 बजे दिनांक 21 जुलाई 2018 को दर्ज की गयी है इसके बारे में कोई भी जानकारी हो तो निम्न नम्बरों पर सूचना करें सूचना देने वाले व्यक्ति को उचित पुरस्कार दिया जायेगा। **पिता का मो0 नं0 : 7753809242, 8950663146, (अमौली कुर्मियान-कानपुर देहात)**

क्षेत्राधिकारी	थाना प्रभारी
प्रिया सिंह	**जर्नादन सिंह**
थाना–सिकन्दरा–कानपुर देहात	थाना–सिकन्दरा–कानपुर देहात
मो0 : 9454401473	मो0 : 9454403704

जांचकर्ता
तबारक अहमद
थाना–सिकन्दरा–कानपुर देहात
मो0– 6393173899

विधायक ने बारातशाला का किया लोकार्पण

चौबेपुर। क्षेत्र के तरीपाठकपुर गांव में बारातशाला का लोकार्पण रविवार को क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने किया। बारातशाला बनने से ग्रामीणों को जहां बेटियों की शादी ब्याह में भारी राहत मिलेगी, वहीं ग्राम पंचायत की बैठकें और अन्य सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम कराने में भी सहूलियत मिलेगी।

मालूम हो कि ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये खर्च कर बनवाये गए विभिन्न सरकारी भवन उपयोग में न लिए जाने व समय रहते मरम्मत कार्य न कराये जाने से मौजूदा समय मे जीर्णशीर्ण स्थिति में हैं।ऐसे निष्प्रयोज्य सरकारी भवनों की मरम्मत व नवीनीकरण के लिये शासन स्तर से विशेष निर्देश हैं। इसी कड़ी में ब्लॉक क्षेत्र के तरी पाठकपुर गांव स्थित मिलन केंद्र के पुराने जर्जर भवन का ग्राम पंचायत निधि से जीर्णोद्धार कर इसे बरातशाला का रूप दिया गया है।

बारातशाला का उद्घाटन करते विधायक राहुल बच्चा सोनकर। अमृत विचार

नवरात्रि के अवसर पर बारातशाला का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर द्वारा किया गया। बररातशाला के बनने से गांव की बहन बेटियों की शादियां आसानी से संपन्न हो सकेंगी। वहीं ग्राम पंचायत से जुड़े व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिये भी भवन को उपयोग में लिया जा सकेगा।

ब्लॉक प्रमुख ने किया इंटरलॉकिंग रोड का लोकार्पण,ग्रामीणों को राहत

संवाददाता बिठूर

अमृत विचार। क्षेत्र के विकास को गति देते हुए ब्लॉक प्रमुख कल्याणपुर अनुराधा अवस्थी ने परगही कछार और शिवा विहार कोठी क्षेत्र में नवनिर्मित इंटरलॉकिंग रोड का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख ने फीता काटकर सड़क का उद्घाटन किया और कहा कि गांवों के समग्र विकास के लिए सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस इंटरलॉकिंग सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी, खासकर बरसात के दिनों में होने वाली दिक्कतों से निजात मिलेगी।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने भी इस कार्य की सराहना की और कहा कि इससे गांव के विकास को नई दिशा मिलेगी। ग्रामीणों ने ब्लॉक प्रमुख का आभार जताते हुए भविष्य में भी ऐसे ही विकास कार्यों की उम्मीद जताई। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश अवस्थी, उपेंद्र मिश्र, प्रदीप सिंह, आनंद तिवारी, पंकज अवस्थी सुनील द्विवेदी राजा मिश्र सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इंटरलॉकिंग रोड का लोकार्पण करतीं ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम PRIYANKA AJIT KUMAR VISVAKARMA था अब मैने बदलकर अपना नाम PRIYANKA रख लिया है भविष्य में मुझे PRIYANKA के नाम से जाना व पहचाना जाए।W/O-AJIT KUMAR R/O- 1850/4- PIKAURA SHIV GULAM POST GANDHI NAGAR KOTWALI BASTI 272001

सूचना

पहले मेरा नाम SHAHNEWAZ AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम SHAH NEWAZ AHAMAD रख लिया है भविष्य में मुझे SHAH NAWAZ AHAMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- GULAM ZILANI R/O- FLAT NO-108, 1ST FLOOR, AJEET RESIDENCY SECTOR - 2, VIKAS NAGAR LUCKNOW-226022

सूचना

पहले मेरा नाम SADHANA KUMARI GUPTA था अब मैने बदलकर अपना नाम SADHANA GUPTA रख लिया है भविष्य में मुझे SADHANA GUPTA के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O-MRITUNJAY KUMAR GUPTA R/O-WARD NO - POLICE CHAUKI POST BELTHARA ROAD BALLIA 221715

सूचना

पहले मेरा नाम VISVAKARMA AJITKUMAR RAM SURESH था अब मैने बदलकर अपना नाम AJIT KUMAR रख लिया है भविष्य में मुझे AJIT KUMAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RAM SURESH VISVAKARMA R/O-1850/4- PIKAURA SHIV GULAM POST GANDHI NAGAR KOTWALI BASTI 272001

सूचना

पहले मेरा नाम ATUL KUMAR MADHYESIYA था अब मैने बदलकर अपना नाम ATUL KUMAR रख लिया है भविष्य में मुझे ATUL KUMAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RAM NIWAS PRASAD R/O-AZIMABAD GALI BELTHARA ROAD BALLIA

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शपथी का नाम पासपोर्ट में त्रुटिवश AZEEM ASHRAF SAYED पुत्र सयद मोहम्मद खालिद अशरफ अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम सयद अज़ीम अशरफ (SAYED AZEEM ASHRAF) है। अबसे मैं सभी जगह कानूनी रूप से सयद अज़ीम अशरफ (SAYED AZEEM ASHRAF) नाम का उपयोग करूंगा और इसी नाम से जाना जाऊँगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र नितेश कुमार पुत्र स्व.ओम प्रकाश निवासी ग्राम ठकुराइन खेड़ा, मजरे रामपुर सुदौली, थाना–बछरावां जनपद रायबरेली के व्यवहार एवं आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। जिसका ना ही मुझसे और न ही मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई वास्ता है और ना ही भविष्य में होगा। जो किसी भी प्रकार का कृत्य करता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा उसका हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई लेना देना एवं वास्ता नहीं रहेगा। **विद्या देवी पत्नी स्व.ओम प्रकाश निवासिनी ग्राम ठकुराइन खेड़ा, मजरे रामपुर सुदौली, थाना-बछरावां, जनपद रायबरेली। वर्तमान पता दुर्गापुरी कॉलोनी निलमथा कैण्ट, थाना सदर, जनपद लखनऊ।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कु. सरिता यादव तथा सरिता दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। किसी भी प्रकार के शासकीय, अर्द्धशासकीय, बैंकिंग अथवा अन्य दस्तावेजों में यदि कहीं कु. सरिता यादव तथा कहीं केवल सरिता नाम अंकित है, तो दोनों को एक ही व्यक्ति का नाम माना जाए। पिता का नाम: राम खेलावन पता : W/o संजय यादव, नील गोदाम, सोना हॉस्पिटल के पास, देवकाली, पोस्ट–फैजाबाद, जनपद–अयोध्या, उत्तर प्रदेश – 224001 भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति से बचने के लिए यह सूचना प्रकाशन जारी किया जा रहा है।

कार्रवाई | नगर पालिका परिषद बिल्हौर की अधिशासी अधिकारी के निरीक्षण में मिले गायब

तीन सफाईकर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। नगर पालिका परिषद बिल्हौर की अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा ने रविवार को नगर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्य में लापरवाही बरतने और ड्यूटी से नदारद मिलने पर तीन सफाई कर्मचारियों का वेतन रोकने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

रविवार सुबह अधिशासी अधिकारी ने तहसील परिसर, स्थानीय गौशाला समेत नगर के विभिन्न वार्डों (संख्या 1, 6, 7, 10, 12, 16 और 24) में सफाई कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जानकारी लेतीं अधिशासी अधिकारी। अमृत विचार

अभियान के दौरान उन्होंने सड़कों की सफाई, कूड़ा उठान और नालियों की स्थिति को बारीकी से देखा। निरीक्षण के दौरान वार्डों में तैनात तीन सफाई कर्मचारी अर्जुन, विजय और पुत्तूलाल बिना किसी सूचना के अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। कर्मचारियों की इस अनुशासनहीनता को गंभीरता से लेते हुए ईओ ने तत्काल प्रभाव से इन तीनों का आज का वेतन रोकने का आदेश पारित किया।

अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अन्य कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी अपनी ड्यूटी समय पर और पूरी निष्ठा के साथ करें, अन्यथा भविष्य में और भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में एक की मौत , दो घायल

बिधनू। बिनगवां गांव के पास रेलवे पुल के नीचे शनिवार रात ऑटो में अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब साढ़े 12 बजे एक ऑटो नौबस्ता से घाटमपुर की ओर जा रही थी। उक्त ऑटो में तीन युवक सवार थे। ऑटो में पीछे से किसी अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ऑटो सवार तीनों युवक रानू पुत्र मोहम्मद रईस निवासी बाबा नगर लवकुश विहार थाना नौबस्ता कानपुर, सरताज पुत्र निजामुद्दीन निवासी लवकुश विहार थाना नौबस्ता कानपुर नगर, पवन पुत्र मुनेश्वर सिंह निवासी बाबा नगर नौबस्ता कानपुर नगर गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को गंभीर चोटे आई थीं। तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विधनू भेजा गया। चिकित्सा अधिकारी द्वारा घायल पवन को मृत घोषित कर दिया गया तथा घायल रानू तथा सरताज दोनों का प्राथमिक उपचार कर चिकित्सा अधिकारी द्वारा हैलेट अस्पताल रेफर किया। घायल रानू तथा सरताज दोनों आपस में सगे साले बहनोई हैं।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, सोमवार, 23 मार्च 2026

सुविचार

इंसान को हानि, पीड़ा और चिंताएं, उसकी किसी आंतरिक दुर्बलता के कारण होती हैं, उस दुर्बलता को दूर करके कामयाबी मिल सकती है।

- स्वामी रामतीर्थ

कानपुर के प्रमुख समाचार

- प्रयागराज तक रेलवे ट्रैक को कवच सुरक्षा-II
- ओहदों पर महाना और अवस्थी की चली -III
- बिच्छू नहीं, तितली जैसा स्वभाव बनाएं -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

केडीए न्यू कानपुर सिटी में पंजीयन के लिए बढ़ा आगे

इस योजना के लिए केडीए के पक्ष में 80 फीसदी भूमि हो चुकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

700 भूखंडों के लिए आवेदन मांगे जाएंगे

03 चरणों में विकसित की जाएगी योजना

1500 से अधिक प्लाट उपलब्ध कराने की योजना

पहले चरण में केवल आवासीय प्लॉट

- केडीए अधिकारियों के मुताबिक न्यू कानपुर सिटी योजना को तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में केवल आवासीय प्लॉट होंगे। वहीं, दूसरे चरण में व्यावसायिक प्लॉट निकाले जाएंगे, जहां दुकानों और व्यवसायिक गतिविधियों के लिए जगह मिलेगी। तीसरे चरण में बड़े क्षेत्रफल वाले प्लॉट उपलब्ध कराए जाएंगे। केडीए का लक्ष्य है कि वर्ष 2026 के अंत तक करीब 1500 से ज्यादा प्लॉट आम लोगों को उपलब्ध करा दिए जाएं।

अमृत विचार। कानपुर विकास प्राधिकरण की न्यू कानपुर सिटी योजना अब जल्द ही धरातल पर उतरती नजर आ रही है। केडीए ने योजना के तहत तैयार किए गए प्लॉटों के पंजीकरण के लिए रेरा में आवेदन कर दिया है। स्वीकृति मिलने के बाद प्रथम चरण में करीब 700 भूखंडों के लिए आवेदन मांगे जाएंगे। इसके बाद द्वितीय व तृतीय चरण के भूखंडों की योजना केडीए तैयार करेगा। यह योजना पूरी तरह विकसित कॉलोनी के रूप में तैयार की जाएगी।

केडीए मैनावती मार्ग और कल्याणपुर-सिंहपुर के बीच न्यू कानपुर सिटी योजना को विकसित कर रहा है, जिसके लिए केडीए के पास अब करीब 80 प्रतिशत भूमि पक्ष में हो चुकी है। इसलिए केडीए ने भूमि पर सड़क, सीवर लाइन और यूटिलिटी डक्ट निर्माण आदि कार्य शुरू करा दिया है। वहीं, स्ट्रीट लाइटिंग का काम अंतिम चरण में पहुंचने वाला है। केडीए अधिकारियों के मुताबिक योजना में आवासीय भूखंडों (प्लाट) की वैध बिक्री और विकास सुनिश्चित करने के लिए यूपी रेरा में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। यह कदम परियोजना में पारदर्शिता लाने और खरीदारों के हितों की रक्षा करने के लिए उठाया गया है, जिससे अवैध या अनियोजित विकास पर रोक लग सकेगी। अनुमति मिलते ही भूखंडों के लिए आवेदन मांगे जाएंगे। बताया कि योजना के तहत अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई आकार के प्लॉट तैयार किए गए हैं। योजना के पहले चरण में करीब 700 प्लॉट उपलब्ध होंगे। इनमें लगभग 162 वर्गमीटर के 274 प्लॉट, 112 वर्गमीटर के 112 प्लॉट, 90 वर्गमीटर के 226 प्लॉट, 47 वर्गमीटर के 36 प्लॉट और 36 वर्गमीटर के 90 प्लॉट शामिल हैं। योजना पूरी तरह विकसित कॉलोनी के रूप में तैयार की जा रही है, जहां चौड़ी सड़कें, सीवर लाइन, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। लंबे समय के इंतजार के बाद अब न्यू कानपुर सिटी योजना के लॉन्च होने की उम्मीद बढ़ गई है। रेरा से मंजूरी मिलते ही लोगों को न्यू कानपुर सिटी में अपना प्लॉट खरीदने का मौका मिलेगा।

पहली से आयकर सिस्टम में नए बदलाव लागू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

राहुल चंद्रा, सीए।

- वित्तीय वर्ष एवं आकलन वर्ष के स्थान पर अब टैक्स वर्ष का किया गया प्रावधान

अमृत विचार। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (सीबीडीटी) ने इनकम टैक्स नियम, 2026 को नोटिफाई कर दिया है। पहली अप्रैल से छह दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट की जगह नया एक्ट-2025 लागू हो जाएगा। आयकर प्रणाली में अभी तक वित्तीय वर्ष (एफवाई) एवं आकलन वर्ष (एवाई) की दोहरी अवधारणा लागू रही है। सीए राहुल चंद्रा के अनुसार, वित्तीय वर्ष वह अवधि होती थी, जिसमें करदाता अपनी आय अर्जित करता था, जबकि आकलन वर्ष वह होता था, जिसमें उस आय का मूल्यांकन करके कर निर्धारण किया जाता था। अब इसके स्थान पर नई व्यवस्था टैक्स ईयर शब्द का इस्तेमाल होगा। इस तरह आय अर्जन एवं उसके कर निर्धारण को एक ही वर्ष में समाहित किया गया है।

नए कानून के तहत अलग-अलग कैटेगरी के टैक्सपेयर्स के लिए रिटर्न फाइल करने की समय सीमा में बदलाव किया गया है। साधारण रिटर्न भरने वाले व्यक्ति जैसे आईटीआर-1 और 2 के लिए समय सीमा 31 जुलाई होगी। बिजनेस या प्रोफेशनल आय वाले टैक्सपेयर्स जिन्हें ऑडिट की जरूरत नहीं है, उनके लिए यह सीमा 31 अगस्त रहेगी। कंपनियां और वे जिनके खातों का ऑडिट जरूरी है, के लिए सीमा 31 अक्टूबर है, जबकि विशेष प्रावधान वाले मामलो में 30 नवंबर समय सीमा है। रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 9 महीने से बढ़ाकर 12 महीने कर दी गई है। 9 महीने के बाद रिटर्न भरने पर शुल्क लगेगा। पुरानी कर व्यवस्था में विभिन्न कटौतियों एवं छूटों-जैसे धारा 80 सी, 80 डी, गृह ऋण पर ब्याज तथा मकान किराया भत्ता के माध्यम से कर योग्य आय को कम करने के अनेक विकल्प उपलब्ध थे, वहीं नई कर व्यवस्था में इन अधिकांश छूटों को समाप्त या सीमित कर दिया गया है। इसके बदले में कर की दरें कम रखी गई हैं, जिससे करदाताओं को सीधे तौर पर कर भार में राहत मिली है। इसी तरह जहां पहले करदाता को कर बचाने के लिए विभिन्न निवेश योजनाओं का सहारा लेना पड़ता था, वहीं अब बिना जटिल गणना के सीधे कम दरों का लाभ लिया जा सकता है। हालांकि, नई कर व्यवस्था सभी के लिए समान रूप से लाभकारी नहीं है। जो करदाता पूर्व में अधिक निवेश करते थे एवं विभिन्न कटौतियों का पूर्ण लाभ उठाते थे, उनके लिए पुरानी व्यवस्था अभी भी अधिक लाभकारी सिद्ध हो सकती है। इसके विपरीत, जिन करदाताओं के पास सीमित निवेश विकल्प हैं या जो सरल कर प्रणाली को प्राथमिकता देते हैं, उनके लिए नई व्यवस्था अधिक उपयुक्त है।

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...

माँ स्कंदमाता: ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नम:

चार क्रासिंगों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

कानपुर। झांसी रेलखंड की चार क्रासिंगों (एलसी गेट) को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है। रेलवे इससे क्रासिंग पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखेगा। जिससे ट्रेन संचालन में बाधा बनने वालों पर कार्रवाई की जा सकेगी। सीसीटीवी से लापरवाही, यातायात नियमों का उल्लंघन और संदिग्ध गतिविधियों पर रेल प्रशासन फौरन कार्रवाई कर सकेगा।

फर्जी रैकेट की 99 मार्कशीटों पर संदेह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- यूपी बोर्ड की रिपोर्ट का इंतजार, आज खुल सकता है राज

अमृत विचार। किदवईनगर में पकड़े गए फर्जी डिग्री गिरोह से बरामद यूपी बोर्ड की 99 मार्कशीटों की हकीकत अब सामने आने वाली है। पुलिस को सोमवार तक जांच रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। जिससे यह साफ हो जाएगा कि ये दस्तावेज असली हैं या बड़े फर्जीवाड़े का हिस्सा है। इस पूरे रैकेट का खुलासा 18 फरवरी को हुआ था। जब पुलिस ने जूही गोशाला चौराहे के पास स्थित शैल ग्रुप ऑफ एजुकेशन के दफ्तर पर छापा मारकर 9 राज्यों के 14 नामी विश्वविद्यालयों और एक हजार से अधिक डिग्रियां और अंकपत्र बरामद किए थे। बरामद दस्तावेजों में हाईस्कूल की 33 और इंटरमीडिएट की 66 मार्कशीट के अलावा प्रोफेशनल कोर्स से जुड़े प्रमाणपत्र भी शामिल थे। कार्रवाई के दौरान मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह करीब एक दशक से फर्जी डिग्रियां, मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट तैयार कर बेच रहा था। गिरोह का संचालन शैलेंद्र कुमार ओझा कर रहा था। जिसके साथ नागेश मणि त्रिपाठी, जोगेंद्र और अश्वनी सक्रिय रूप से जुड़े थे। जबकि एक अन्य आरोपी बिचौलिया विनीत कुमार राय को बाद में नोएडा से गिरफ्तार किया गया। एडीसीपी साउथ एसआईटी प्रभारी योगेश कुमार के अनुसार सत्यापन के लिए भेजी गई मार्कशीटें विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। बोर्ड के मूल्यांकन कार्य में व्यस्तता के कारण रिपोर्ट में देरी हुई, लेकिन अब रिपोर्ट मिलते ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी।

सिटी ब्रीफ

मेडिकल छात्र को बेरहमी से पीटा

कल्याणपुर। बर्रा पांच निवासी जतिन दुबे कल्याणपुर के अम्बेडकरपुरम स्थित रीजेन्सी इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग कालेज में ओटी टेक्नीशियन द्वितीय वर्ष का छात्र है। शनिवार को वह कालेज से घर जाने के लिए निकले। तभी रास्ते में एसयूवी सवार उमंग शुक्ला, दीपक कैसेस्टर ने अपने चार-पांच अज्ञात साथियों के साथ उसे घेर कर बेल्टों व लात-घूसों से बेरहमी के साथ पीटना शुरु कर दिया। इस दौरान दबंगों ने उसे गाड़ी के अंदर खीचने का भी प्रयास किया। शोर मचाने पर दबंग धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि छात्र की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डूडा कालोनी बेचने के नाम पर हड़पी रकम

कल्याणपुर। बिठूर के कांशीराम कालोनी निवासी रानी कश्यप एक विकलांग महिला है। रानी कश्यप के मुताबिक कुछ समय पहले पनकी गंगागंज निवासी हरिशंकर ने उन्हें अपने मकान को बेचने की जानकारी दी। मकान पसंद आने पर उन्होंने एक लाख कैश व एक लाख बीस हजार रुपये की चेक दी थी। लेकिन जानकारी करने पर उन्हें ज्ञात हुआ कि वह एक डूडा कालोनी है, जिसे बेचा नहीं जा सकता। मामले की जानकारी होने पर जब उन्होंने हरिशंकर से अपनी रकम वापस मांगी तो वह टालमटोल करने लगा। इतना ही नहीं विरोध करने पर उन्हें धमकी तक दे डाली। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

23 को रोजगार मेले में 730 पदों पर युवा कर सकेंगे दावा

अवसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 23 मार्च को महिला महाविद्यालय में लगेगा रोजगार मेला

अमृत विचार। सेवायोजन विभाग की ओर से 23 को रोजगार मेला लगाया जा रहा है। इस रोजगार मेले में युवा 730 पदों पर अपना दावा कर सकेंगे। किदवई नगर स्थित महिला महाविद्यालय में होने वाले इस मेले में कॉलेज के अलावा अन्य युवा भी निजी कंपनियो के प्रतिनिधियों के समक्ष साक्षात्कार दे सकेंगे। यह मेला सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक महेश त्रिवेदी व विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर जिलाधिकारी शामिल होंगे। मेले में शहर के अलावा अन्य शहरों की कंपनियां भी शामिल होने आ रहीं हैं। इनमें एएस वर्ड ग्रुप, श्रीराम फाइनेंस ग्रुप, इंडिपेंडेंट यूथ लॉजिस्टिक, एलआईसी कॉन चेम्बर, स्टार ग्रुप ऑफ मेन पॉवर, पुखराज हेल्थ केयर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, रक्षा सिक्योरिटी सर्विसेज च सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया लाइफ इंश्योरेंस (फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विस) सहित अन्य निजी कंपनयां शामिल हैं। इन कंपनियों की ओर से लगभग 730 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार रुपये से लेकर 26 हजार रुपये का मासिक वेतनमान ऑफर किया जाएगा। यह भर्ती फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिक्रूटमेंट ऑफिसर, टेलीकॉलर, कस्टमर सर्विस सपोर्ट (इनबाउंड वॉइस प्रोसेस), ट्रेनी अप्रेंटिस हेल्पर, बीमा सखी, लोन एडवाइजर, सेल्स सुपरवाइजर, फील्ड एग्जीक्यूटिव, इंश्योरेंस एडवाइजर, सिक्योरिटी गार्ड सहित विभिन्न पदों पर की जाएगी। इन पदों के लिए कार्यस्थल कानपुर नगर के साथ-साथ लखनऊ, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद एवं हिमाचल प्रदेश (सोलन) निर्धारित किए गए हैं। रोजगार मेले में हाईस्कूल से लेकर परास्नातक, डिप्लोमा एवं आईटीआई उत्तीर्ण तथा सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत महिला अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकती हैं।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

नवरात्र के पांचवें दिन मां दुर्गा के पंचम स्वरुप मां स्कंदमाता की उपासना की जाती है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम दिया गया है। भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं।

सबसे पहले चौकी (बाजोट) पर स्कंदमाता की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद गंगा जल या गोमूत्र से शुद्धिकरण करें। चौकी पर चांदी, तांबे या मिट्टी के घड़े में जल भरकर उस पर कलश रखें। उसी चौकी पर श्रीगणेश, वरुण, नवग्रह, षोडश मातृका (16 देवी), सप्त घृत मातृका (सात सिंदूर की बिंदी लगाएं) की स्थापना भी करें। इसके बाद व्रत, पूजन का संकल्प लें और वैदिक एवं सप्तशती मंत्रों द्वारा स्कंदमाता सहित समस्त स्थापित देवताओं की षोडशोपचार पूजा करें। इसमें आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, सौभाग्य सूत्र, चंदन, रोली, हल्दी, सिंदूर, दुर्वा, बिल्वपत्र, आभूषण, पुष्प-हार, सुगंधित द्रव्य, धूप-दीप, नैवेद्य, फल, पान, दक्षिणा, आरती, प्रदक्षिणा, मंत्र पुष्पांजलि आदि करें। तत्पश्चात प्रसाद वितरण कर पूजन संपन्न करें।

मां स्कंदमाता का मंत्र

मां स्कंदमाता का वाहन सिंह है। इस मंत्र के उच्चारण के साथ मां की आराधना की जाती है।

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

ॐ देवी स्कन्दमातायै नमः॥

संतान प्राप्ति हेतु जपें स्कन्द माता का मंत्र

पंचमी तिथि की अधिष्ठात्री देवी स्कन्द माता हैं। जिन व्यक्तियों को संतानाभाव हो, वे माता की पूजन-अर्चन तथा मंत्र जप कर लाभ उठा सकते हैं। मंत्र अत्यंत सरल है - 'ॐ स्कन्दमात्रै नमः।।' निश्चित लाभ होगा।

चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं

An ISO 9001 : 2008

राही मेडिकल सेन्टर प्रा0 लि0

Dr. M.S. RANA (Director)

Facilities- C.G.H.S, E.C.H.S, C.A.P.F., P.M.J.A.Y.(Ayushman Bharat)

सेन्टर में उपलब्ध विभाग

1) आर्थोपेडिक (हड्डी एवं जोड़ रोग)
2) बाल रोग विभाग
3) मानसिक रोग विभाग
4) नाक, कान व गला रोग विभाग
5) स्त्री व प्रसूति रोग विभाग
6) जनरल मेडिसन विभाग
7) स्वांस रोग विभाग
8) न्यूरोलाजी विभाग
9) गुर्दा रोग विभाग
10) फिजियोथेरेपी विभाग
11) प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी
12) दन्त रोग विभाग
13) सघन चिकित्सा विभाग
14) कैंसर विभाग
15) जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी

20 MINUTS केवल २० मिनट में

चश्मा और कान्टैक्ट लेंस को कहें अलविदा।

• ब्लेड मुक्त लेज़र सर्जरी
• अस्पताल में रुकने की कोई आवश्यकता नहीं
• सभी लेज़िक सुविधाएँ उपलब्ध

किसी भी मौसम में सुरक्षित कैटरैक्ट सर्जरी चाहे बारिश हो या धूप !

नवीनतम तकनीक और IOLS के साथ।
अपना अपॉइंटमेंट आज ही बुक करें।
Monofocal, EDOF, Multifocal, Toric

डॉ. संगीता शुक्ला
MBBS, MS Associate Director
Dept.of Ophthalmology
Regency Health, Kanpur

Regency OPD: 10.30am to 1.30pm (Mon-Fri)
Shahi Darbar Clinic: 2:00pm to 6:00pm (Mon-Fri)

Shahi Darbar Apartment, Swaroop - Nagar (Near LLR Metro Station), Kanpur

Call: +91 9919249414, +91 8853219725

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

द पनेशिया

ए मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड सेंटर फॉर न्यूरोसाईन्सेस

Come Home to Wellness...

स्ट्रोक होने पर, तुरन्त इलाज न मिलने से मस्तिष्क का नुकसान होता है

हर 6 में से 1 व्यक्ति अपने जीवन में स्ट्रोक का सामना करता है।

117/473, एल-ब्लॉक, काकादेव
(नीरछीर चौराहा और डबल पुलिया के मध्य)
कानपुर

सम्पर्क करें: 7897997634
9889556689, 7897997361

कार्रवाई एडीसीपी सेंट्रल व एडीएम सिटी ने हटवाए शव वाहन व एंबुलेंस, कई वाहन जब्त

पोस्टमार्टम के बाहर अतिक्रमण हटाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाती एडीसीपी व एडीएम सिटी। अमृत विचार

अमृत विचार। स्वरूपनगर क्षेत्र में पोस्टमार्टम हाउस के बाहर रविवार दोपहर एडीसीपी सेंट्रल व एडीएम सिटी ने ट्रैफिक पुलिस के साथ सड़क के किनारे खड़े वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। कागजात न होने पर अवैध एंबुलेंस व शव वाहनों को थाने भिजवाया। मोतीझील से लेकर रावतपुर तक अभियान चला।

एडीपीसी सेंट्रल अर्चना सिंह व एडीएम सिटी राजेश सिंह व एसीपी स्वरूपनगर शिखर के नेतृत्व में रविवार दोपहर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चला। इस दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगने वाली दुकानें व सड़क किनारे खड़े अवैध वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। कई चालक अपने वाहन लेकर भाग निकले। ट्रैफिक पुलिस ने अन्य वाहनों को पकड़ लिया। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर खड़ी एंबुलेंस को भी वहां से हटवाकर थाने ले जाया गया। हैलट के बाहर भी खड़ी एंबुलेंस व शव वाहन चालक फोर्स देखकर भागने लगे। वहां से भी कई वाहनों को भी मौके पर पकड़कर क्रेन से थाने लाया गया। कई वाहनों के कागज देखकर उनका चालान भी किया गया। एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने बताया कि अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई की गई है। अगर दोबारा वाहन सड़क किनारे खड़े मिले तो वाहनों को सीज कर दिया जाएगा।

सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए

आज ही मिलें...

डॉ. शुक्ला

गुप्त रोग क्लीनिक

9889975347

समय – 09:00 बजे से रात 08:00 बजे
रविवार 09:00 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक

केशव नगर, निकट शिवाजी इंटर कॉलेज, गेट नं0-2 के सामने, कानपुर

सिटी ब्रीफ

मंदिर जा रही युवती के साथ की छेड़छाड़

कल्याणपुर। कल्याणपुर के बारासिरोही निवासी युवती के मुताबिक शनिवार शाम वह अपनी भाभी के साथ पास के मंदिर जा रही थी। तभी शराब ठेके के पास स्कूटी सवार दो युवकों ने उनका रिक्शा रोक लिया। युवकों ने छेड़छाड़ करते हुए उन्हें खीचने का प्रयास किया। शोर मचाने पर युवक जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर स्कूटी नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

युवती के अपहरण का लगाया आरोप

कल्याणपुर। कल्याणपर निवासी एक बुजुर्ग के मुताबिक दिल्ली निवासी अंकित कुमार पिछले लंबे समय से उनकी नातिन पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। 18 मार्च को उनकी 19 वर्षीय नातिन पनकी रोड मार्केट गई थी, जहां से अंकित उसके पिता ताराशंकर बहनोई विपिन कुमार व बहन वर्षा नातिन को जबरन अगवा कर अपने साथ ले गए। इस दौरान छोटी नातिन के विरोध करने पर दबंग उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश की जा रही है।

तमंचा-कारतूस समेत वीरप्पन गिरफ्तार

कानपुर। गोविंदनगर पुलिस ने शुक्रवार देर रात मुखबिर की सूचना पर गुजैनी अंडरपास के पास एक युवक को तमंचा व दो कारतूस के साथ दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी कोपरगंज निवासी विजय कनौजिया उर्फ वीरप्पन है। जो मौजूदा समय में यशोदानगर में रहता है। दरोगा विमल प्रताप सिंह के अनुसार युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा था। पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा है।

लोहे की रॉड से हमला

कानपुर। बाबूपुरवा में घरेलू विवाद के दौरान महिला पर लोहे की रॉड और ताले से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया गया। सिर फटने के साथ शरीर में कई चोटें आई हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बेगम पुरवा निवासी तसनीम सिद्दीकी के मुताबिक शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे घर के विवाद को लेकर देवर असफाक अहमद और देवरानी अलीशा ने गाली गलौज शुरू की और फिर लोहे की रॉड व ताले से सिर और शरीर पर वार कर दिया।

प्रयागराज तक 192 किमी रेलवे ट्रैक को कवच सुरक्षा

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- जम्मू मेल, संगम व प्रयागराज एक्सप्रेस सहित 16 ट्रेनें इस तकनीक से लैस

अमृत विचार। कानपुर से प्रयागराज के बीच 192 किमी का रेलखंड को कवच की सुरक्षा मिल गई। पहले चरण में 16 ट्रेनों (आठ जोड़ी) ट्रेनें इससे लैस हुई हैं। 20 हजार किमी के ट्रायल रन के बाद परीक्षण को सफल पाया गया। शाम 6 बजे सूबेदारगंज से खुली संगम एक्सप्रेस से कवच प्रणाली को लागू कर दिया गया।

रविवार को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एनपी सिंह ने अधिकारियों के साथ संगम एक्सप्रेस से मनौरी तक 13 किमी ट्रैक का फुटप्लेट निरीक्षण भी किया। कवच को लागू करने से पहले 8 से 22 कोच वाली एलएचबी रैक ट्रेनों से हर खतरे को भांपा गया। वंदेभारत रैक से भी कवच की बारीकियां परखी गईं। प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर सतेंद्र कुमार व उनके विभागों के अधिकारियों के तालमेल से कवच प्रणाली लागू करने में सहायता मिली।

20000
किलोमीटर के ट्रायल रन के बाद लागू की गई सुरक्षा प्रणाली

निरीक्षण करते जीएम एनपी सिंह। अमृत विचार

कौन-कौन सी ट्रेनें कवच से लैस

- कटरा वैष्णोदेवी जम्मू मेल
- आनंदविहार हमसफर एक्सप्रेस
- संगम एक्सप्रेस
- प्रयागराज एक्सप्रेस
- लालगढ़ सुपरफास्ट
- चौरी चौरा एक्सप्रेस
- जोधपुर सुपरफास्ट
- देहरादून एक्सप्रेस

क्या होंगे इसके लाभ

- 160 किमी/घंटा तक सुरक्षित रफ्तार
- रियल-टाइम कम्युनिकेशन से दो ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी
- इंसानी गलती को पकड़ खुद मोर्चा संभालना
- सफर सुरक्षित और तनावमुक्त होगा
- खतरा महसूस होने पर ब्रेक
- पुखरायां और बालासोर जैसे हादसे नहीं होंगे

क्या है कवच

- कवच एक आटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) स्वदेशी सिस्टम है, जिसे पूरी तरह भारतीय इंजीनियरों ने डेवलप किया है। यह रेडियो, जीपीएस और (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) जैसी तकनीकों की मदद से ट्रेनों को एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी पर रखता है। अगर किसी लोको पायलट से गलती हो भी जाए तो कवच सिस्टम इमरजेंसी ब्रेक लगा देता है। कवच बनाने की लागत कम है और रखरखाव करना आसान है।

कूड़ा गाड़ियों की दुर्गंध से लोग परेशान, प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पनकी थाना क्षेत्र में सैकड़ों लोगों ने गत्ता फैक्ट्री के बाहर किया प्रदर्शन

अमृत विचार। ए टू जेड कंपनी के कूड़ा लदी गाड़ियों की गुजरने की वजह से क्षेत्र में लगातार बनी रहने वाली दुर्गंध से परेशान होकर क्षेत्र के लोगों ने बंगालीपुरवा स्थित गत्ता फैक्ट्री के बाहर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही इस समस्या से निजात दिलाने के लिए शासन व प्रशासन से मांग की।

पनकी भौंती में स्थापित किए गए ए टू जेड कूड़ा प्लांट की वजह से आसपास क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्लांट में कूड़ा लेकर जाने वाली गाड़ियों से निकलने वाली दुर्गंध व उनसे गिरने वाला कूड़ा-कचरा लोगों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। इससे नाराज लोगों को गुस्सा रविवार को फूट पड़ा और उन्होंने बंगाली पुरवा गत्ता फैक्ट्री के बाहर धरना प्रदर्शन किया। क्षेत्र में रहने वाले लोगों का आरोप है कि इलाके से लगातार ए टू जेड कंपनी की कूड़ा लदी गाड़ियां गुजरती हैं, जिनसे उठने वाली तेज दुर्गंध ने उनका जीना मुश्किल कर दिया है।

कूड़ा गाड़ियों के आने व जाने से पूरे क्षेत्र में काफी बदबू फैल जाती है, जिससे घरों में रहना भी कठिन हो जाता हैष शासन व प्रशासन से मांग है कि इस संबंध में ध्यान देकर कोई प्रबंध किया जाए।

जीएसवीएम, कार्डियोलॉजी व जेके कैंसर को मिले नर्सिंग अधिकारी

नर्सिंग अधिकारी स्वास्थ्य सेवाओं की होते हैं रीढ़, और मजबूत होगी स्वास्थ्य व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, एलपीएस कार्डियोलॉजी व जेके कैंसर संस्थान में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए इन संस्थानों में 374 नए नर्सिंग अधिकारी तैनात होंगे। मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम 2026 में नए नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कर दिया है।

लखनऊ लोक भवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से आठ बसों द्वारा अभ्यर्थियों को भेजा गया। जहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के लिए नवचयनित 337 नर्सिंग अधिकारियों , एलपीएस कार्डियोलॉजी संस्थान में 22 और जेके कैंसर संस्थान में 15 नर्सिंग अधिकारियों को आधिकारिक रूप से नियुक्ति पत्र दिए। नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और संवेनदशील नर्सिंग सेवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

जीएसवीएम के अभ्यर्थियों के साथ लोक भवन में मौजूद डॉ.पारुल सिंह। अमृत विचार

जीएसवीएम से ये डॉक्टर हुए शामिल

- चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय के अधिकारी और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा शिक्षक नोडल डॉ.डॉली रस्तोगी, डॉ. पारुल सिंह, डॉ.नम्रता पटेल, डॉ. वंदना मिश्रा, डॉ. समरजीत कौर, डॉ. दिव्या त्रिपाठी, डॉ. रुचि गुप्ता, डॉ. प्रशांत प्रियदर्शी, डॉ.प्रियेश शुक्ला, डॉ.चेतन सिंह, डॉ.युगल राजपूत, डॉ.नम्रता निगम, डॉ.अपराजिता, डॉ.श्रद्धा वर्मा, डॉ.अमितेश यादव, डॉ.जयवर्धन, डॉ.पूजा, डॉ.सोनी, डॉ.निधि गुप्ता, डॉ.रूचि, डॉ.योगेंद्र नारायण समेत आदि डॉक्टर शामिल हुए।

ये होंगे नर्सिंग अधिकारियों से लाभ

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला ने बताया कि नर्सिंग अधिकारियों के माध्यम से अस्पताल में मरीजों की सीधी देखभाल संभव होती है। दवाओं के प्रशासन, डॉक्टरों के साथ समन्वय और वार्ड प्रबंधन के लिए इनकी मुख्य जिम्मेदारी होती है। यह रोगी के स्वास्थ्य का रिकॉर्ड रखने, इमरजेंसी में सहायता, जूनियर स्टाफ के मार्गदर्शन और संक्रमण नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ड्रेसिंग, कैथीटेराइजेशन और ऑपरेशन से पहले व बाद में मरीजों की देखभाल करते हैं। वार्ड में मरीजों के रिकॉर्ड, दवाओं का स्टॉक और नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी की निगरानी की जिम्मेदारी भी नर्सिंग अधिकारियों की होती है। अस्पताल में स्वच्छता के मानकों को बनाए रखते हैं।

चकेरी में रिटा. आईएएस के बंद मकान में चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कृष्णापुरम की घटना, लखनऊ में रहता है परिवार

अमृत विचार। चकेरी में चोरों ने एक सेवानिवृत्त आईएएस के बंद मकान को निशाना बनाया और पांच हजार रुपये समेत कुछ सामान चोरी कर ले गए। चोरों ने दरवाजा तोड़कर अंदर घुसने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे और लौटना पड़ा। सेवानिवृत्त आईएएस कई सालों से अपने परिवार के साथ लखनऊ में रह रहे हैं। यहां पर मकान की देखरेख उनके एक परिचित करते हैं। पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

कृष्णापुरम निवासी राजीव शर्मा सेवानिवृत्त आईएएस हैं। मौजूदा समय वह परिवार के साथ लखनऊ के वृंदावन आकाश एन्क्लेव में रहते हैं। यहां उनके मकान में ताला लगा रहता है।पुलिस के अनुसार राजीव शर्मा कानपुर में सीडीओ के पद पर भी रह चुके हैं। राजीव शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर के अनुसार बताया कि उनके मकान की देखरेख उनकी पहचान के मोनू रस्तोगी और मधु गुप्ता करते हैं। बीती 19 मार्च की शाम मोनू रस्तोगी जब ताला खोलकर मकान के अंदर गए तो मकान के पीछे बाथरूम की जाली टूटी मिली। जिससे स्पष्ट हो गया कि चोर जाली तोड़कर अंदर दाखिल हुए फिर चोरों ने एक पीतल का जग, गैस के दो बर्नर, पांच हजार रुपये और एक मोबाइल चोरी कर ले गए। इसके बाद चोरों ने कमरो में दाखिल होने के बाद दरवाजे को तोड़ने का प्रयास भी किया, लेकिन असफल होने पर लौट गए। राजीव शर्मा के अनुसार इससे पहले भी चोर दो बार चोरी का प्रयास कर चुके हैं। तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

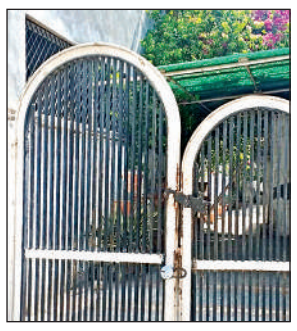
सेवानिवृत्त आईएएस का बंद मकान।

आसपास के लोगों ने बताया कि मकान मालिक करीब दस साल से परिवार के साथ लखनऊ में ही रह रहे हैं। यहां पर कभी देखरेख के लिए आते हैं। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरों की तलाश की जा रही है।

आर्थिक तनाव में युवक ने फंदे से लटककर दी जान

कानपुर। चकेरी में घर में चोरी हुई फिर एक्सीडेंट में खर्चे से आहत युवक ने रविवार सुबह परिजनों से नजर बचाकर फंदे से लटककर जान दे दी।

अहिरवा निवासी 45 वर्षीय संतोष कुमार प्राइवेट नौकरी करते थे। परिवार में पिता अमृत लाल, पत्नी सुनीता, बेटा अभय व बेटी नंदनी हैं। बेटा कन्नौज में इंजीनियरिंग की व बेटी नंदिनी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। पिता ने बताया कि बीते साल अप्रैल माह में घर से चोर लाखों का माल पार कर ले गए थे। जिससे बेटा बहुत दुखी था। उसके बाद तीन माह पहले संतोष सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज में काफी खर्च आया। वह आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हो गया था। उसके बाद से बेटा काफी तनाव में रहने लगा था। पिता ने बताया कि रविवार तड़के संतोष ने नीचे कमरे में जाकर रस्सी के सहारे गले में फंदा कसकर आत्महत्या कर ली। जब परिजन सोकर उठे, अभय नीचे कमरे में गया तो पिता का शव लटका पाया।

संतोष कुमार।

फंदे से लटका मिला युवक परिजनों का हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिधनू में संदिग्ध हालात में युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। परिजनों का आरोप है कि युवक ठेकेदार के अंडर में मुर्गी फार्म में काम करता था। ठेकेदार से वेतन न देने से उसका विवाद हुआ था। पुलिस जांच कर रही है।

मूलरूप से कानपुर देहात के फतेहपुर रोशनाई निवासी 24 वर्षीय रामजी बिधनू स्थित मुर्गी फार्म में नौकरी करते थे और अक्सर वहीं रहता था। परिवार में पत्नी पिंकी व बेटा लवकुश व विनायक हैं। छोटे भाई श्यामजी ने बताया कि ठेकेदार कभी पूरा वेतन नहीं देता था। शनिवार को भी भाई ने बहन रोशनी व भाभी पिंकी को फोन करके बताया था कि ठेकेदार ने पूरा पैसा नहीं दिया है। जब पैसा मांगा तो उसने गाली-गलौज की। बहन से बताया कि उसके पास घर आने के पैसे नहीं हैं। इतना कहते हुए वह रोने लगा और फोन काट दिया। आरोप है जब दोबारा भाभी ने उसे फोन किया तो वहां के एक कर्मचारी ने फोन उठाया। जब भाई से फोन पर बात कराने की बात कही तो उसने कहा कि वह कुछ काम करने गया है, बाद में बात करना। कुछ देर बाद फोन किया तो बताया कि तुम्हारे भाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, उससे पहले पुलिहस पहुंच चुकी थी। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि भाई ने आखिरी बार सभी से बात की थी और ठेकेदार पर पैसे न देने व गाली-गलौज का आरोप लगाया था। उसके बाद आत्महत्या की खबर मिली। इससे लगता है कि उसके साथ कोई घटना घटित हुई है। बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

तीन किशोरियों पर चोरी की रिपोर्ट

कानपुर। हरवंश मोहाल में अधिवक्ता ने तीन किशोरियों पर अलमारी से नकदी व जेवर चोरी करने का संदेह जताकर रिपोर्ट कराई है। मोती मोहाल निवासी अधिवक्ता भूपेंद्र सिंह के अनुसार बीती नौ मार्च को उन्हें पत्नी मीनू संग शादी समारोह में जाना था। इसलिए पत्नी ने पहले मंजिल पर रखी अलमारी खोली तो 25 हजार रुपये, सोने का हार-कंगन समेत अन्य जेवर गायब था। सामान न मिलने पर जानकारी जुटाई तो पता चला कि आसपास की तीन किशोरियां पड़ोसी के घर से उनकी छत पर आकर खेलती थी। इसी आधार पर उन्होंने तीनों पर चोरी करने शक जताया। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की रही है।

फर्जी कागज तैयार करा मकान हड़पने की कोशिश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- महिला ने धोखाधड़ी के मामले में आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई

अमृत विचार। गोविंदनगर में शातिरों ने मरे व्यक्ति के नाम पर फर्जी कागजात तैयार करा लिए। मृतक के स्थान पर किसी अन्य को पेश कर दिया। इस तरह मकान हड़पने की कोशिश की गई। पता चलने पर महिला ने धोखाधड़ी मामले में आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर मकान पर कब्जे का प्रयास किया। पुलिस की जांच कर रही है।

गुजैनी निवासी छाया शर्मा के अनुसार 2016 में अपने मकान का विधिवत बैनामा कराया था। आरोप है कि नवीननगर काकादेव निवासी तेजपाल सिंह भाटिया, सुखविंदर भाटिया, नवजोत, जसजोत ने गुजैनी के शिवम श्रीवास्तव, उमादेवी, अभिषेक रावत और अविनाश निगम से साठगांठ कर उनका मकान हड़पने का प्रयास किया।

आरोपियों ने मर चुके व्यक्ति के नाम पर फर्जी कागजात तैयार कराए। मृतक के स्थान पर दूसरे व्यक्ति को खड़ा कर दिया। इसके आधार पर पहले 29 सितंबर 2024 को एक गिफ्ट डीड तैयार कराई फिर दो अप्रैल 2025 को उसी संपत्ति का बैनामा सुखविंदर भाटिया के नाम कराया गया। जब इसकी जानकारी हुई तो पुलिस से शिकायत की गई। पुलिस को कागजात दिखाने व मृतक के साक्ष्य पेश किए गए। मामले में गोविंदनगर थाना प्रभारी रिकेश सिंह के अनुसार रिपोर्ट दर्ज कर लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

2.10 लाख रुपये उधार लेकर हड़पे, रिपोर्ट

- **कानपुर।** गोविंदनगर स्थित हांडा अपार्टमेंट के मालिक निशांत ने फ्लैट में रहने वाली महिला, उसके पति व देवर पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि दंपती ने उनसे 2.10 लाख रुपये उधार लेकर रकम हड़प ली। गोविंदनगर निवासी निशांत हांडा के अनुसार उनके अपार्टमेंट में योगिता गुल्ला अपने पति राजीव व देवर सनी के साथ रहती थी। 2023 में फ्लैट खरीदने के दौरान पहले एक लाख और फिर जरूरत बताकर 1.5 लाख रुपये समेत कुल 2.5 लाख रुपये उधार ले लिए थे। छह माह में रुपये लौटाने का वादा किया था। बदले में सिक्योरिटी चेक दी थी। जब उन्होंने रुपये नहीं लौटाए तो चेक लगा दी। इस पर स्टॉप पेमेंट का पता चला। रुपये मांगने पर योगिता, उसके पति व देवर ने जान से मारने की धमकी दी। बाद में एक विधायक से दबाव बनवाया। सिर्फ 40 हजार रुपये लौटाए। बाद में आरोपी कहीं चले गए। उनका कुछ पता नहीं है। गोविंदनगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपों की जांच की जा रही है।

अनदेखी

नगर निगम उद्यान विभाग पर लापरवाही का आरोप

शहीद भगत सिंह का प्रतिमा स्थल बदहाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। देश के लिए अपने साथी राजगुरु व सुखदेव के साथ बलिदान देने वाले शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थल तक को नगर निगम सवार नहीं पा रहा है। 23 मार्च को शहीद दिवस होने के बाद भी लाटूश रोड में भगत सिंह की प्रतिमा स्थल पर सफाई का कोई ध्यान नहीं दिया गया। सोमवार को क्षेत्रीय लोग खुद प्रतिमा स्थल की सफाई करेंगे।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ पूर्व पार्षद मदन लाल भाटिया ने बताया कि कानपुर क्रांतिकारियों का शहर है, लेकिन बावजूद इसके लाटूश रोड स्थित भगत सिंह मार्केट में शहीदे भगत सिंह की प्रतिमा स्थल के आसपास गंदगी का साम्राज्य है। फाउंडेशन की टायलें टूटीं और पार्क के चारों तरफ की जाली क्षतिग्रस्त है। जबकि क्रांतिकारियों के नाम स्थापित प्रतिमा स्थल और शहीदों की जन्मतिथि व निर्वाण दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम से पहले सफाई, मरम्मत, रंगाई व पुताई की जिम्मेदारी नगर निगम के उद्यान विभाग की है, बावजूद इसके कोई रुचि नहीं ली गई। नरेश अग्रवाल ने कहा कि देश के शहीदों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता खुद ही प्रतिमा स्थल व मूर्ति की सफाई कर सोमवार को यानी कार्यक्रम आयोजित करेंगे। बता दें कि 23 मार्च 1931 को शहीद भगत सिंह को फांसी दी गई थी। इस दिन को पूरे देश में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थल पर फैली गंदगी और उखड़ी टाइल्स। अमृत विचार

नशे के लती मिस्त्री ने की आत्महत्या

कानपुर। कल्याणपुर में शराब के लती राज मिस्त्री ने आत्महत्या कर ली। खुर्द निवासी 35 वर्षीय राकेश वर्मा राजमिस्त्री थे। परिवार में पत्नी पूनम, दो बच्चे ऋषभ व ऋषि हैं। छोटे भाई वीरेंद्र ने बताया कि बड़ा भाई राकेश शराब का लती था। आएदिन नशे में परिजनों से कलह करता था। शनिवार दोपहर में वह शराब के नशे में घर आया और परिजनों से झगड़कर कमरे में चला गया। जहां टीन शेड के नीचे रस्सी से फांसी लगाकर जान दे दी। रविवार सुबह तक जब राकेश कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजन अंदर गए। वहां शव फंदे से लटका पाया। जानकारी मिलते ही कल्याणपुर फोर्स पहुंची और जांच के बाद शव पोस्टमार्टम भेजा।

हनुमान कथा में बताया मां का महत्व

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वीर हनुमान कभी बड़े नहीं हुए। वे हमेशा प्रभु राम व माता सीता के बालक बन कर ही रहे। यह वीर हनुमान की मां का आशीष ही था कि वे अजेय व अमर रहे। वीर हनुमान का कोई नाम नहीं है। आज भक्त उन्हें उनके जिस भी नाम से पुकारते हैं वह उनके नाम नहीं बल्कि उनके गुण हैं।

यह विचार रविवार को सीएसजेएमयू के सभागार में शुरू हुई हनुमान कथा में कथा व्यास विजय कौशल जी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि वीर हनुमान को कोई भी भक्त उनके नाम से नहीं पुकारता। इसकी भी एक वजह है। नाम में अहंकार छुपा हुआ होता है। इस वजह से वे अपने नाम नहीं बल्कि गुण से पहचाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के वीर हनुमान को मिल रहे स्नेह से एक बार वानरों में विवाद हो गया। इस पर प्रभु राम ने हनुमान जी से पूछा कि यह बताएं कि आप इतना विशाल समुद्र कैसे लांघ गए। इस पर वीर हनुमान ने कहा कि मैं समुद्र नहीं लांघा, समुद्र आपकी मुद्रिका ने लांघा था। इसके बाद प्रभु राम ने फिर कहा कि वापसी में तो मुद्रिका आपके पास नहीं थी। तब आप कैसे वापस आए। इस पर वीर हनुमान ने उत्तर दिया कि मैं वापस नहीं आया वहां से वापस माता सीता का आशीष मुझे लाया है। प्रभु राम ने उनसे एक बार फिर पूछा कि लंका में आग तो आपने ही लगाई थी। इस पर वीर हनुमान ने उत्तर दिया कि वह आग भी मैंने नहीं लगाई थी। वह आग लगी थी माता सीता के ताप से, रावण के अहंकार से और आप के प्रताप से। इस संवाद से वीर हनुमान के भीतर छुपे हुए गुण और उनके विनम्र भाव की झलक खुद ही मिलती है। कथा के दौरान पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, डॉ. उमेश पालीवाल, कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक, डॉ. विवेक द्विवेदी, डॉ. प्रीति द्विवेदी, डॉ. वंदना पाठक थीं।

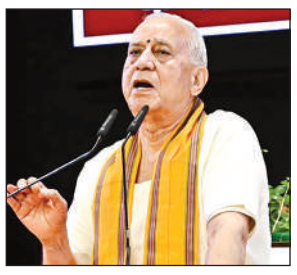
कौशल जी महाराज।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

रिपोर्ट के बजाय दरोगा ने कहा, समझौता करो

कानपुर। बजरिया में जानलेवा हमला मामले में दरोगा ने कार्रवाई नहीं की, बल्कि आपस में समझौता का दबाव बनाया। समझौता न करने पर दोनों पक्षों का चालान करने की चेतावनी दी। सुनवाई न होने पर पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से मामले की शिकायत की। उनके आदेश पर एससीएसटी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट कराई है। कर्नलगंज निवासी शिवम पासवान ने तहरीर में बताया कि तीन मार्च को किसी बात की खुन्नस में दबंग भोला व उसके साथियों ने घर के पास घेर लिया। फिर हमला किया। इसकी थाने में शिकायत की। आरोप है कि 13 मार्च को दरोगा गणेश सिंह ने कार्रवाई करने के बजाय समझौता करने का दबाव बनाया। थाना प्रभारी अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट कर जांच की रही है।

पीयर रिव्यूअर्स का आयोजन

कानपुर। सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल की ओर से 'वन डे ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर पीयर रिव्यूअर्स' का आयोजन हुआ। होटल रीजेंटा सेंट्रल, द क्रिस्टल में हुए इस आयोजन में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सीए अनुज गोयल व चेयरमैन सीए अंकुर गोयल ने की। सीए हिमांशु अग्रवाल ने पीयर रिव्यू के औचित्य एवं उसके व्यावहारिक महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रभावी रिव्यू प्रक्रियाएं एवं सटीक रिपोर्टिंग प्रणाली पेशे में गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाती हैं। कार्यक्रम में सीए अजय गौर, सीए अमीश गुप्ता, सीए पंकज गुप्ता, सीए सौम्या अय्यर, सीए स्वपनिल थे।

भाजपा उत्तर और दक्षिण कमेटियों के गठन का मुख्य चरण पूरा, कार्य समिति सदस्य बनाए जाएंगे

कमेटियों के ओहदों पर महाना और अवस्थी की चली, विस्तार शीघ्र

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर के तीनों जिलों की भाजपा कमेटियां घोषित होने के बाद रविवार को नए पदाधिकारी बड़े नेताओं की चौखट पर पहुंचे और आशीर्वाद लिया। कोई मिठाई लेकर पहुंचा तो कोई गुलदस्ता। इसी के साथ चर्चा रही कि उत्तर जिला कमेटी में सांसद रमेश अवस्थी और जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित की पसंद को ज्यादा तरजीह मिली। इसी तरह दक्षिण में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह के नजदीकी नेताओं का समायोजन हुआ। क्षेत्रीय विधायकों की सिफारिश पर एक से तीन नेताओं को जगह मिली।

उत्तर जिले में एक विधायक के बेहद खास, जो साये की तरह उनके साथ रहते हैं, अपनी जगह पक्की मान रहे थे, पर एक नेत्री को पद मिल गया। उन्हें भरोसा दिलाया गया है कि कुछ बड़ा ओहदा दिलाया जाएगा। जिला अध्यक्ष के साथ हरदम नजर आने वाले युवा मोर्चा के दो नेताओं को भी स्थान मिला है। एक नेता जो कभी एक बेहद ताकतवर नेता के करीबी हुआ करते थे, वह मौका देख सांसद के करीब आए, निष्ठा की शपथ उठाई और ओहदा पाने में सफल हो गए। उत्तर

सतीश महाना।

सांसद रमेश अवस्थी।

- नए ओहदेदारों का अपने आकाओं की चौखट पर जमावड़ा, मिठाई और शुभकामनाओं का दौर

जिले के एक नेता, जो पार्टी के हर कार्यक्रम में नजर आते हैं और अपने आयोजन में जिले भर के नेताओं के स्वागत में पलक पांवड़े बिछाए रहते हैं, वह निराश हैं और अपना दर्द भी बयान कर रहे हैं।

उत्तर जिला कमेटी में ब्राह्मणों का ज्यादा दबदबा दिखा, लेकिन कायस्थ को स्थान नहीं मिला। सूत्र बताते हैं उत्तर जिला कमेटी में सांसद रमेश अवस्थी और जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित की आपसी सहमति से ज्यादातर पदाधिकारियों का चयन हुआ है।

इसी तरह दक्षिण जिला कमेटी में भी ज्यादातर पद सतीश महाना और जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह की सहमति से भरे गए। इनमें से

- पद न मिलने पर कई कार्यकर्ता निराश, उन्हें आगे मौका देने का आश्वासन

कुछ पर क्षेत्रीय विधायकों की भी सहमति रही। विधायक कोटे के भी एक-दो नेताओं को समायोजित किया गया। जिलाध्यक्ष के साथ हरदम कार्यक्रमों में नज़र आने वाले दो चेहरे महत्वपूर्ण ओहदा पाने में कामयाब रहे।

खास बात यह भी कि मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी को हटाकर संजीव को रखना भी चर्चा का विषय रहा। उत्तर जिले में इस पद पर अनुराग शर्मा को पहले की तरह बनाए रखा गया है। पार्टी से जुड़े एक बड़े कारोबारी और बिल्डर को भी समायोजित किया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि यह लिस्ट वैसी नहीं है, जैसी पार्षदों के मनोनयन की है।

स्थान पाकर ब्राह्मण खूब खुश हुआ

- उत्तर जिले में 34 की कमेटी में 11 ब्राह्मण हैं। मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी सेल में तो सात में पांच ब्राह्मण हैं। दक्षिण में 20 में सात और ग्रामीण की कमेटी में भी पांच ब्राह्मण हैं। महामंत्री जैसे पदों पर एक भी पंडित नहीं है। यह चर्चा नकारने की कोशिश है कि भाजपा ब्राह्मणों का ध्यान नहीं रखती है।

पिछड़ों को भी खास तरजीह मिली

- उत्तर की कमेटी में 5, दक्षिण में 4, और ग्रामीण जिले में 6 महत्वपूर्ण पद पिछड़ों को दिए गए हैं। उम्मीद के मुताबिक महिलाओं को पर्याप्त जगह नहीं दी गई। उत्तर में 4, दक्षिण में 4 और ग्रामीण जिले में 4 पद महिलाओं को दिए गए हैं।

नए चेहरे ज्यादा पुराने कम

- उत्तर में 13 नए और 7 पुराने, दक्षिण में नए 12, पुराने 8, ग्रामीण जिले में नए 16 और पुराने 4 नेताओं को पदाधिकारी बनाया गया है। अब कार्य समिति के सदस्यों की लिस्ट बनाई जा रही है।

एडवांस्ड कार्डियक प्रक्रिया से दिल की धड़कन सामान्य

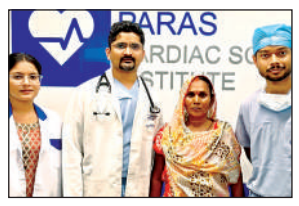

मरीज के साथ मौजूद डॉक्टर।

कानपुर। पारस हेल्थ कानपुर में एडवांस्ड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी स्टडी और रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन से न सिर्फ मरीज का इलाज किया, बल्कि बार-बार अचानक असामान्य होने वाली हृदय गति की समस्या को भी सामान्य किया गया। कार्डियोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. श्रीपद वसंत खैरनार के मुताबिक 70 वर्षीय प्रेमा देवी की दिल की धड़कन सामान्य स्तर लगभग 70 बीट प्रति मिनट से बढ़कर करीब 200 बीट प्रति मिनट तक पहुंचने से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। पारस हेल्थ कानपुर आने पर टीम के साथ उनकी यह स्थिति सुप्रावेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया के रूप में पहचानी गई। मरीज का एडवांस्ड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी स्टडी और रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन से न सिर्फ इलाज किया, बल्कि बार-बार अचानक असामान्य होने वाली हृदय गति की समस्या को भी सामान्य किया गया। पारस हेल्थ कानपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर रजत बजाज ने कहा कि पारस हेल्थ में एडवांस कर्डियक प्रक्रिया की वजह से मरीज अपने घर के पास ही एडवांस्ड जांच और इलाज प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा देकर निकलते अभ्यर्थी। अमृत विचार

5903 अभ्यर्थियों ने छोड़ी एपीओ परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 12498 ने कराया था पंजीकरण 6595 हुए शामिल

अमृत विचार। शहर में रविवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सहायक अभियोजन अधिकारी (एपीओ) की प्रारंभिक परीक्षा हुई। यह परीक्षा 29 परीक्षा केंद्रों पर हुइ। परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों को कड़ी सुरक्षा के बीच से होकर गुजरना पड़ा। परीक्षा में 5903 परीक्षार्थी अनुपस्थित हुए। 6595 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। 12498 परीक्षार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया था।

परीक्षा देकर वापस आए परीक्षार्थियों ने बताया कि परीक्षा में सामान्य ज्ञान के सवालों ने काफी परेशान किया। खासतौर पर इस क्षेत्र इतिहास और नेशनल मूवमेंट से जुड़े सवालों ने परीक्षार्थियों को काफी परेशान किया। इतिहास में तारीखों से जुड़े सवाल भी कठिन बताए गए। विधि के सवालों को परीक्षार्थियों ने औसत बताए। रीक्षा में150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए। जिनमें सामान्य ज्ञान और विधि से संबंधित प्रश्न शामिल थे। जिसमें सामान्य ज्ञान के 50 और विधि के सौ सवाल पूछे गए थे। परीक्षा सुबह साढ़े नौ बजे से 11.30 बजे तक एक पाली में आयोजित की गई। परीक्षा कराने के लिए 29 सेक्टर व स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से डेढ़ घंटे पहले यानी सुबह 8 बजे से प्रवेश दिया गया।

दो सड़कें 33.45 करोड़ से होंगी चौड़ी

कार्यालय संवाददात, कानपुर

अमृत विचार। किदवई नगर चौराहे से बारादेवी होते हुए नंदलाल चौराहे तक और चावला मार्केट से परमपुरवा जूही होते हुए हमीरपुर रोड का चौड़ीकरण 33.45 करोड़ से किया जाएगा। सांसद रमेश अवस्थी रविवार शाम को परमपुरवा जूही स्थित पॉपुलर धर्मकांटा पर पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया।

किदवई नगर चौराहे से बारादेवी होते हुए नंदलाल चौराहे तक लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण कार्य करीब 20.96 करोड़ रुपये से किया जाएगा। चावला मार्केट चौराहे से परमपुरवा जूही होते हुए हमीरपुर रोड तक सड़क निर्माण व सुधार

समारोह में मौजूद सांसद रमेश अवस्थी और अन्य नेता। अमृत विचार

कार्य 12.49 करोड़ रुपये होगा। दोनों ही सड़कों के चौड़ीकरण के लिए शिलान्यास सांसद रमेश अवस्थी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना से किया। कहा कि सड़कों का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण न केवल यातायात को सुगम बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति देगा। किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेश त्रिवेदी ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में जो भी मार्ग अभी तक चौड़ीकरण से वंचित हैं, उन्हें भी योजना में शामिल कर विकसित किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित शिवराम सिंह, पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, पंकज द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष दीपू पासवान आदि रहे।

मोदी कर सकते लखनऊ एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बहुप्रतीक्षित कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अगले माह की शुरुआत में लोकार्पण कराने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र भेजा है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर सकते हैं। लोकार्पण के अगले दिन से यह मार्ग यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। एक्सप्रेसवे के जरिए अधिकतम 45 मिनट में लखनऊ का सफर पूरा किया जा सकेगा। पूरे मार्ग में पांच स्थानों पर प्रवेश और निकास मार्ग बनाए गए हैं। इन सभी प्रवेश और निकास स्थलों पर टोल प्लाजा का काम पूरा हो चुका है।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर प्रवेश करते समय फास्टैग से एंट्री होगी और निकास द्वार पर टोल टैक्स कट जाएगा। इसके लिए मल्टी लेन फ्री फ्लो टोल प्रणाली का ट्रायल किया जाएगा। इस प्रणाली में वायरलेस तकनीक पर आधारित आरएफआइडी रीडर (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन रीडर) का इस्तेमाल किया जाएगा। यह सिस्टम रेडियो तरंगों के माध्यम से टैग लगी वस्तुओं या लोगो की पहचान और ट्रैकिंग करता है। इसके साथ ही एएनपीआर (आटोमेटिक नंबर प्लेट रिकोगिनेशन) कैमरे भी लगे होंगे। इन दोनों तकनीक से

(प्रतीकात्मक फोटो)

- बहुप्रतीक्षित कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे हुआ बनकर तैयार पांच स्थानों पर प्रवेश और निकास मार्ग
- एनएचएआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय को अगले माह यातायात के लिए खोलने को लेकर लिखा पत्र

63 सीसीटीवी कैमरे 120 किमी से ज्यादा रफ्तार पर चालान

नए बनाए गए कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर 63 सीसीटीवी कैमरे और 16 वीडियो इंसीडेंट डिटेक्शन सिस्टम लगाए गए हैं। इस सिस्टम के माध्यम से कोई भी हादसा होने पर तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना मिल जाएगी और हताहतों को तुरंत राहत पहुंचाई जा सकेगी। दो हाइटेक कंट्रोल रूम से पूरे कॉरिडोर की रियल टाइम मॉनिटरिंग करके नजर रखी जाएगी। 120 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा रफ्तार से वाहन चलाने पर चालान काटने के लिए एटीएमएस लगाए गए हैं।

चलते हुए वाहन को स्कैन करके फास्टैग से टोल कट जाएगा।

नीतियों से बदली किसानों की किस्मत

खुशहाली की नई इबारत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- खाद-बीज से लेकर सीधी मदद तक, किसानों के बैंक खातों में पहुंचा 965 करोड़ का सम्मान
- रिकॉर्ड तोड़ सरकारी खरीद और श्री अन्न को बढ़ावा दिए जाने से खेती बनी फायदे का सौदा

अमृत विचार। जिले के ग्रामीण इलाकों और किसानों के जीवन में योगी सरकार की नीतियों और प्रोत्साहन से बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। किसानों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिली है, बल्कि उनके उत्पादों को सही बाजार और दाम दिलाने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं।

जिले के 2,13,847 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का सीधा लाभ मिला है। किसानों के बैंक खातों में 965 करोड़ रुपये की सम्मान राशि भेजी जा चुकी है, जिससे खेती-किसानी की छोटी-मोटी जरूरतों के लिए उन्हें किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती।

जिले में फसलों की सरकारी खरीद के आंकड़ों में भी जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हुई है। साल 2017 से पहले की तुलना में अब किसानों से उनकी उपज अधिक मात्रा में खरीदी जा रही है। गेहूं की खरीद 1.23 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 2.68 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। धान की खरीद में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है, जो 2.18 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 7.27 लाख मीट्रिक टन हो गई है। मोटा अनाज की पारंपरिक खेती को बढ़ावा देते हुए सरकार ने 46 हजार मीट्रिक टन से अधिक ''''श्री अन्न'''' की खरीद की है, जिससे किसानों को मोटे अनाज की खेती के लिए प्रोत्साहन मिला है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिर्फ फसलों पर ही नहीं, बल्कि डेयरी क्षेत्र पर भी ध्यान दिया गया है।

कानपुर में 160.84 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक डेयरी और पाउडर प्लांट तैयार किया गया है, जिसकी क्षमता 4 लाख लीटर प्रतिदिन है। मनरेगा के तहत नदी पुनर्जीवन और खुदाई कार्यों से 50,000 से अधिक मानव दिवस रोजगार सृजित हुआ है, जिससे एक ओर ग्रामीणों को काम मिला है तो दूसरी ओर खेती के लिए पानी की उपलब्धता भी बेहतर हुई।

> कानपुर नगर में पिछले वर्षों में विकास की गति तेज हुई है। हमारा उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। चाहे वह किसानों के खातों में सम्मान निधि भेजना हो या रिकॉर्ड स्तर पर धान और गेहूं की खरीद सुनिश्चित करना, प्रशासन पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहा है।
>
> — जितेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी।

आर्केस्ट्रा की धुन पर थिरके महाना

कानपुर। जेके कॉलोनी वेलफेयर सेंटर पार्क जाजमऊ में रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व करन महाना आर्केस्ट्रा की धुन पर थिरकते नजर आए। महापौर प्रमिला पांडे, करन महाना, सुरेंद्र अवस्थी, वीडी राय, लाला त्रिवेदी आदि ने फूलों की होली खेली। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि होली का त्योहार भाई चारे का त्योहार है, इसे हिंदू व मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग मिलकर साथ मनाते हैं। इस दौरान राकेश तिवारी, लाला त्रिवेदी, अनिल राय, राकेश तिवारी, लाला त्रिवेदी, नन्दू शुक्ला, कैलाश पांडे, अनिता परमार, अशोक मेम्बर, जितेन्द्र चौरसिया, मनोज शर्मा, मनोज सेंगर आदि लोग रहे।

समारोह में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

पीड़ित परिवार से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

कानपुर। बिधनू में नाबालिग दलित बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के बाद रविवार को पूर्व विधायक इन्दल रावत के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला। नेताओं ने परिवार का ढांढस बंधाया और घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया। इन्दल रावत ने कहा कि दरिंदों के घर पर बुलडोजर चलना चाहिए और शव छिपाने की साजिश में शामिल पूरे परिवार को मुल्ज़िम बनाया जाए। जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने पुलिस की लापरवाही पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्य आरोपी का पिता हिस्ट्रीशीटर है, फिर भी पुलिस सतर्क नहीं थी। कांग्रेस ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल सुरक्षा और आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

गांव पहुंचे कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते आयोजक। अमृत विचार

हेमू कालानी का जन्म दिन गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद हेमू कालानी के जन्म दिवस के अवसर पर 23 मार्च को बर्रा-2 स्थित सिंधु इंटरनेशनल स्कूल में गौरव दिवस समारोह होगा। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी और हेमू कालानी मेमोरियल शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में होगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होगा। सिंधी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक अंशवानी ने रतनलाल नगर स्थित कार्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य युवा पीढ़ी को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ना है। बताया कि महज 19 वर्ष की आयु में देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले हेमू कालानी आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। समारोह में दिल्ली से आ रहे रंगमंच कलाकार हेमू कालानी के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुत करेंगे।

नई पहल

जीजीआईसी चुन्नीगंज में बड़ी कक्षाओं की छात्राओं को मुफ्त मिड डे मील से हुई नई शुरुआत

बेटियों को 'नई राह' मिली और महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों के 'नव-निर्माण' के दौर में विकास का सीधा फायदा उन महिलाओं और बेटियों तक पहुंचा, जो अब तक उपेक्षित थीं। इसके चलते महिला सुरक्षा, पढ़ाई-लिखाई और सरकारी योजनाओं के लाभ में कानपुर पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बन गया है।

योगी सरकार की 'मिशन शक्ति' योजना ने कानपुर के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बेटियों के लिए खुशियों के नए द्वार खोल दिए हैं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की देखरेख में सितंबर 2025 से एक अनोखी पहल 'नई राह' शुरू हुई। इसके तहत चुन्नीगंज के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में पढ़ने वाली कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं को अब स्कूल में ही रोज दोपहर का खाना (मिड-डे-मील) मुफ्त में दिया जा रहा है। इस लिहाज से कानपुर नगर पूरे प्रदेश में ऐसा पहला जिला है, जहां बड़ी कक्षाओं की छात्राओं को मिड-डे-मील की सुविधा मिल रही है और जीजीआईसी, चुन्नीगंज ऐसी सुविधा वाला पहला स्कूल बन गया है।

इस कदम से न सिर्फ गरीब परिवारों की बेटियों को सही पोषण मिल रहा है, बल्कि उनकी पढ़ाई बीच में छूटने का डर भी खत्म हो गया है।

हर योजना का पैसा सीधे महिलाओं के बैंक खाते में: सरकार ने बिचौलियों का चक्कर खत्म कर दिया है और अब हर योजना का पैसा सीधे महिलाओं के बैंक खातों (डीबीटी) में पहुंच रहा है। 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' के जरिए जिले की 1,20,389 महिलाओं को करीब 80 करोड़ रुपये की मदद दी गई है, ताकि मां और बच्चे दोनों तंदुरुस्त रहें। इसी तरह जो महिलाएं बेसहारा थीं, उनके लिए 'निराश्रित महिला पेंशन' किसी वरदान से कम नहीं है। पिछले कुछ सालों में इस पेंशन को पाने वाली महिलाओं की संख्या 38 हजार से बढ़कर 73 हजार तक पहुंच गई है। यही नहीं, जनधन खातों की वजह से अब जिले की लगभग 17.85 लाख महिलाओं के पास अपना बैंक खाता है, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं को मालिकाना हक: योगी सरकार में प्रधानमंत्री आवास योजना में भी बड़ा बदलाव हुआ है, कानपुर नगर में आवास पाने वाले लाभार्थियों की संख्या 4,814 से बढ़कर 15,861 हो चुकी है, और इन घरों का मालिकाना हक ज्यादातर महिलाओं को ही दिया गया है, इससे उन्हें समाज में एक नई पहचान मिली है।

घाटमपुर में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्पाद बनाते हुए। अमृत विचार

1.20 लाख महिलाओं को शहर में बीते नौ साल में मिला मातृ वंदना का लाभ

17.85 लाख महिलाओं के खोले गए बैंक खाते, मिला सुरक्षा और सम्मान

15,861 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में मिला छत का आसरा

73 हजार महिलाओं का निराश्रित महिला पेंशन से हो रहा जीवन यापन

> मिशन शक्ति के तहत हमारा फोकस बेटियों की शिक्षा और उनके स्वास्थ्य पर है। नई राह योजना के माध्यम से हमने छात्राओं को स्कूल में ही पोषण देने की कोशिश की है, ताकि वे बेहतर ढंग से पढ़ाई कर सकें। प्रशासन हर पात्र महिला तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।
>
> – जितेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी, कानपुर नगर

सिटी ब्रीफ

देवा भैया की स्मृति पर काव्य संध्या

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित समर्पण में राग अनुराग संस्था ने वासंती के जनक स्व .देवेंद्र नारायण जी गुप्त (देवा भैया) की स्मृति पर काव्य संध्या का आयोजन किया गया। मेरठ के वरिष्ठ गीतकार सत्यपाल सत्यम व प्रयागराज के व्यंग्यकार राधेश्याम भारती को प्रतिष्ठित सम्मान से विभूषित किया। गजलकार राजेंद्र तिवारी, आशुतोष द्विवेदी और शिखा मिश्रा ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हास्य कवि दिलीप दुबे ने हास्य-व्यंग्य से लोगों को गुदगुदाया। राग अनुराग संस्था के उमाकांत गुप्त, आलोक गुप्त, सतीश चंद्र गुप्त, डॉ .आरसी गुप्त, हरेंद्र गुप्त, धीरज गुप्त, डॉ . अरुण तिवारी आदि रहे।

महिलाओं की भागीदारी जरूरी

कानपुर। सीएसए के गोल्डन जुबली वर्ष पर विश्व जल दिवस पर आयोजन हुआ। 'हार्नेस द पावर ऑफ़ वाटर एंड जेंडर फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर' विषय पर सेमिनार में डॉ कौशल कुमार ने बताया कि भारत में विश्व के 4 फीसदी जल की उपलब्धता के सापेक्ष में 16 से 17 फीसदी जनसंख्या एवं 17 से 18 फीसदी पशु जनसंख्या है। इसलिए कुशल जल उपयोग होना चाहिए।

अपना स्वभाव बिच्छू नहीं, तितली जैसा बनाएं

प्रादेशिक निरंकारी संत समागम में कहा गया कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, यह स्वयं में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रक्रिया

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रादेशिक निरंकारी संत समागम के मुख्य सत्र को संबोधित करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने मानवता और आध्यात्मिक परिवर्तन के उपदेश में कहा कि भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वयं के स्वभाव में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रक्रिया है। उन्होंने प्रकृति व जीवन के उदाहरण से जीवन दर्शन समझाया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक इल्ली कायाकल्प की प्रक्रिया से गुजरकर एक सुंदर तितली का रूप धारण करती है, वैसे ही मनुष्य को सत्संग और ब्रह्मज्ञान के माध्यम से अपने जीवन को श्रेष्ठ और सुंदर बनाना चाहिए। उन्होंने सचेत किया कि मनुष्य को बिच्छू की तरह डसने वाला या दूसरों को कष्ट देने वाला स्वभाव नहीं रखना चाहिए। मनुष्य के कर्म दिखावे से मुक्त, सच्चाई और नेकी वाले होने चाहिए।

औद्योगिक नगरी कानपुर का रेलवे ग्राउंड (पराग डेयरी) रविवार को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। अवसर था उत्तर प्रदेश प्रादेशिक निरंकारी संत समागम का, जहां सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और राजपिता की गरिमामयी उपस्थिति में हजारों श्रद्धालुओं ने मानवता, प्रेम और एकत्व का पाठ पढ़ा।

कई राज्यों के भक्तों का संगम देखने को मिला। दोपहर 12:44 पर सतगुरु माता कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि परमात्मा हमारे विचारों और भावनाओं के माध्यम से प्रकट होते हैं। जीवन व्यक्तिगत सुखों के लिए नहीं है। उन्होंने दया, करुणा, विनम्रता और सहनशीलता जैसे मानवीय गुणों को आत्मसात करने पर जोर दिया।

संत समागत में हजारों भक्तों की भीड़ उमड़ी। अमृत विचार

- प्रादेशिक निरंकारी संत समागम में उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब
- मनुष्य के कर्म दिखावे से मुक्त नेकी वाले होने चाहिए

सद्गुरु माता और राजपिता ने प्रवचन दिए। अमृत विचार

आध्यात्मिकता और युवा शक्ति का संगम

- निरंकारी यूथ फोरम ने खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन कराया। क्रिकेट, फुटबॉल और वॉलीबॉल जैसे खेलों के माध्यम से टीम भावना और अनुशासन का संदेश दिया गया। वहीं, निरंकारी यूथ सिम्पोजियम और छह तत्व विषय पर आधारित स्किट व पैनल चर्चा ने यह स्पष्ट किया कि आध्यात्मिकता केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक व्यावहारिक शैली है। इस दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना और महापौर प्रमिला पाण्डेय भी समागम में पहुंची।

जगह-जगह प्याऊ और डिस्पेंसरी

- निराला नगर का रेलवे मैदान श्रद्धालुओं से पटा था। करीब 60 हजार से ज्यादा लोग मैदान में थे। जनसमूह को संभालने के लिए सेवादारों की पूरी फौज थी। जगह-जगह प्याऊ बनाए गए थे। 5 से ज्यादा डिस्पेंसरी, अमानती घर, पूछताछ केंद्र भी बनाए गए थे। समागम में स्टॉल भी थे जहां निरंकारी टीशर्ट, किताबें, कैलेंडर, डायरी, बैंड लोगों ने खरीदें। समागम के समापन पर सेवा, सुमिरन और सत्संग के संकल्प के साथ श्रद्धालुओं ने विदा ली। निरंकारी मिशन ने आयोजन को सफल बनाने के लिए स्थानीय प्रशासन आभार व्यक्त किया।

विशेष बच्चों के लिए कार्यशाला

कानपुर। डाउन सिंड्रोम डे पर अमृता स्पेशल स्कूल एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. ख्याति अवस्थी, डॉ. अंकिता शरण और अमन कुमार द्वारा बच्चों के संचार कौशल और कार्यात्मक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण तथ्य बताएं। सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने बच्चों के संचार कौशल को बेहतर बनाने और दैनिक जीवन में आत्मनिर्भरता विकसित करने के लिए कई व्यावहारिक सुझाव साझा किए। इसके साथ ही बच्चों के लिए एक ग्रुप थेरेपी सेशन भी आयोजित किया गया। जिसमें सहभागिता, सामाजिक संपर्क और विभिन्न कौशलों के विकास को प्रोत्साहित किया गया। संस्था के सेंटर हेड विपिन आडवाणी ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य देखभाल करने वालों को सशक्त बनाना तथा डाउन सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप, समावेशन और निरंतर समर्थन के महत्व को मजबूत करना है।

गौतम खेमका और विशाल खन्ना को पुरस्कार देते अजय गुप्ता। अमृत विचार

विमन्यु और नितिन पुरुष एकल के फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

शाट लगाती छात्रा। अमृत विचार

अमृत विचार। टीएसएच सिग्नेचर लॉन टेनिस डे प्रतियोगिता में पुरुष एकल वर्ग के पहले सेमीफाइनल में विमन्यु अग्रवाल ने अभिनव भाटिया को 4-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में नितिन जश्नानी ने नितेश कुमार सिंह को 4-0 से मात देकर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। अब पुरुष एकल स्पर्धा की खिताबी भिड़ंत विमन्यु अग्रवाल और नितिन जश्नानी के बीच होगी।

द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) के टेनिस कोर्ट पर खेले गए पुरुष युगल मुकाबलों में भी जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। पहले सेमीफाइनल में विशाल खन्ना और गौतम खेमका की जोड़ी ने डॉ. डीके जयपुरिया और अजय गुप्ता की जोड़ी को 4-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में ऋषभ गोयल और शिवम की जोड़ी ने नितीश कुमार सिंह और त्रिनभ चोपड़ा को 4-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब पुरुष युगल का फाइनल विशाल खन्ना-गौतम खेमका और ऋषभ गोयल-शिवम के बीच खेला जाएगा। 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पुरुष युगल में अनुभवी खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। पहले सेमीफाइनल में डॉ. डीके जयपुरिया और अजय गुप्ता ने अमित गौड़ और डॉ. अंबरीश गुप्ता को 4-0 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में विशाल खन्ना और गौतम खेमका की जोड़ी ने धीरज भाटिया और गौरव दुबे को 4-0 से पराजित किया। इस वर्ग का फाइनल मुकाबला डॉ. डीके जयपुरिया-अजय गुप्ता और विशाल खन्ना-गौतम खेमका के बीच खेला जाएगा। अंडर-14 आयु वर्ग में युवा खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। पहले सेमीफाइनल में अनाया सेन ने राशिवी को 4-0 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में हरजस कालसी ने त्रिनभ चोपड़ा को 4-2 से मात दी।

इस वर्ग का फाइनल मुकाबला अनाया सेन और हरजस कालसी के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन एमएचचपीएल के एमडी पीयूष अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि किया।

छात्र अब पढ़ाई में करेंगे एआई का उपयोग भी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में नए सत्र से विद्यार्थी पढ़ाई में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर सकेंगे। विभिन्न कोर्स में इस्तेमाल होने वाले टूल्स पर काम चल रहा है। लगभग 20 हजार विद्यार्थियों को मिलने वाले इस सुविधा के लिए विश्वविद्यालय लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है।

इसके लिए कैंपस एडवांसमेंट मिशन फॉर आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के मॉडल को अपनाया जा रहा है। इस मॉडल के तहत सभी संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के लिए एआई क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए संस्थागत एआई टूल्स की उपलब्धता, शिक्षण एवं शोध में एआई आधारित उपकरणों का उपयोग भी किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में सिर्फ पढ़ाई के लिए ही नहीं बल्कि प्रशासन व छात्र सेवाओं में भी एआई का उपयोग करने के लिए तैयारी शुरू हो गई है। छात्र अपने पाठ्यक्रम से संबंधित बेहतर उत्तर और नोट्स भी हासिल कर सकेंगे।

शिक्षकों को भी प्रशिक्षण

- छात्रों को पढ़ाई में एआई के उपयोग कराने के लिए प्रोफेसर्स को भी विभिन्न टूल्स के उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। ऐसे में युवाओं के साथ ही शिक्षक भी कक्षाओं में एआई का ही उपयोग करेंगे।

स्टार्टअप के लिए उपयोगी

- सीएसजेएमयू में विद्यार्थी स्टार्टअप पर भी एआई का उपयोग कर सकेंगे। इस सुविधा के शुरू होने के बाद स्टार्टअप पर काम कर रहे युवाओं को मार्केट रिसर्च, स्टार्टअप में आने वाली समस्याएं और उसके बाजार संबंधी रुझान आसानी से हासिल हो सकेंगे।

आईआईटी में मौजूद छात्र। अमृत विचार

रोबोट का प्रदर्शन करके छात्र। अमृत विचार

रोबोट ने पार कीं बाधाएं, दिखाई विशेषताएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईआईटी कानपुर का टेककृति महोत्सव

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के टेककृति महोत्सव में रविवार को देशभर से आईं विभिन्न टीमों ने अपने रोबोट प्रस्तुत किए। इन रोबोट ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। औद्योगिक क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले रोबोट सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। युवाओं के बीच हुए व्याख्यान में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हुई।

टेक महोत्सव के अंतिम दिन युवाओं की ओर से रोबोट के जरिये औद्योगिक क्षेत्रों में काम के सरलीकरण को दिखाया गया। विभिन्न टीमों के आए रोबोट ने कोर्ट में मौजूद बाधाओं को पार कर अपनी क्षमता दिखाई। आईआईटी कानपुर के औद्योगिक कार्य के लिए बना रोबोट आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के तहत 'रक्षाकृति' में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हुई। '21वीं सदी में त्रिसेवा संचालन - तकनीक, समन्वय और निष्पादन' विषय पर पैनल चर्चा हुई। इस चर्चा में लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडेय, एयर मार्शल फिलिप थॉमस और रियर एडमिरल अजीत थेक्केपट ने हिस्सा लिया। उन्होंने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति, उन्नत तकनीकों, रियल-टाइम इंटेलिजेंस और समन्वित कमांड संरचनाओं की भूमिका पर विचार साझा किए। पैनल ने सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच संयुक्त संचालन, नेतृत्व और अनुकूलनशीलता के महत्व पर जोर दिया। कहा कि बदलते दौर में युद्ध लड़ने की कला भी बदल गई है। अब आधुनिक तकनीकी युद्ध का एक अहम हिस्सा बन गयी है। विशेषज्ञों ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि इसकी वजह से पूरे विश्व के समक्ष भारत ने अपनी साख और अधिक मजबूत की है। इसी तरह विभिन्न प्रतियोगिताओं में एनपीसीआई हैकाथॉन का समापन हुआ। जिसमें प्रतिभागियों ने नवाचार और समस्या-समाधान का प्रदर्शन किया। मैन्युवर, इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट इंटरैक्शन, ट्रेड क्वेस्ट और प्रोडक्ट चैलेंज जैसे आयोजनों में युवाओं की भागीदारी रही। इन प्रतियोगिताओं में युवाओं ने उद्योग में आ रही श्रम और ऊर्जा संबंधी चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत किए। टेककृति में शाम को युवाओं ने संगीत के बीच अपने उत्साह को दर्शाया। बॉलीवुड नाइट में सचिन-जिगर के ने 'अपना बना ले' और 'फिर और क्या चाहिए जैसे गीतों' से माहौल में रंग भर गया।

टर्र मेले में बच्चों ने उठाया झूलों का लुत्फ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

झूला झूलते बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार। ईद के दूसरे दिन चमनगंज में टर्र का मेला लगा जिसमें बच्चों ने झूलों का लुत्फ उठाया जबकि बड़े व्यंजन खाने में मस्त रहे।

रविवार को ईद की खुशी में चमनगंज मौला दूध का चौराहा, सफियाबाद, मोहम्मद अली पार्क, नाला रोड, रूपम चौराहा, हलीम कॉलेज चौराहा, फहीमाबाद समेत कई क्षेत्रों में टर्र का मेला लगा जिसमें खिलौने, बच्चों के लिए मिट्टी के बर्तन समेत विभिन्न आइटम की दुकानें लगी रहीं जहां बच्चों ने खूब खरीदारी की। इस मेले में चमनगंज के अलावा बाबूपूर्वा, बेगमपुरवा, मछरिया, रावतपुर, शुक्लागंज समेत कई स्थानों के लोग पहुंचे और अपने रिश्तेदारों को ईद की मुबारकबाद देने के साथ ही सिंवई खाई। इस दौरान बच्चे मेला देखने में मस्त रहे। एक ओर जहां बच्चे अपनी दुनिया में व्यस्त रहे वहीं लुचई, कबाब समोसा, बिरयानी समेत कई प्रकार के व्यंजन की दुकानें सजी रहीं। चमनगंज थाने की पुलिस ने अजमेरी चौराहे पर कैंप लगाया।

सिटी डायरी

मनोरमा एजुकेशन सेंटर अव्वल

कानपुर। गोविन्द नगर स्थित मनोरमा एजुकेशन सेंटर व डिफेन्ड ताइक्वान्डो एकेडमी की ओर से इंटर स्कूल ताइक्वान्डो चैंपियनशिप हुई। शहर के 20 स्कूलों एवं क्लबो के दो सौ से ज्यादा खिलाड़ियो ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में मनोरमा एजुकेशन सेन्टर ने प्रथम एंव द ऑर्किड स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वजीत, अवयुक्त, अंश, शिवांश सिंह, अनीश रुद्रांश, शिवांश, अहान सिंह, हार्दिक पाल, आशी, शगुन, अविका, अवनी, जसलीन, अराध्या, वैष्णवी, सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्या भक्ति जुनेजा, प्रबन्धक अमित सिंह, डॉयरेक्टर अंकित सिंह, अतुल दुबे सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रमाणपत्र के साथ छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

बच्चों को मिले प्रमाण पत्र

कानपुर। वात्सल्य किड्स माई फर्स्ट छोटा स्कूल केशवपुरम कल्याणपुर में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कार्यक्रम में कुसुमलता वात्सल्य एकादमी की प्रबंधक डा अर्चना दीक्षित और वात्सल्य किड्स माई फर्स्ट छोटा स्कूल केशवपुरम के सह निदेशक विनम्र दीक्षित ने बच्चों के शैक्षणिक एवं पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाकलापों के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस दौरान बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाया गया। इस दौरान स्टुडेंड ऑफ द ईयर अवॉर्ड से शानवी राठौर और शान्वी अग्निहोत्री के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ अर्चना दीक्षित, विनम्र दीक्षित, मानसी सिंह, गरिमा, ऋचा त्रिपाठी और निदेशक शशि कांत दीक्षित मौजूद रहे।

बच्चों के साथ स्कूल स्टाफ।

बाबा का दरबार सजा।

बाबा श्याम के भजन सुनाए

कानपुर। श्री लखदातार परिवार की ओर से रविवार को वार्षिक महोत्सव मनाया गया। होटल ब्रिज में हुए आयोजन में श्री श्याम प्रभु के भजनों को सुन भक्त निहाल हुए। कोलकाता के कारीगरों द्वारा सजाए गए श्री श्याम प्रभु के दर्शन कर भक्तों ने मनोकामना की पूर्ति की प्रार्थना की। महोत्सव की शुरुआत गायक राम पांडे तथा श्याम गोयनका, गोपाल अग्रवाल द्वारा गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद कोलकाता के गायक संजय मित्तल द्वारा बाबा के भजनों से अरदास लगायी गयी। नीमच से आई हुई कणिका ग्रोवर ने सभी भक्तों को अपने भजनों से झुमा दिया।

रवि बदलानी बने अध्यक्ष

कानपुर। दि ओल्ड सक्खर पंचायत (सिंधी पंचायत) का द्वि वार्षिक चुनाव सिंधी कालोनी शास्त्री नगर में हुआ। संस्था के अध्यक्ष घनश्याम दास छाबड़ा ने विगत वर्षों के कार्यों से अवगत कराया। दो सदस्यों रवि बदलानी व भगवान दास ने अध्यक्ष पद के लिये अपना नामांकन करवाया। रवि बदलानी को अध्यक्ष पद पर विजेता घोषित किया गया। उपाध्यक्ष अमित खत्री मौजूद रहे। घनश्याम छाबड़ा, राजेश आहुजा, विजय खत्री, दिनेश सेवानी सहित अन्य मौजूद रहे।

चुने गए पदाधिकारी।

साहित्य

क्रांति स्मृति संरक्षण समिति ने किया आयोजन

क्रांतिवीरों के वंशजों का सम्मान व पुस्तक पर विचार-विमर्श

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मेरे भगत सिंह पुस्तक के साथ मौजूद अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर क्रांति स्मृति संरक्षण समिति ने शहर के क्रांतिकारियों के वंशजों का सम्मान करने के साथ नई दिल्ली से आए वरिष्ठ लेखक पंकज चतुर्वेदी की पेंगुइन स्वदेश से प्रकाशित पुस्तक ''मेरे भगत सिंह'' पर परिचर्चा आयोजित की। पेंगुइन स्वदेश के संपादक डॉ. संजीव मिश्र ने कहा कि भगत सिंह से जुड़ा साहित्य नई पीढ़ी के लिए जरूरी है। हर कोई चाहता है कि उनके बच्चे इंजीनियर या डॉक्टर बनें और भगत सिंह पड़ोसी के यहां पैदा हों।

डॉ. ज्योत्स्ना मिश्रा ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से भगत सिंह की इच्छाशक्ति, उत्साह और देश के प्रति समर्पण का भाव नई पीढ़ी तक पहुंचे, यह जरूरी है। यह पुस्तक भगत सिंह से नई पीढ़ी के जुड़ाव का आख्यान है। पुस्तक के लेखक पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि कानपुर, भगत सिंह कि कर्म भूमि रही, यहां प्रताप प्रेस में उन्होंने सरदार बलवंत नाम से पत्रकारिता की, उनकी पुस्तक भगत सिंह के कानपुर प्रेम को समर्पित है। इतिहासकार अनूप शुक्ला ने भगत सिंह द्वारा एक पत्रकार के रूप में कानपुर की बाढ़ और दिल्ली दंगों की रिपोर्टिंग के किस्से सुनाने के साथ 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में कानपुर की सहभागिता बताई। सुधीन्द्र पाण्डेय ने कहा कि 1857 से 1947 तक कानपुर क्रांति का केंद्र रहा।

असेंबली बम कांड से लेकर हर बड़ी घटना से जुड़ाव रहा। क्रांति स्मृति संरक्षण समिति के महासचिव क्रांत कुमार ने कहा कि समिति शहादत दिवस पर प्रशासन को शहर के क्रांतिवीरों के स्मारकों और निशानियों के संरक्षण के संबंध में प्रस्ताव देगी। कार्यक्रम में 1857 के क्रांति योद्धा तात्या टोपे, गणेश शंकर विद्यार्थी, मानवती आर्या, डॉ. गया प्रसाद कटियार, सुरेन्द्र पाण्डेय, रमेश चंद्र गुप्त, गुलाब चंद सेठ, श्याम लाल गुप्त ''पार्षद'', शिव कुमार मिश्र, उमा शंकर तिवारी, दादा देवीदत्त अग्निहोत्री, पूरनचंद सनक, जयदेव कपूर, रामनारायण आजाद के वंशजों का सम्मान हुआ।

संचालन पत्रकार प्रखर श्रीवास्तव ने किया। समिति अध्यक्ष कौशल किशोर शर्मा ने आभार जताया। अनीता मिश्रा, प्रो. बृजेश सिंह, भावना मिश्रा, नीरज चतुर्वेदी, अनिल सिन्दूर, उषा निगम, रंजीत संतानिया, देव कबीर, अनिल सिन्दूर मौजूद रहे।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, भक्तों की लगी है कतार भवानी...

मां कूष्मांडा के दरबार में गूंजे 'जय माता दी' के जयकारे

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को शक्तिपीठों व मंदिरों में भक्तों ने श्रद्धा व भक्ति के साथ मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना की। भोर होते ही मंदिरों के कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। जो देरशाम तक जारी रहीं।

शहर के ऐतिहासिक प्राचीन कल्याणी देवी मंदिर, दुर्गा मंदिर व पूर्णा देवी मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ रही। हाथ में चुनरी, फल, फूल व नारियल लिए श्रद्धालु माता रानी की एक झलक पाने को आतुर दिखे। भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि व आरोग्य की कामना के साथ माता के चरणों में मत्था टेका।

कल्याणी मंदिर में भजन-कीर्तन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्र के सिद्धपीठों का नजारा भी बेहद भक्तिमय रहा। नवाबगंज के प्रसिद्ध कुशहरी देवी मंदिर में भक्तों ने शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन किए। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम दिखे। बक्सर में गंगा तट स्थित चंडिका देवी धाम में दूर-दराज के जिलों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान के बाद मां की पूजा की। दिनभर की पूजा के बाद शाम का माहौल और मनमोहक हो गया। मंदिरों में जहां भव्य आरती का आयोजन हुआ। वहीं मोहल्लों व घरों में महिलाओं की टोलियों ने ढोलक की थाप पर देवी गीतों व भजनों की प्रस्तुति दी।

दुर्गा मंदिर में हुआ कन्याभोज, बंटी शिक्षण सामग्री

उन्नाव: चैत्र नवरात्र पर शाहगंज मोहल्ला स्थित स्टेट बैंक दुर्गा मंदिर में रविवार को सामूहिक कन्याभोज हुआ। इसमें कन्याओं का पूजन कर उनसे आशीर्वाद लिया गया। इस वर्ष का कन्याभोज केवल पारंपरिक खानपान तक सीमित नहीं रहा। आयोजकों ने कन्याओं के भविष्य को देखते हुए उन्हें पठन-पाठन की सामग्री बांटी इसके साथ मौसम को देखते हुए शीतल पेय पदार्थ, मौसमी फल व नए वस्त्र भी भेंट किए। वहीं, कन्याओं को दही-जलेबी का भोग लगाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मनोज भैया, सभासद प्रतिनिधि हिमांशु दीक्षित व सभासद नीलम यादव ने किया। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर सेवाएं दीं। कन्याभोज में रानू दीक्षित, राहुल सिंह, वीरू निगम, संजय गुप्ता, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, सरला श्रीवास्तव, पिंकी गुप्ता, विनीता, शिल्पी श्रीवास्तव, गीता गुप्ता, पूजा, ज्योति,मनोज डब्बू गुप्ता, हर्षित अग्रवाल, आलोक गुप्ता, मनन गुप्ता, वासु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शाहगंज मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का हुआ श्रृंगार। ● अमृत विचार

मां कूष्मांडा के दर्शन को मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

शुक्लागंज, उन्नाव: नवरात्र के चौथे दिन मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा के दर्शन के लिए नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में रविवार को भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दिन मां के दरबार को भव्य रूप से सजाया गया था।

दुर्गा मंदिर में दर्शन के लिये मौजूद भक्त। ● अमृत विचार

श्रद्धालु जयकारे लगा माता के दर्शन कर रहे थे। दुर्गा मंदिर के पंडित विनोद पांडेय ने बताया कि मां कूष्मांडा की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उपवास रखकर व दुर्गा सप्तशती का पाठ कर श्रद्धालुओं ने माता को प्रसन्न किया। महिला श्रद्धालुओं ने मंदिरों में भजन-कीर्तन किए, वहीं प्रसाद वितरण भी दिनभर चलता रहा। कंचन नगर स्थित कंचनामाई मंदिर, महेश मार्ग का सिद्धिधात्री मंदिर, डाकतार कॉलोनी का सोमा गौरी मंदिर, गांधीनगर का काली मंदिर, पोनी रोड झंडा चौराहा स्थित झंडेश्वरी मंदिर, बिंदा नगर दुर्गा मंदिर, बालूघाट का गायत्री शक्तिपीठ व गंगा विशुनघाट दुर्गा मंदिर आदि स्थानों पर भी भारी भीड़ रही। वहीं दुर्गा मंदिर में आयोजित अखंड रामायण पाठ का समापन राज्याभिषेक के साथ हुआ।

न्यूज ब्रीफ

नवरात्र महोत्सव में भजन-कीर्तन व कन्या भोज का आयोजन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: चैत्र नवरात्र पर शुरू हुआ नवरात्रि महोत्सव कन्याभोज के साथ संपन्न हो गया। शनिवार शाम 4 बजे अखंड 'हरी ओम तत्सत 'जप, दुर्गा चालीसा पाठ व सुंदरकांड से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जो पूरी रात भजन-कीर्तन के साथ चलता रहा। रविवार सुबह 9 बजे से विशाल कन्याभोज का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कन्याओं को प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम में मंदिर व्यवस्थापक अमित अवस्थी, एडवोकेट सिद्धांत अवस्थी, डॉ. रितु ओमर, डॉ. विवेक मिश्रा सहित कमेटी के मारू नंदन मिश्रा, दिलीप कनौजिया, ऋषभ शुक्ला व अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रेम प्रसंग को लेकर तीन का चालान

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के एक युवक का दही थानाक्षेत्र की 17 वर्षीय किशोरी से प्रेम प्रसंग का मामला रविवार को कोतवाली पहुंच गया। किशोरी के परिजन युवक के विरुद्ध शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। तभी युवक की पैरवी करने आया एक अन्य युवक परिजनों से भिड़ गया और गालीगलौज करने लगा। इस पर परिजनों ने उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की बात कही। जिससे घबराकर वह मौके से भाग निकला। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस हरकत में आई और सिपाहियों ने पीछा कर उसे दुर्गा मंदिर के पास पकड़ लिया। पुलिस ने प्रेमी युवक, पैरवी करने वाले युवक समेत तीन लोगों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया।

ब्लॉक के दौरान गंगाघाट तक लोकल ट्रेन संचालन की मांग

उन्नाव, अमृत विचार: लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर पुराने गंगापुल पर स्लीपर बदलने का कार्य होना है। इसके लिए रेल प्रशासन ने 2 अप्रैल से 13 मई तक मेगा ब्लॉक की घोषणा की है। इसमें कई लंबी दूरी की ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। इसके साथ पैसेंजर ट्रेनें निरस्त की गई हैं। इसमें कानपुर-लखनऊ मेमू (एलकेएम) भी शामिल हैं। इसे लेकर जिला दैनिक रेलयात्री संघ अध्यक्ष मुर्तजा हैदर रिजवी ने लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील कुमार को संबोधित ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक त्रिभुवन जोशी को सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि जिले से मेमू ट्रेनों से हजारों लोग कानपुर व लखनऊ मजदूरी करने जाते हैं। इनके लिए बस व अन्य साधन के किराए का बोझ उठाना मुश्किल है। मांग की कि मेमू ट्रेनों को ब्लॉक के दौरान लखनऊ से गंगाघाट रेलवे स्टेशन तक संचालित किया जाए। संघ के विधिक सलाहकार मुजतबा हैदर भैय्यू ने बताया कि पूर्व में स्लीपर बदलने के दौरान संघ की मांग पर गंगाघाट से लखनऊ तक पैसेंजर ट्रेनों का संचालन हुआ था।

हाकरों के होली मिलन में उड़ा अबीर-गुलाल

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: रविवार को राजमार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में समाचार पत्र वितरक समिति शुक्लागंज के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जहां फूलों की होली खेली गई। वहीं ठंडाई वितरण भी हुआ।

समाचार पत्र वितरक समिति शुक्लागंज द्वारा बीते कई वर्षों से होली के बाद होली मिलन समारोह का आयोजन होता है। इस वर्ष भी रविवार को राजमार्ग स्थित कैलाश वाटिका में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जहां फूलों की होली खेली गई। इसमें फगुआरों ने होली गीत गाये। इसके बाद ठंडाई वितरण हुआ। इस दौरान पत्र वितरकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक पंकज गुप्ता, भानू मिश्रा, संदीप पांडेय, कमल वर्मा, सुरेश शुक्ला, अरविंद यादव, कैप्टन राहुल तिवारी, राजेश बाजपेई रहे। इस दौरान मुकेश तिवारी, विजय बाजपेई, उमेश शुक्ला, छुन्नू तिवारी, योगेन्द्र शुक्ला, उमाकांत, सुशील अवस्थी, राजेन्द्र पाल, अरविंद बाजपेई, अनुराग तिवारी, शंभू तिवारी, मिथुन श्रीवास्तव, अरुण मिश्रा, मनबोधन अवस्थी, आशीष सिंह, हरी दुबे, नंद किशोर दुबे, गौरव पांडेय, रामू दीक्षित, विजय मिश्रा, कमल तिवारी, रमाशंकर आदि समाचार पत्र वितरक मौजूद रहे।

समाचार पत्र वितरकों के होली मिलन में होता फाग। ● अमृत विचार

डीएसएम में रोबोटिक्स व एआई प्रदर्शनी आयोजित

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: राजमार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल में रोबोटिक्स व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रदर्शनी आयोजित हुई। इसमें छात्रों ने अपनी रचनात्मकता, नवाचार व तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि।

इसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना व आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव देना रहा। उद्घाटन मुख्य अतिथि डीडीईसी की प्रिंसिपल नीलम, प्रधानाचार्या रीता सिंह, प्रबंधक आशुतोष शुक्ला व अवनीश शुक्ला ने किया। प्रदर्शनी में स्वचालित मशीनें, स्मार्ट होम मॉडल, एआई आधारित एप्लिकेशन और रोबोटिक्स प्रोटोटाइप आकर्षण का केंद्र रहे। छात्रों ने अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली समझाई। इस दौरान कपिल तिवारी का मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

परशुराम जयंती की तैयारी को लेकर हुई बैठक

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: रविवार को परशुराम सेवा समिति के तत्वावधान में ऋषिनगर स्थित जगदम्बा पार्क में नगर के प्रबुद्ध वर्ग की बैठक हुई। इसमें आगामी 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इसमें आयोजन को भव्य व व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने समाज में एकता व सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने पर जोर दिया। इसमें गणेश मिश्र, विजय तिवारी, संजय तिवारी, वीरेंद्र शुक्ल, पप्पू तिवारी, प्रदीप शुक्ल, महेश मिश्र, डॉ संतोष अग्निहोत्री, श्रीकांत पांडेय, आदित्य त्रिपाठी, संजय बाजपेई, रामू अवस्थी, प्रद्युम्न मिश्र, राजू पांडेय, विनोद त्रिपाठी, विनय तिवारी, सुरेश तिवारी, अभिषेक तिवारी, मोहित शुक्ल, अनूप शुक्ल, अभिलाषा मिश्र, मनोज मिश्रा, राहुल दीक्षित, रवि तिवारी, अंशुमन तिवारी, चंद्र प्रकाश मिश्र, दीपक त्रिवेदी, वीरेश शुक्ला, रिंकू शुक्ल, बसंत दादा, नंद कुमार मिश्र, श्याम तिवारी सहित करीब 300 लोग उपस्थित रहे।

बैठक में जानकारी देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

परशुराम ब्रिगेड की बैठक में नए अध्यक्ष का चयन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: राजमार्ग स्थित ऋषि आश्रम में रविवार को अखिल भारतीय परशुराम ब्रिग्रेड की बैठक हुई। इसमें आगामी परशुराम जयंती को भव्य रूप से मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर संगठन को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें सर्वसम्मति से राजनारायण मिश्रा को संगठन का नया अध्यक्ष चुना गया। उनके चयन पर पदाधिकारियों व सदस्यों ने खुशी जताते हुए बधाई दी और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की उम्मीद जताई। इसमें हाल ही में दिवंगत मथुरा निवासी बाबा चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा को श्रद्धांजलि दी गई।

संरक्षक वीरेंद्र शुक्ला, महेश मिश्रा,

- बैठक में परशुराम जयंती की तैयारी की बनी रूपरेखा

आशुतोष शुक्ला, अंजनीकांत मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्रा, प्रदीप शुक्ला, संदीप पांडेय, इन्द्रेश शुक्ला, विकास मिश्रा, विनय तिवारी, सौरभ पाण्डेय, राजेन्द्र तिवारी, धीरेंद्र द्विवेदी, प्रशांत अवस्थी, मोहित शुक्ला, विवेक तिवारी, ऋषभ दीक्षित, अखिलेश शुक्ला, करुणा शंकर पाण्डेय, आशीष गिरी, आशीर्वाद तिवारी, महेश पांडे, सुरेश मिश्रा, चन्दन दीक्षित, अजय चौबे, सतीश तिवारी, भारत तिवारी, सुरेश पाठक, चन्द्र प्रकाश त्रिवेदी, रमेश मिश्रा, राजू शुक्ला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

526 निपुण स्कूलों के शिक्षक सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में रविवार को 'निपुण विद्यालय सम्मान समारोह' का आयोजन हुआ। अध्यक्षता डायट प्राचार्या अमिता सिंह ने की। इसमें जिले के उन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व शिक्षक सम्मानित हुए जिन्होंने 'निपुण भारत मिशन' के तहत निर्धारित मानकों को ससमय प्राप्त कर अपने विद्यालय को 'निपुण' घोषित कराया है। इस तरह के जिले के 526 विद्यालयों को निपुण घोषित किया गया।

इस दौरान प्राचार्या ने कहा कि जिले के 526 विद्यालयों ने आज कर दिखाया है कि विपरीत परिस्थिति में भी काम कैसे किया जाता है। निपुण विद्यालय की संख्या की दृष्टि से असोहा ब्लाक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि सुमेरपुर ब्लॉक ने अंतिम 17वां स्थान पाया। प्राचार्या ने निपुण विद्यालयों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। एसआरजी टीम से डॉ. रचना सिंह, मसर्रत फातिमा व अखिलेश ने शिक्षकों के नवाचारी प्रयासों की प्रशंसा की। इसमें डायट प्रवक्ता अंजू यादव, दिनेश कुमार, डॉ. विशाल यादव, श्याम सिंह, सहयोगी निपुण सेल राहुल तिवारी, पीयूष सिंह, शशांक चौहान, दीपक कुशवाहा व डायट प्रशिक्षुओं से श्रेया सिंह सेंगर आदि मौजूद रहे।

सम्मानित प्रधान अध्यापकों के साथ डायट प्राचार्या व प्रवक्ता। ● अमृत विचार

दिल्ली से लौटे युवक ने फंदे से लटककर दी जान

उन्नाव, अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के हजीरा गांव निवासी अभय (28) पुत्र शंकर लाल अपने माता-पिता व अन्य परिजनों के साथ दिल्ली में रहता था। रविवार को वह दिल्ली से लौट कर गांव पहुंचा। जहां उसने देरशाम घर में रस्सी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। चचेरे भाई ने उसे लटका देख शोर मचाया। इस पर अन्य परिजन पहुंचे। उसके जीवित होने की आशंका पर परिजन पहले एक निजी अस्पताल ले गए। जहां से डॉक्टर के हाथ खड़ा करने पर चचेरा भाई रोहित उसे जिला अस्पताल लाया। यहां ईएमओ ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। ईएमओ डॉ. आशीष सिंह ने बताया कि शव मोर्चरी में रखवा कर पुलिस को सूचना दी गई है। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा के मुताबिक दरोगा को मौके पर जांच के लिए भेजा गया है। परिजनों के आने पर आत्महत्या की वजह स्पष्ट होगी।

1014 परीक्षकों ने जांचीं 31,775 कापियां

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की कापियों के मूल्यांकन के चौथे दिन रविवार को चार केंद्रों में 1014 परीक्षकों ने 31775 कापियों का मूल्यांकन किया। इसमें 1756 परीक्षकों में 742 अनुपस्थित रहे।

डॉ. जीनाथजी दयाल बालिका इंटर कॉलेज में हाईस्कूल के 52 डिप्टी हेड में 49 उपस्थित रहे। वहीं 517 परीक्षकों में 251 उपस्थित हुए। इसमें 10051 कापियों का मूल्यांकन हो सका। यहां 27 में 16 अंकेक्षक परीक्षक उपस्थित हुए। अब तक 21.29 प्रतिशत कापियों का मूल्यांकन किया गया। प्रधानाचार्य कंचन भट्ट ने बताया कि विज्ञान (भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान) विषय में परीक्षकों की अनुपस्थित अधिक होने से कापियों के मूल्यांकन में कठिनाई हो रही है। जीआईसी में हाईस्कूल के 52 डिप्टी हेड में 48 उपस्थित रहे। वहीं, 491 परीक्षकों में 285 उपस्थित हुए। जिन्होंने 7912 कापियों का मूल्यांकन किया। अब तक 21.43 प्रतिशत कापियों

बोर्ड परीक्षा की कापियों का मूल्यांकन करते परीक्षक।

का मूल्यांकन किया गया है। जीजीआईसी में इंटर के 31 डिप्टी हेड में 26 व 297 परीक्षकों में 193 परीक्षक उपस्थित हुए। यहां 8523 कापियों का ही मूल्यांकन किया गया है। यहां 17 अंकेक्षकों में 12 उपस्थित हुए। अब तक 31.98 प्रतिशत कापियों का मूल्यांकन किया गया है। अटल बिहारी इंटर कॉलेज में इंटर के 30 डिप्टी हेड में 26 व 286 परीक्षकों में 136 परीक्षक उपस्थित हुए। इसमें 5289 कापियों का मूल्यांकन किया गया है।

मतभेद भूलकर 17 जोड़े फिर हुए एक

कार्यालय संवाददाता,उन्नाव

अमृत विचार: एसएसपी के निर्देश पर परिवार परामर्श केंद्र व विभिन्न थाना- कोतवाली में संचालित महिला हेल्पडेस्क के प्रयासों से 17 विवादित पति-पत्नी के जोड़े मतभेद भुलाकर फिर साथ रहने को राजी हो गए।

रविवार को परिवार परामर्श केंद व महिला हेल्पडेस्क की टीम ने सभी विवादित जोड़ों को बुलाकर उनकी काउंसलिंग की। इसमें परामर्शदाताओं ने दोनों पक्षों को समझाते हुए उनके विवाद को आपसी बातचीत से समाप्त कराकर उनके परिवार को टूटने से बचाया। काउंसलिंग के बाद परिवार परामर्श केंद्र से 3, थाना बारासगवर, औरास, अचलगंज, हसनगंज व सदर कोतवाली से 2-2, पुरवा कोतवाली, सफीपुर कोतवाली, थाना दही व सोहरामऊ से 1-1 जोड़े बिना विवाद के साथ रहने पर सहमत हुए। जिसके बाद उन्हें शुभकामनाएं देकर विदा किया गया। इसमें प्रभारी परिवार परामर्श समिति डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. शशि रंजना अग्निहोत्री, डॉ. एसके पाण्डेय, संजय चौरसिया, सहयोगी अंकित रघुवंशी, शिवेन्द्र सिंह व महिला हेल्पडेस्क प्रभारी संतोष कुमारी सिंह, दरोगा मिथिलेश वर्मा सहित महिला आरक्षी अंशू रानी, पूनम यादव, नीतू सिंह, रूबी, पूनम शाक्य, अंजली वर्मा, पूजा यादव, अंजली व शिखा यादव आदि का योगदान रहा।

परिवार परामर्श केंद्र में जोड़ों की होती काउंसिलिंग। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा की छत पर बैठ फर्राटा, वीडियो वायरल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के नवीन गंगापुल पर एक ई-रिक्शा चालक द्वारा खतरनाक तरीके से सवारियां ढोने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रविवार को सामने आए 8 सेकेंड के इस वीडियो में चालक क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर तेज रफ्तार में वाहन चलाता दिख रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि ई-रिक्शा के अंदर जगह पूरी तरह भरने के बाद भी सवारियों को नीचे लटकाकर और छत पर बैठाकर सफर कराया जा रहा है। छत पर 4 से 5 युवक बैठे दिख रहे हैं। जबकि नीचे भी कई लोग किसी तरह यात्रा करते दिख रहे हैं। यह स्थिति न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ भी है। वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन ने इसका संज्ञान लिया है। हालांकि, ऐसे किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

नवीन पुल पर ई रिक्शे की छत पर बैठकर जाते युवक।

महिला मंडल ने किया पांच कुण्डीय यज्ञ, मां गायत्री व मां कूष्मांडा से मांगी सुख-शांति

उन्नाव, अमृत विचार: शहर के कालेज रोड स्थित गायत्री मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर महिला मंडल द्वारा आयोजित पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इससे मां गायत्री व मां कूष्मांडा की उपासना से वातावरण भक्तिमय हो गया। व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि गायत्री भारतीय संस्कृति की जननी हैं और यज्ञ भारतीय धर्म के पिता हैं। बताया कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि असुरता के निवारण हेतु बड़े-बड़े यज्ञ करते थे। यज्ञ का कुशल संचालन महिला मंडल प्रमुख दीनू शुक्ला व मालती सिंह ने किया। इस अनुष्ठान में 45 साधकों ने मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ वेदी में आहुतियां दीं और मां कूष्मांडा से आशीर्वाद लिया। इसमें सरिता शुक्ला, कृष्णा, बिट्टी, शकुन्तला, रामरती, दीपाली, सुधा द्विवेदी, माया गुप्ता, शिव कांति, प्रेमलता, संतोषी, रानी त्रिपाठी, अंशिका, मालती मिश्रा, मीरा सिंह, रंजना सिंह, अनीता बाजपेई आदि मौजूद रहे।

अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट ट्रायल संपन्न

अगले चरण के लिए चयनित खिलाड़ी। ● अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि रविवार को राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज में उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के सत्र 2026-27 के अंतर्गत अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट ट्रायल का पहला चरण संपन्न हुआ। इसमें जिले भर से आए करीब 56 पंजीकृत खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। सभी खिलाड़ियों ने अपनी बैटिंग, बॉलिंग व विकेट कीपिंग का प्रदर्शन किया। इसका चयनकर्ता नवीन सिन्हा, कैलाश नेगी, अभिषेक श्रीवास्तव व ओम मिश्रा ने बारीकी से आकलन किया फिर 40 खिलाड़ियों का चयन अगले चरण के लिए किया गया। अगले चरण के तहत चयनित खिलाड़ियों के सिलेक्शन मैच श्याम प्रकाश श्रीवास्तव अंडर-23 जनपदीय लीग व अंडर-19 जनपदीय क्रिकेट ट्रायल के बाद आयोजित किए जाएंगे। इसमें जिला क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव राजेश कुमार व साकिर हुसैन भी उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह | अभ्युदय सेवा संस्थान व संस्कार भारती के तत्वावधान में हुआ नव संवत्सर, होली मिलन व 'फाग' रंगत कार्यक्रम

फाग की रंगत व ढोलक की थाप पर मगन होकर झूमे लोग

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: शहर के एक गेस्ट हाउस में अभ्युदय सेवा संस्थान व संस्कार भारती के तत्वावधान में नव संवत्सर, होली मिलन व 'फाग' रंगत कार्यक्रम हुआ। इसमें कवियों की रचनाओं व लोक गायन ने समां बांध दिया। मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने अभ्युदय सेवा संस्थान व संस्कार भारती ने परम्पराओं को जीवित रखने की सराहना करते हुए मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चेयरमैन श्वेता भानू मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर वरिष्ठ साहित्यकार व शिक्षक कीर्तिशेष कुंवर राजेंद्र सिंह सेंगर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि आगंतुकों का तिलक व अंगवस्त्र से स्वागत फिर फूलों से खेली गई होली ने एक सात्विक व उत्सवपूर्ण वातावरण निर्मित किया। संरक्षक डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने लोक गायिका नैना देवी द्वारा प्रस्तुत फाग की अद्भुत प्रस्तुति की सराहना की। संस्था अध्यक्ष डॉ. प्रभात सिन्हा ने बताया कि हम लोग छिपी प्रतिभाओं को तलाशने व तराशने का कार्य कर रहे है। संस्कार भारती के महामंत्री सियाराम पांडेय व कोषाध्यक्ष संजीव निगम ने भी अपने विचार रखे।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ सरस्वती वंदना गौतम बुद्ध नगर से पधारे कवि भालचन्द्र त्रिपाठी ने किया। वहीं, कानपुर के अंसार काम्बरी, राहुल विनम्र, गज़लकार अनुराग मिश्र ग़ैर, हास्य कवि अनुभव अज्ञानी, अखिलेश अवस्थी ने भी कवितापाठ कर लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। संस्था के महासचिव हाईकोर्ट अधिवक्ता ओपी तिवारी ने सफल कार्यक्रम की बधाई दी। संचालन संस्था सचिव अनिरुद्ध सौरभ ने किया। इसमें चेयरमैन प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, शिशिर अस्थाना, सुरेश पांडेय, निम्मी अरोड़ा, महेंद्र शंकर त्रिपाठी, अखिलेश अवस्थी, प्रेम सिंह सेंगर, अखिलेश ओमर, अमित मिश्रा, राघव निगम, पवन निगम, विनय दीक्षित, गौरव शुक्ला, भरत चित्रांशी, गजेंद्र वर्मा, गोपाल शुक्ला, श्यामू चौरसिया, सुशील श्रीवास्तव, दिवाकर द्विवेदी, तारा निगम, कीर्ति गुप्ता, रश्मि निगम, स्मृति निगम, गीता मिश्रा, वंदना सिन्हा, दिव्या श्रीवास्तव, अर्चना पांडेय, अमिताभ त्रिवेदी, नीरज सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में फाग गायन करते फगुआरे। ● अमृत विचार

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खुद पर डीजल डालकर लगाई आग

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार: अजगैन कोतवाली क्षेत्र के सूबेदार खेड़ा मजरा कुसुंभी निवासी राजपूत (40) का रविवार दोपहर किसी बात को लेकर पत्नी रानी से विवाद हो गया। इसके बाद वह घर से निकल गया और कुछ देर बाद वापस आने पर उसने अचानक अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा ली। परिजनों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन राजपूत गंभीर रूप से झुलस गया था। परिजन उसे लेकर सीएचसी नवाबगंज पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल के रिश्तेदार श्रीराम ने बताया कि पति-पत्नी में आएदिन विवाद होता है। रविवार दोपहर भी किसी बात पर दोनों में विवाद हुआ था। इसके बाद राजपूत शराब पीकर आया और घरवालों को आवाज देकर अचानक अपने ऊपर डीजल डाल आग लगा ली।

अगर आप नीचे की ओर देख रहे हैं, तो आपको कभी इंद्रधनुष नहीं मिलेगा।
–**चार्ली चैपलिन**, हॉलीवुड अभिनेता

इस छूट के मायने

अमेरिका द्वारा ईरान से सीमित अवधि के लिए तेल खरीद की छूट विरोधाभासी है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके तेल राजस्व को रोकने की कोशिश की गई, उसी को अचानक "राहत" क्यों? यह निर्णय किसी उदारता से अधिक जटिल भू-राजनीतिक गणित का परिणाम है। लक्ष्य है ऊर्जा बाजार को तात्कालिक झटके से बचाना, आपूर्ति की कमी से कीमतों को काबू में रखना और समुद्र में फंसा तेल चीन की ओर न चला जाए इसकी व्यवस्था। इसीलिए विरोधाभास से आंखें मूंदकर यह फैसला लेना पड़ा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पश्चिम एशिया में तनाव, शिपिंग जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध ने तेल गैस आपूर्ति को इतना संवेदनशील बना दिया कि इस मामले ऐसी रियायत देनी पड़ी। सीमित समय सीमा मात्र इसलिए ताकि यह "नियंत्रित वाल्व" की तरह काम करे। थोड़ी अतिरिक्त आपूर्ति आए, तेल बाजार में कीमतें नरम पड़ें, पर स्थायी ढील न बने, पर इससे कीमतें लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रहने वाली।

समुद्र में फंसे लगभग 170 मिलियन बैरल तेल को बाजार तक लाने से अल्पकालिक राहत ही मिलेगी स्थायी समाधान नहीं। अगर भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है, तो यह राहत कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों से ज्यादा टिकाऊ नहीं होगी। ऊपर से ईरान का यह कहना कि उसके पास "सरप्लस तेल नहीं है", संकेत देता है कि उपलब्ध अतिरिक्त आपूर्ति सीमित है या तो तेल पहले ही अनुबंधित है या ऐसे व्यवस्थागत ढांचे में है, जिसे तुरंत मोड़ा नहीं जा सकता। इससे वास्तविक आपूर्ति बनाम अपेक्षा के बीच अंतर पैदा होगा, जो कीमतों में अस्थिरता बनाए रख सकता है। रूस पर प्रतिबंध और ईरान को छूट की दोहरी नीति का आरोप अमेरिका पर भले लगे, लेकिन व्यवहार में यह परिस्थिति-आधारित रणनीति है। रूस के मामले में उद्देश्य उसके युद्ध वित्त को बाधित करना था, वहीं ईरान के मामले में लक्ष्य तत्काल आपूर्ति झटके को कम करना और ईरानी तेल तक चीन की निर्बाध पहुंच को संतुलित करना है। यानी यहां सिद्धांत नहीं, हित-आधारित लचीलापन काम कर रहा है। भुगतान और लेन-देन की शर्तें महत्वपूर्ण होंगी।

व्यवहार में कई शर्तें वॉशिंगटन की रूपरेखा के अनुसार होंगी। अमेरिकी निगरानी में लेन-देन होने से डॉलर, यूरो या विशेष एस्क्रो व्यवस्थाएं अपनाई जा सकती हैं। "शैडो फ्लीट" पर लदे तेल के कारण बीमा, ट्रैकिंग और भुगतान जोखिम बढ़ते हैं, इसलिए खरीदार देशों को प्रशासनिक अनुपालन और जोखिम प्रबंधन में सावधानी रखनी होगी। भारत के लिए यह अवसर के साथ परीक्षा भी है। भारतीय रिफाइनरियां सीमित मात्रा में ईरानी ग्रेड्स, जो तकनीकी रूप से उपयुक्त और कभी-कभी प्रतिस्पर्धी कीमत पर मिलते हैं, उसका लाभ उठा सकती हैं, पर उन्हें अमेरिकी दिशा-निर्देशों, भुगतान चैनलों और बीमा शर्तों का पालन करना ही होगा। रूस के तेल की तुलना में ईरानी तेल हर बार सस्ता हो, यह तय नहीं, पर लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता और अनुबंध शर्तों के आधार पर यह आकर्षक विकल्प बन सकता है। भारत को चाहिए कि वह इस मौके का उपयोग आपूर्ति विविधीकरण, रणनीतिक भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा में तेज निवेश के साथ करे। क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी उत्तर बाजार की दया पर नहीं, नीतिगत दूरदृष्टि और आत्मनिर्भरता पर टिका होता है।

प्रसंगवश

शहीद दिवसः क्या राष्ट्रप्रेम अब प्रतीक भर रह गया है

भारत हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में अंकित वह क्षण है, जब भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर इतिहास को अमर कर दिया। आज, जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पार कर चुका है, एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम उस बलिदान की अग्नि को अपने भीतर जीवित रख पाए हैं या वह केवल औपचारिक स्मरण तक सिमट गई है? आधुनिक भारत की हाईटेक और डिजिटल होती पीढ़ी के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आजादी कोई उपहार नहीं थी। यह उन अनगिनत क्रांतिकारियों की कीमत पर मिली, जिन्होंने अपने जीवन, अपने सपने और अपने परिवार तक को राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया।

भगत सिंह महज 23 वर्ष के थे, जब उन्होंने फांसी को गले लगाया। यह वही उम्र है, जब आज का युवा अपने करियर, सुविधाओं और निजी आकांक्षाओं के बारे में सोचता है। ऐसे में यह तुलना स्वयं में एक

अरविंद रावल
लेखक

प्रश्न बन जाती है कि क्या हमारे समय का युवा उस युग के युवा के समान अर्थ रखता है? साइमन कमीशन के विरोध में लाला लाजपत राय पर हुए निर्मम लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने भारतीय युवाओं के मन में क्रांति की ज्वाला भड़का दी। इसी ज्वाला का परिणाम था सांडर्स वध, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को यह संदेश दिया कि भारत का युवा अब अन्याय सहने को तैयार नहीं है। इसके बाद केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की घटना, जिसे भगत सिंह ने "बहरों को सुनाने का प्रयास" बताया था। सिर्फ एक विस्फोट नहीं था, बल्कि विचारों का उद्घोष था। बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर उन्होंने गिरफ्तारी दी ताकि उनका संदेश पूरे देश में गूंज सके। जब अंग्रेजी हुकूमत ने इन युवाओं को फांसी की सजा सुनाई, तब पूरा देश उनके समर्थन में खड़ा हो गया। चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, परंतु अल्फ्रेड पार्क में लड़ते हुए उन्होंने भी अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अंततः 23 मार्च 1931 की शाम, नियत तिथि से पहले ही, अंग्रेजों ने भयवश तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दे दी। यह केवल तीन व्यक्तियों की मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक राष्ट्र की चेतना और भी अधिक जागृत हो उठी। आज स्थिति बदल चुकी है। राष्ट्रप्रेम अब कई बार प्रतीकों और अवसरों तक सीमित दिखाई देता है। सोशल मीडिया के स्टेटस, औपचारिक समारोह और दो चार देशभक्ति गीतों तक। सबसे अधिक चिंताजनक यह है कि समाज में एक विभाजनकारी मानसिकता पनप रही है, जहां समृद्ध वर्ग अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक भविष्य चाहता है, जबकि सीमाओं की रक्षा का दायित्व मानो केवल सामान्य या मध्यम वर्ग पर छोड़ दिया गया है। यह सोच न केवल असंतुलित है, बल्कि राष्ट्र की एकता के लिए भी खतरा है।

राष्ट्रप्रेम कोई अवसर विशेष की भावना नहीं, बल्कि एक सतत चेतना है। यह जाति, धर्म, वर्ग और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का दृष्टिकोण है। यदि आज की पीढ़ी इस मूल भावना से दूर होती गई, तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्र का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। इसलिए, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। शहीद दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह देखने का कि क्या हम उस स्वतंत्रता के योग्य नागरिक बन पाए हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद दिवस हमें इतिहास को याद करने के साथ-साथ वर्तमान को परखने और भविष्य को दिशा देने का अवसर देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नाटो से बाहर हो सकता है अमेरिका

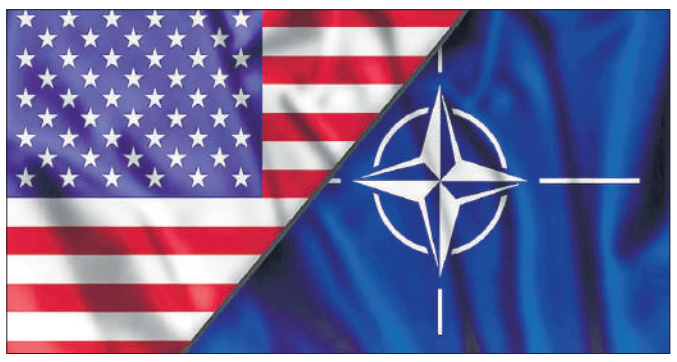

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी और अब ईरान पर हमला करके उन्होंने खाड़ी देशों को युद्ध की आग में झोंक दिया। वे यहीं नहीं रुके हैं। उनका अगला निशाना क्यूबा और ग्रीन लैंड होगा। यह बात पूरी दुनिया को पता है। यही वजह है कि नाटो के सदस्य देश अब न सिर्फ ट्रंप की मनमानी को रोकना चाहते हैं, बल्कि खुद की सैन्य शक्ति को बढ़ाकर रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। ईरान की बढ़ती आक्रमकता के बाद ट्रंप ने नाटो सदस्य देशों से अपने युद्धपोत होर्मुज में भेजने के लिए कहा था, पर सबने मनाकर दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आए और उन्होंने अपने बेस से ईरान पर हमले की इजाजत ट्रंप को देदी।

परिणाम यह हुआ कि ईरान ने डिएगो गार्सिया पर हमला कर यह बता दिया कि जो भी देश अमेरिका के साथ खड़ा होगा उसके वहां उसकी मिसाइलें गिरेंगी और तबाही मचाएंगी। डिएगो गार्सिया पर चार हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल से ईरान के प्रहार ने न सिर्फ नाटो देशों में सकते में ला दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अमेरिका और इजरायल ने अब बड़ी गलती कर दी है, क्योंकि ईरान का मकसद अब युद्ध को न सिर्फ लंबा खींचना है, बल्कि एक के बाद एक अमेरिकी सहयोगी देश पर हमला करके इस युद्ध को व्यापक बनाना है। यही वजह है कि अब नाटो बिखरता हुआ दिख रहा है और ट्रंप नाटो से बाहर आने के संकेत दे रहे हैं।

हमले से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। यदि वह परमाणु बम का परीक्षण कर लेगा तो फिर इसके दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। उन्होंने इसका डर अमेरिकी जनता के साथ ही यूरोपीय और खाड़ी देशों को भी दिखाया। जबकि पिछले साल जब अमेरिका और इजराइल ने हमला किया था, तो यह दावा किया था कि उसकी एयर स्ट्राइक में ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जबकि अमेरिकी सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को दी गई अपनी लिखित गवाही में अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने यह स्वीकार किया है कि 2025 में अमेरिका और इजरायल के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता पूरी तरह नष्ट हो गई थी। परिणाम स्वरूप ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को दोबारा शुरू करने की कोई ठोस कोशिश नहीं की। इस रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति ट्रंप आलोचनाओं में घिर गए हैं, पर वे युद्ध की इस कार्रवाई को सही ठहराने में जुटे हैं।

अमेरिकी नागरिक और वहां के थिंक टैंक का आरोप है कि इजरायल के प्रधानमंत्री के कहने पर ट्रंप ने अमेरिका को बिना वजह युद्ध में शामिल किया। इस बात की कसक फ्रांस समेत कई नाटो देशों को भी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो का गठन जब हुआ था तब तय किया गया था कि नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो सदस्य देश उसकी मदद को आगे आएंगे। तुर्किए नाटो का सदस्य है।

अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान ने तुर्किए पर मिसाइल व ड्रोन से प्रहार किया, लेकिन एक भी नाटो सदस्य देश उसके बचाव में आगे नहीं आया। यहां तक कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान द्वारा तेल और गैस लदे जहाजों पर हमले के बाद भी फ्रांस, जर्मनी, जापान और ग्रीस जैसे देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने से मनाकर दिया। इन देशों को पता है कि यदि वे वहां अपने युद्धपोत भेजते हैं, तो ईरान जो हाल सऊदी अरब, कतर, बहरीन और यूएई का कर रहा है, वही उनका भी करेगा। ईरान उनके यहां भी एयरपोर्ट, सैनिक ठिकानों और रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले कर तबाही मचाएगा। इस तबाही की भरपाई मुश्किल होगी। डिएगो गार्सिया पर प्रहार से पहले ईरान के विदेश मंत्री ने ब्रिटेन को धमकी दी थी कि यदि वह अमेरिका की मदद करेगा, तो फिर इसका अंजाम बुरा होगा, लेकिन ब्रिटेन ने इस धमकी को नजरअंदाज किया। परिणाम स्वरूप डिएगो गार्सिया पर हमला करके ईरान ने बता दिया कि उसकी मिसाइलों की जद में फ्रांस, ब्रिटेन समेत तमाम नाटो देश हैं, जहां वह कभी भी हमला कर सकता है। हालांकि फ्रांस, ग्रीस, जर्मनी जैसे देश पहले ही डोनाल्ड ट्रंप से साफ कह चुके हैं कि वे इस युद्ध में अमेरिका की कोई मदद नहीं करेंगे।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस इनकार की कई वजहें हैं। ट्रंप अब मनमानी पर उतर आए हैं। वे फ्रांस, जापान समेत तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों को बात-बात पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। नाटो से निकलने की धमकियां देते हैं और बिना वजह युद्ध करना चाहते हैं। ऐसे में कोई भी देश उनका साथ देने को तैयार नहीं है। रही बात इजराइल की तो वह इस्लामिक राष्ट्रों से घिरा हुआ है और उसे अपना अस्तित्व बचाना है इसलिए वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध हो उसमें शामिल होगा।

नाटो देशों द्वारा मदद से इनकार से ट्रंप बौखलाए हुए हैं और नाटो का अस्तित्व समाप्त होने की धमकी दे रहे हैं, पर ब्रिटेन के अलावा कोई भी अन्य देश उनकी गीदड़ भभकी में नहीं आया। ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है और वह अंतिम दम तक लड़ेगा। युद्ध लंबा खिंचेगा तो इसके बारूद की आग कई और देशों को अपनी चपेट में लेंगी, जो किसी भी स्थिति में ठीक नहीं होगा। सदस्य देशों से नाराज डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नाटो से बाहर आने की फाइल पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। ऐसी आशंका है।

ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है।

आमने

आरजी कॉलेज की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी बंगाल में नहीं जीतेगी। हर जगह बीजेपी वोट की चोरी कर के जीत हासिल करती है। इतिहास में पहली बार चुनावों के दौरान बंगाल से 50 से ज्यादा अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।
–**शत्रुघ्न सिन्हा**, सांसद, टीएमसी

सामने

एसआईआर में जो वोट काटे गए, वे घुसपैठियों, दिवंगत लोगों के थे। वहां, एक आदमी कई वोट डालता था, एक आदमी के कई जगहों पर वोट थे। अगर ऐसे आदमी का वोट काटा गया, तो उन्हें क्या एतराज है? क्या आप बंगाल को बाकी भारत से अलग करना चाहते हैं? बंगाल के लोग सब देख रहे हैं और वहां बीजेपी की सरकार जरूर बनेगी। – **विजय कुमार शर्मा**, डिप्टी सीएम, छत्तीसगढ़

दिखावटी चुनाव में एक तानाशाह की बल्ले-बल्ले

डॉ .रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15 वें 'सुप्रीम पीपल्स असेंबली' के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकतरफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने न कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी? चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरासी, नौकर, जीजा, बहनें और जी-हुजूरी करने पार्टी कार्यकर्ता-कर्मचारियों को टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सन-हुईन और जीजा किम नॉउ व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देंगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नार्थ कोरियाई लोग किम जोंग का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूरब से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हां में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसना पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति वहां हो जाती है।

ऐसी अजीबोगरीब शर्तों को नार्थ कोरियाई आवाम को न चाहते हुए भी मानना पड़ता है। उत्तर कोरियाई का संसदीय चुनाव का इतिहास 1948 से रहा है। तब, वहां श्रमिक पार्टी, चोंडो ईस्ट चांगु पार्टी, कोरियाई लोकतांत्रिक पार्टी, श्रमिक जन पार्टी, पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी व डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी, लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है। वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद हैं।

इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार के पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोटर टर्नआउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरों ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया, जिनमें ज्यादातर ऐसे लोग बताए जाते हैं, जो चुनाव के वक्त या देश से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज-पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर पब्लिक ने वोट नहीं किया, तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोड़ों से पीटा जाता है। नार्थ कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग 'जेन-जी' जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा सपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेगा तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंन उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया। सजा के तौर पर जोंन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे। मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या न कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नॉर्थ कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकुमत किम जोंन चलाते हैं। किम जोंन न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके यहां कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी, तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कइयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नॉर्थ कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्राध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नॉर्थ कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकर्रर होगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नॉर्थ कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विश्व में जनसंख्या के मामले में 56 वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाले इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है।

सोशल फोरम

सकारात्मक संकेत

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से ईरान और पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ईरान इजरायल के कारण बढ़ते तनाव और क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थितियों ने भारत की प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति श्रृंखला को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। खाड़ी क्षेत्र के बढ़ते तनाव और हालिया

आर एन शाही
गोरखपुर

क्षेत्रीय अस्थिरता से पहले, भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात के माध्यम से पूरी करता रहा है। भारत के प्रमुख गैस आपूर्ति भागीदारों में कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता (कुल आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत रहा। यह पूरी आपूर्ति फिलहाल ठप है और बहाल होने में लंबा समय लगने की आशंका है, क्योंकि ईरानी हमले से इसके प्लांट संयंत्रों को भारी क्षति पहुंची है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी गैस आयात में भारी वृद्धि की है। ऑस्ट्रेलिया दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से एक स्थिर स्रोत बनकर उभरा है, जो लंबे समय तक राहत देगा। अन्य देशों में अंगोला, नाइजीरिया और ओमान जैसे देश हैं, जिनकी आपूर्ति जारी रहने वाली है। हालांकि भारत पाइपलाइन (आईपीआई पाइपलाइन) के माध्यम से ईरान से सीधे गैस नहीं ले पा रहा था, लेकिन ईरान 'फारस की खाड़ी' और 'होर्मुज जलडमरूमध्य का द्वार है, जहां से भारत की 60 प्रतिशत से अधिक गैस आपूर्ति गुजरती है। यह पूरी की पूरी आपूर्ति फिलवक्त अवरोध और अनियमितता का शिकार है। हालिया संघर्षों के कारण सीधे तौर पर गैस के कुओं से उत्पादन कम होने की अपेक्षा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स में बड़ी बाधाओं के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। अनुमान है कि लाल सागर और फारस की खाड़ी में तनाव के कारण भारत की कुल गैस आपूर्ति का लगभग 10-15 प्रतिशत हिस्सा अनिश्चितता के घेरे में आया है। मुख्य रूप से उन देशों से आने वाली सप्लाई प्रभावित हुई है, जो लाल सागर मार्ग का उपयोग करते हैं, जैसे कुछ यूरोपीय स्रोत और अल्जीरिया। युद्ध के खतरे के कारण जहाजों के समुद्री बीमा में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जिससे लैंडिंग लागत बढ़ गई है। भारत ने अपनी रणनीति को "विविधीकरण" पर केंद्रित किया है ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए पश्चिम एशिया से हटकर अफ्रीका और अमेरिका की ओर रुख कर रहा है, जो भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह किसी भी सरकार के लिए चाहे भारत हो या चीन, जादू की छड़ी घुमाने जैसी कोई चमत्कारिक कार्यवाही नहीं है।

– फेसबुक वॉल से

सामयिकी

मार्च में सर्दी-गर्मी जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

प्रकृति का अपना एक निश्चित अनुशासन और संतुलन होता है। सदियों से पृथ्वी पर ऋतुओं का क्रम तय रहा है। वसंत की मधुरता, ग्रीष्म की तपिश, वर्षा की हरियाली, शरद की शांति, हेमंत की ठंडक और शीत ऋतु की सिहरन। भारत जैसे देश में यह ऋतुचक्र केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और कृषि व्यवस्था का आधार रहा है। किंतु हाल के वर्षों में यह संतुलन तेजी से बिगड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मार्च के तीसरे सप्ताह में मौसम के अचानक बदले स्वरूप ने इस असंतुलन को स्पष्ट कर दिया। हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। विशेष रूप से सरसों और गेहूं जैसी रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, क्योंकि यह समय उनके पकने का होता है। ऐसे में

राजेश जैन
लेखक

मौसम की थोड़ी-सी भी अनियमितता उत्पादन को सीधे प्रभावित करती है।

किसान अपनी खेती का समय ऋतुओं के अनुसार तय करता है और त्योहार व परंपराएं भी मौसम से गहराई से जुड़ी होती हैं, लेकिन जब मौसम ही अनिश्चित हो जाए, तो पूरी जीवन व्यवस्था प्रभावित होती है। यह असामान्य मौसम केवल संयोग नहीं, बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या जलवायु परिवर्तन का संकेत है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। रबी फसलों- जैसे गेहूं, चना और सरसों के लिए मार्च का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान तापमान अचानक बढ़ जाए, तो दानों का विकास प्रभावित होता है और उत्पादन घट जाता है। वहीं, अचानक बारिश, ठंड या ओलावृष्टि तैयार फसल को नष्ट कर सकती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। अचानक बदलते मौसम के कारण शरीर को अनुकूलन का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे सर्दी-जुकाम, वायरल संक्रमण, एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित होते हैं। कई बार अचानक बढ़ती गर्मी हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं को भी जन्म देती है। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं भी इसी असंतुलन का संकेत हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, जंगलों में आग और भूस्खलन जैसी घटनाएं अब अधिक बार देखने को मिल रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के प्रवाह और जलस्तर में बदलाव आ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो भविष्य में जल संकट और भी गहरा सकता है। इस असंतुलन के पीछे मानव गतिविधियों की बड़ी भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या और विकास की दौड़ में हमने प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है। वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और अनियंत्रित शहरीकरण ने पर्यावरणीय संतुलन को कमजोर कर दिया है। पेड़-पौधों की कमी के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, जिससे तापमान नियंत्रित रखने वाली प्राकृतिक प्रणाली प्रभावित हो रही है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ असंतुलन का परिणाम मानव को ही भुगतना पड़ता है। यदि समय रहते हमने अपनी जीवनशैली और विकास की दिशा में सुधार नहीं किया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करें। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

हाथ की उंगलियों में पहनी जाने वाली खूबसूरत अंगूठियां

अंगूठी एक ऐसा आभूषण है, जो सदियों से सुंदरता और आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं ही नहीं, बल्कि पुरुष भी अपने हाथों की उंगलियों में अंगूठी पहनना पसंद करते हैं। यह केवल सजावट का साधन नहीं है, बल्कि कई बार यह प्यार, रिश्ते और भावनाओं का प्रतीक भी होती है। खासकर सगाई और शादी में अंगूठी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। आजकल बाजार में अंगूठियों की बहुत सारी सुंदर डिजाइन मिलती हैं। सोने, चांदी, हीरे और अलग-अलग रंगों के पत्थरों से बनी अंगूठियां हाथों की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती हैं। कुछ लोग साधारण और हल्की अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग भारी और डिजाइनर अंगूठियां पहनना पसंद करते हैं। हर व्यक्ति अपनी पसंद और स्टाइल के अनुसार अंगूठी चुनता है।

नूर हिना खान
लेखिका

अंगूठियों की डिजाइन

अंगूठियों की डिजाइन समय के साथ बदलती रहती है। पहले साधारण गोल डिजाइन अधिक पसंद किए जाते थे, लेकिन आजकल फ्लावर डिजाइन, हार्ट शेप, क्राउन डिजाइन और मिनिमल स्टाइल की अंगूठियां बहुत ट्रेंड में हैं। खासकर युवतियां पतली और स्टाइलिश अंगूठियां पहनना पसंद करती हैं, जो उनके हाथों को और भी आकर्षक बनाती हैं। आज के समय में अंगूठियां केवल आभूषण नहीं रह गई हैं, बल्कि यह फैशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। किसी भी पार्टी, शादी या खास अवसर पर एक सुंदर अंगूठी पूरे लुक को और भी खास बना देती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अंगूठी छोटी जरूर होती है, लेकिन इसकी सुंदरता और महत्व बहुत बड़ा होता है।

साधारण अंगूठी

यह हल्की और सादी डिजाइन की होती है। इसे रोजमर्रा में पहनना आसान होता है। ऑफिस, घर या सामान्य काम करते समय ऐसी अंगूठियां सबसे अच्छी रहती हैं।

डिजाइनर अंगूठी

डिजाइनर अंगूठियों में अलग-अलग स्टाइल, नक्काशी और नए फैशन की डिजाइन होती हैं। इन्हें पार्टी, शादी, त्योहार या किसी खास मौके पर पहनना ज्यादा अच्छा लगता है।

फैशन अंगूठी

फैशन अंगूठियां ट्रेंड के अनुसार बनाई जाती हैं। आजकल पतली, मिनिमल और स्टैकिंग (एक साथ कई अंगूठियां पहनना) स्टाइल बहुत लोकप्रिय है। युवतियां इन्हें कैजुअल और पार्टी दोनों में पहनती हैं।

स्टोन या रत्न वाली अंगूठी

इन अंगूठियों में अलग-अलग रत्न लगे होते हैं, जैसे पन्ना, माणिक, मोती या नीलम। कई लोग इन्हें ज्योतिष के अनुसार पहनते हैं, क्योंकि माना जाता है कि सही रत्न जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

सगाई या शादी की अंगूठी

यह सबसे खास अंगूठी मानी जाती है। सगाई और शादी में जो अंगूठी पहनाई जाती है वह रिश्ते और प्यार का प्रतीक होती है। अक्सर इसमें हीरा या सुंदर पत्थर लगा होता है।

कैसे चुनें अच्छी अंगूठी

अच्छी अंगूठी चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले अंगूठी का साइज सही होना चाहिए ताकि पहनने में आराम रहे। दूसरा, उसकी डिजाइन आपके हाथों और स्टाइल पर सूट करनी चाहिए। तीसरा, उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए ताकि वह जल्दी खराब न हो। कुल मिलाकर अंगूठी एक छोटा सा आभूषण है, लेकिन यह व्यक्ति की खूबसूरती और व्यक्तित्व को और भी निखार देती है। सही अंगूठी सही समय पर पहनी जाए, तो हाथों की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है।

67 साल बाद एक गीत की वापसी

Choo, choo train, a-chugging down the track
Gotta travel on, never coming back
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues
Bye, bye love, my baby's leaving me
Now lonely teardrops are all that I can see
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues

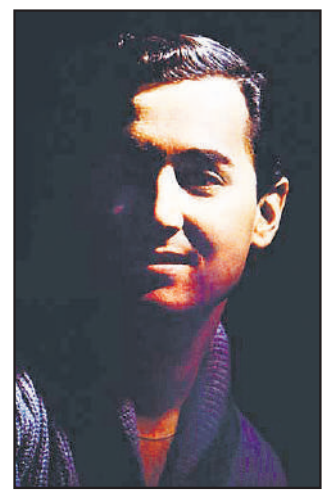

यह गीत हाल के समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 67 साल बाद अचानक फिर से वायरल हो गया है, जो यह दर्शाता है कि संगीत की कोई समय सीमा नहीं होती। 1959 में नील सेडका द्वारा लोकप्रिय बनाया गया यह गीत अपने भावनात्मक बोल और मधुर धुन के कारण पहले भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना चुका था, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया ने इसे एक नई पहचान दी है। आजकल सोशल मीडिया पर सैकड़ों की संख्या में इसके एआई वर्जन और लोगों द्वारा बनाई गई रील्स वायरल हैं।

इस गीत के वायरल होने का सबसे बड़ा कारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम और टिक टॉक हैं, जहां लोग पुराने गानों को नए ट्रेंड्स के साथ जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। खासतौर पर रील्स और शॉर्ट वीडियो में इस गाने के इस्तेमाल ने इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाया, जो शायद पहले इस गीत से परिचित नहीं थी।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

गीत की धुन में एक तरह की उदासी और सादगी है, जो आज के तेज-तर्रार और शोर-भरे संगीत के बीच एक अलग ही सुकून देती है। यही कारण है कि लोग इसे बार-बार सुनना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, इस गाने के बोल, जो एकतरफा प्रेम और बिछड़ने की पीड़ा को व्यक्त करते हैं, आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। यह भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी लोकप्रियता का मूल कारण है। वायरल होने का एक और पहलू यह है कि लोग अब रेट्रो चीजों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पुराने गाने, फैशन और स्टाइल एक बार फिर ट्रेंड में आ रहे हैं और One Way Ticket to the Blues इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। यह नॉस्टैल्जिया और नवीनता का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। अंततः इस गीत का दोबारा लोकप्रिय होना यह साबित करता है कि अच्छी कला कभी पुरानी नहीं होती। समय बदलता है, माध्यम बदलते हैं, लेकिन भावनाएं और सच्चा संगीत हमेशा जीवित रहते हैं। यह वायरल ट्रेंड न केवल एक पुराने गीत को नया जीवन देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नई पीढ़ी भी क्लासिक संगीत को उतनी ही सराहना देती है।

पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए पंजाबी आवाज वाले गायक जसपाल

जिंदगी का सफर

होली के हिंदी फिल्मी गीतों के संग्रह में शायद ही किसी के पसंदीदा गानों में 'जोगी जी धीरे-धीरे...' न हो! इसे या 'नदिया के पार' के अन्य गीतों को सुनते हुए अक्सर ख्याल आता था कि भारत के पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए यह सरल, जादुई आवाज किसकी है, जो यूपी-बिहार के गांवों की भाषा और भावों को इतनी सहज और सुंदर अभिव्यक्ति देती है।

फिर जब यह पता चला कि यह मधुर आवाज एक पंजाबी गायक जसपाल सिंह जी की है तो और ताज्जुब होना ही था। एक पंजाबी पृष्ठभूमि की आवाज और भारत के पूर्वी क्षेत्र की भाषाई मिठास इतनी खूबसूरती से संजोये हुए। फिर लगा शायद हिंदी क्षेत्र से कोई संबंध रहा हो। मगर ऐसा भी कोई उल्लेख कहीं मिला नहीं।

उनका जन्म 23 मार्च 1943 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उन्हें स्कूल और कॉलेज के दिनों में ही गायन का शौक हो गया था। वे पढ़ाई के दौरान कई संगीत प्रतियोगिताओं में भाग लेते थे। जसपाल जी मोहम्मद रफी साहब के बहुत बड़े प्रशंसक थे और बचपन से ही उनके गाने-सुनते और मौका मिलते ही गाते थे। गायन के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए वे मुंबई चले गए, जहां उनकी बहन रहती थीं।

अभिषेक मिश्र
लेखक

उनकी प्रतिभा को सर्वप्रथम 1968 में प्रसिद्ध महिला गायिका और संगीतकार ऊषा खन्ना जी ने पहचाना और पहला ब्रेक दिया। इनके संगीत निर्देशन में इन्होंने 'बंदिश' और 'अनजान है कोई' फिल्मों में गाने गए। मगर न इन फिल्मों को ज्यादा सफलता मिली न इन्हें कोई विशेष पहचान। मगर इनका सही वक्त अभी आना शेष था। राजश्री की फिल्म 'गीत गाता चल' में संगीतकार रविन्द्र जैन जी के निर्देशन में उनकी आवाज पूरे देश में छा गई। इसके बाद उन्होंने 'नदिया के पार', 'अंखियों के झरोखों से', 'सावन को आने दो' जैसी कई हिट बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाया। चूंकि उस समय के सभी ख्यात गायक अलग-अलग लोकप्रिय नायकों के साथ जुड़े हुए थे। इस कारण नायक सचिन को ब्रेक देने वाली आवाज के रूप में पार्श्व गायन करने के लिए नए गायक जसपाल सिंह को चुना गया था। मगर यह सफलता उनके राह की बाधा भी बन गई। नायक के रूप में सचिन का कैरियर बहुत सफल और लंबा नहीं रहा, जबकि जसपाल जी सचिन की आवाज के रूप में सीमित पहचान में बंधते चले गए। आने वाला दौर हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायन के स्तर में गिरावट का भी रहा, जो जसपाल जी जैसे प्रतिभावान गायकों के लिए अनुकूल नहीं रहा और वो इस नए दौर में गुमनामी में खोते गए।

उनके कंठ से निकले कुछ यादगार गीतों में-धरती मेरी माता, पिता आसमान, गीत गाता चल ओ साथी गुनगुनाता चल, मंगल भवन अमंगल हारी (फिल्म- गीत गाता चल), कौन दिशा में लेके चला रे, साची कंहे तोरे आवन से हमरे (फिल्म- नदिया के पार), जब-जब तू मेरे सामने आए (फिल्म- श्याम तेरे कितने नाम), सावन को आने दो (फिल्म- सावन को आने दो) आदि शामिल हैं। सफलता-असफलता से परे उनके दिल से गाए गीत आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं और आगे भी उनकी उपस्थिति का अहसास बन फिजाओं में गूंजते रहेंगे।

फिल्म समीक्षा

नए भारत की कूटनीति को बयां करती फिल्म

धुरंधरः द रिवेंज, एक ऐसी फिल्म, जिसे आप दम साधे पूरी देखना चाहेंगे। कोई डिस्टरबेंस आप को पसंद नहीं आएगा, आप की नजरें रुपहले पर्दे पर ही टिकी होगी, जिज्ञासा चरम पर होगी इसके बाद क्या? आप बस यही सोचेंगे, इसके सिवाय कुछ नहीं... यदि आप ने धुरंधर का पहला भाग देखा है, तो आप अनुभूत करेंगे कि ये उस से कहीं बेहतर है, फिल्म की एडीटिंग गजब की है, स्क्रिप्ट भी बेहतरीन और एक्टिंग तो ऐसी की, भाई सभी कलाकारों को सैल्यूट करने को जी करता है। ये भारतीय सिनेमा की सफल और बेहतरीन फिल्मों की सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएगी।

डॉ.संजय अनंत
समीक्षक

सन 2014 के बाद का भारत, अब केवल बदला नहीं लेता, घर में घुसकर मारता भी है। मोदी जी, टीवी पर नोटबंदी की घोषणा करते हैं और बर्बाद पाकिस्तान होता है, ये फिल्मी शोशा नहीं, हकीकत थी। कराची में आईएसआई के इशारे पर बड़े पैमाने पर फेक करेंसी यानी नकली नोट बड़े पैमाने पर छपते और ये नेपाल या कश्मीर के रास्ते से भारत लाया जाता। ठीक है फिल्म की कहानी में कुछ नाटकीयता है, किंतु इसके बाद भी ये फिल्म, कराची के इस सदी के प्रथम दशक की कहानी बयां करती है। रॉ के लोग पहले भी पाकिस्तान में सक्रिय थे, वे सूचना भेजते, किंतु उस पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती थी, पर अब अजीत डोभाल देश की सुरक्षा संभाल रहे है, जो स्वयं कभी पाकिस्तान में भारत के जासूस रहे है, अब जो इनपुट हमारे एजेंट्स वहां से भेजते हैं, उस पर तुरंत कार्यवाही होती है। यूपी के माफिया अतीक अहमद, पाकिस्तान की संस्थाएं, दाऊद सबका गठबंधन सच्चाई है और यही इस फिल्म का आधार है। बीते वर्ष में अनेक मोस्ट वांटेड आतंकी या उनके अन्नदाता जो पाकिस्तान में थे, अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा कत्ल कर दिए गए।

यही है नया भारत। जमील साहब यानी राकेश बेदी साहब की एक्टिंग तो कमाल की है, आर माधवन, सान्याल साहब के रूप में, संजय दत्त एसपी चौधरी के रूप में, फिल्म का हीरो रणवीर सिंह, सब ने अपने रोल के साथ न्याय किया है, अर्जुन रामपाल (मेजर इकबाल) क्रूरता घृणा चेहरे से झलकी, गजब की एक्टिंग, दो कमियां भी बताते चलूं, अत्याधिक वीभत्स हिंसक सीन और कुछ अश्लील संवाद, इसलिए सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, निर्देशक इसके बिना भी यदि फिल्म बनाते तो वो उतनी ही प्रभावशाली होती, इसकी जरूरत नहीं थी। यह फिल्म निश्चित ही सुपरहिट होगी और भारतीय सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में अपना स्थान बनाएगी। निर्देशक और पटकथा लेखन, दोनों आदित्य धर ने किया, वे निश्चित ही बधाई के पात्र हैं और पुरस्कार के भी।

जंजीर जिसने बदल दी अमिताभ बच्चन की तकदीर

11 मई 1973 को रिलीज हुई 'जंजीर' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने अमिताभ बच्चन के करियर को पूरी तरह से बदलकर, उन्हें बॉलीवुड में एंग्री यंग मैन के रूप में स्थापित किया। इस फिल्म ने फिल्म इंडस्ट्री को एक नया सुपरस्टार दिया। गौरतलब है कि सलीम-जावेद द्वारा लिखित और प्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को पहले कई बड़े अभिनेताओं ने ठुकरा दिया था। जावेद अख्तर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जंजीर धर्मेंद्र को लेकर लिखी गई थी, लेकिन धर्मेंद्र ने किन्हीं कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था।

अमिताभ बच्चन ने 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उनकी 11 फिल्में रिलीज हुई, जिनमें भुवन सोम, परवाना, रेशमा और शेरा, प्यार का घर आदि शामिल हैं, पर कोई भी बड़ी हिट साबित नहीं हुई। 1971 में आई फिल्म आनंद जरूर सफल रही पर सारा क्रेडिट राजेश खन्ना ले गए।

जंजीर में इंस्पेक्टर विजय खन्ना के किरदार ने अमिताभ बच्चन को एक गुस्सैल, कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में पेश किया, जिसे तब के युवा दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म की सफलता के बाद अमिताभ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन की तकदीर बदल गई और उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्राण पर फिल्माया गया गाना 'यारी है ईमान मेरी' आज भी बहुत पसंद किया जाता है।

दीपक नौगांई
लेखक, हल्द्वानी

अमिताभ बच्चन को जंजीर इतनी आसानी से नहीं मिली। वे इस फिल्म के लिए पहली पसंद तो कतई नहीं थे। इससे पहले उनकी कई फिल्में फ्लॉप हो चुकी थीं। धर्मेंद्र के बाद राजकुमार और देवानंद ने भी निजी कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था। एक दिन प्रकाश मेहरा 'मुंबई टू गोवा' फिल्म देख रहे थे। अमिताभ की एक्टिंग देख उन्होंने तय किया कि उनकी फिल्म के हीरो वही होंगे। कहते हैं कि प्राण ने भी प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया था।

जंजीर की कहानी सलीम खान और जावेद अख्तर की मशहूर जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म की कहानी, डायलॉग और सीन लोगों को इतने पसंद आए की फिल्म सुपरहिट साबित हुई और अमिताभ भी रातों-रात स्टार बन गए। इसके बाद इस जोड़ी ने अमिताभ के साथ कई हिट फिल्में दीं, जिनमें शोले, दीवार, काला पत्थर, शान, त्रिशूल, डॉन आदि शामिल हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन इंस्पेक्टर विजय खन्ना के रोल में थे, जबकि जया बच्चन उनकी प्रेमिका माला तथा प्राण ने शेर खान का रोल निभाया था। इनके अतिरिक्त इस फिल्म में अजीत, ओमप्रकाश, इफ्तिखार, केस्टो मुखर्जी, बिंदु आदि कलाकार भी शामिल थे। फिल्म में संगीत कल्याण जी आनंद जी का था।

यह फिल्म लगभग 90 लाख की बजट में बनी थी और इस फिल्म ने 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। जंजीर के लिए उस साल अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार बॉबी के लिए ऋषि कपूर को मिला था।

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा

मुंबई। पिछले सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भी घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का भी वे आंकलन करेंगे। अभी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का कोई वृहद आर्थिक आंकड़ा नहीं आया है।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 23 मार्च 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को भी देश में स्थिर बने रहे। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी 95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है।

महत्वपूर्ण खनिजों के ब्लॉक की नीलामी का 7वां चरण शुरू होगा

नई दिल्ली। सरकार सोमवार को महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के लिए नीलामी का सातवां चरण शुरू करेगी, जिसके तहत कई राज्यों में फैले 19 ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा जाएगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों के बीच सरकार का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, उर्वरकों और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। अब तक, नीलामी के छह दौर हो चुके हैं, जिसमें 46 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक की बिक्री की जा चुकी है। खान मंत्रालय ने कहा, सातवें चरण में खनन पट्टे और संयुक्त लाइसेंस के तहत कई राज्यों में 19 ब्लॉक पेश किए जाएंगे।

श्रीलंका ने की बिजली और ईंधन के सीमित इस्तेमाल की अपील

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने रविवार को जनता से वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता के बीच संभावित कमी से निपटने के लिए ईंधन और बिजली का सीमित व सोच-समझकर उपयोग करने की अपील की। यह अपील ऐसे समय आई है जब द्वीपीय देश ने आधी रात से ईंधन के खुदरा दाम बढ़ा दिए हैं, जो एक सप्ताह में दूसरी बढ़ोतरी है। सरकार ने प्रत्येक वाहन के लिए जारी क्यूआर कोड के आधार पर ईंधन की बिक्री निश्चित मात्रा में शुरू कर दी है। श्रीलंका सरकार के प्रवक्ता और मंत्री नलिंदा जयतिस्सा ने कहा,हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे बिजली और ईंधन का समझदारी से उपयोग करें और ऊर्जा खपत को न्यूनतम रखें।

स्कोडा ऑटो का वर्ष 2026 में बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेक वाहन ब्रांड स्कोडा इस साल भारत में '10 उत्पादों में कुछ बदलाव' और देश में नेटवर्क के विस्तार के जरिये बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''कंपनी ने अपने मध्यम आकार के मॉडल एसयूवी कुशाक का नया संस्करण पेश किया है। कंपनी ने भविष्य में एक लाख इकाइयों की सालाना बिक्री का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, यह 2026 में नहीं होगा।

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट

वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर, निर्माण और उर्वरक क्षेत्र पर बढ़ेगा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और संभावित व्यवधानों के कारण कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर सेमीकंडक्टर और निर्माण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो भारत पर इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकता है। सेमीकंडक्टर और निर्माण क्षेत्रों पर असर पड़ने के साथ उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत भी बढ़ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट से हीलियम, सल्फर, मेथनॉल और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे सेमीकंडक्टर निर्माण, उर्वरक और निर्माण जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। उर्वरक आपूर्ति शृंखलाओं में बाधा आने से कृषि लागत बढ़ सकती है और इसका असर खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की उपलब्धता अल्पावधि में संभालने योग्य रह सकती है, लेकिन एलपीजी, नैफ्था, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और गैस ऑयल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि रिफाइनिंग क्षमता सीमित है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है, जिससे प्राकृतिक गैस बाजार में भी दिक्कत आ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की रिपोर्ट

- उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत के बढ़ने की भी आशंका

दो महीने संघर्ष जारी रहा तो देश में आ सकती है मंदी

रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च कीमतों से अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनियों को लाभ हो सकता है, जबकि डाउनस्ट्रीम कंपनियों, विशेषकर तेल विपणन कंपनियों पर मार्जिन का दबाव बढ़ेगा। विमानन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन लागत परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। एफएमसीजी कंपनियों को पैकेजिंग लागत बढ़ने से दबाव झेलना पड़ सकता है, जबकि बुनियादी ढांचा और पूंजीगत व्यय भी प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्त्र, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों पर लागत बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने का असर पड़ेगा, हालांकि कुछ क्षेत्रों को अल्पकालिक इन्वेंट्री लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि संघर्ष दो महीने से अधिक समय तक जारी रहता है, तो इससे गंभीर आपूर्ति संकट, लागत में वृद्धि और वैश्विक तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक मंदी का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ने से 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है राजकोषीय घाटा

प्रत्येक एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से राजकोषीय घाटा लगभग 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है। यदि कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं तो महंगाई 4.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आयात निर्भरता, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए, जोखिम को और बढ़ाती है। देश के लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात और 50 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतों और भंडार के कारण कुछ हद तक संभाली जा सकती है, एलपीजी की उपलब्धता सीमित भंडार के कारण अधिक संवेदनशील बनी हुई है।

फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12% बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है। कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोदरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है।

इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है। सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा।

- पश्चिम एशिया संकट के कारण कई उद्योगों पर पड़ रहा प्लास्टिक महंगा होने का असर

एसी की मांग में आ सकती है कमी

देश के कई हिस्सों में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनियां सतर्क हो गई हैं। उन्हें आशंका है कि इससे गर्मी की शुरुआत में एसी की मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि यही समय उनकी बिक्री के लिए सबसे अहम होता है। आमतौर पर मार्च महीने में गर्मी बढ़ने लगती है और ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग तेज हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम के बदले रुख से कंपनियां असमंजस में हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अप्रैल में तापमान बढ़ेगा और मांग भी सुधरेगी।

उन्होंने बताया कि वॉशिंग मशीन की कुल लागत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का होता है, इसलिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतें बढ़ने पर ग्राहक महंगे मॉडल के बजाय सस्ते या कम क्षमता वाले उत्पाद खरीद सकते हैं।

एथनॉल उद्योग ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए की 20% से ज्यादा आपूर्ति की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का कहना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई 20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से आपूर्ति में रुकावट और देश पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा।

- पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होने का किया दावा

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण का लक्ष्य 30 प्रतिशत तक बढ़ाएं

भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य मोदी सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण की जरूरत को धीरे-धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए।

सरकार को सुझाव

एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव को दें बढ़ावा

इसके अलावा एआईडीए ने केंद्र सरकार से ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली फ्लेक्स-ईंधन गाड़ियां लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च को कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की डी मांग की है। एआईडीए ने कहा है, इससे संकट और कम होगा।

कोयला आयात 4.2% घटकर 21.3 करोड़ टन

नई दिल्ली, एजेंसी

- चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों का आंकलन, आगे भी आयात कमजोर रहने की संभावना

देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल से जनवरी के दौरान 4.2 प्रतिशत घटकर 21.31 करोड़ टन रहा है। समुद्री मार्ग से ढुलाई महंगी होने के कारण अभी कोयला आयात कमजोर ही रहने की संभावना है। आयात में गिरावट का यह भी संकेत है कि देश में कोयले का घरेलू उत्पादन बढ़ रहा है। हालांकि, भूराजनीतिक तनाव की वजह से वैश्विक स्तर पर तापीय कोयले की कीमतें चढ़ रही हैं।

बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान गैरकोकिंग कोयले का आयात 12.78 करोड़ था, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 14.11 करोड़ टन के आंकड़े से कम है। एमजंक्शन सर्विसेज सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है। अप्रैल-जनवरी, 2025-26 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 5.03 करोड़ टन रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.58 करोड़ टन था। जनवरी में देश का कोयला आयात 22.1 प्रतिशत घटकर 1.66 करोड़ टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 2.13 करोड़ टन रहा था। जनवरी में हुए कुल आयात में से, गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 94.5 लाख था, जो पिछले साल जनवरी के आंकड़े 1.23 करोड़ टन से कम है।

कोकिंग कोयले का आयात 42.3 लाख था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 52.3 लाख टन रहा था।

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था।

नेगी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे।

भारतीय कंपनियां एआई अपनाने में आगे, पर विशेषज्ञता में काफी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियां कृत्रिम मेधा (एआई) को बड़े पैमाने पर अपनाने के मामले में अपने वैश्विक समकक्षों से आगे निकल रही हैं। हालांकि, एआई को तेजी से अपनाने के बावजूद इसमें एक महत्वपूर्ण क्षमता अंतराल भी दिखाई देता है, क्योंकि भारत में वैश्विक औसत की तुलना में एआई विशेषज्ञता का स्तर काफी कम है।

डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। ज्यादातर संगठन अगले साल अपने एआई बजट में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।वर्ष 2026 की ''स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कंपनियां परीक्षण के दौर से आगे बढ़ते हुए प्रमुख कार्यों में बड़े पैमाने पर एआई को अपना रही हैं। डेलॉयट ने कहा, बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग उत्पाद विकास (62 प्रतिशत), रणनीति और संचालन (56 प्रतिशत), विपणन और बिक्री (55 प्रतिशत) और आपूर्ति शृंखला (48 प्रतिशत) में सबसे मजबूत है। इससे संकेत मिलता है कि एआई तेजी से उन कार्यों में शामिल हो रहा है जो विकास, दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बढ़ावा देते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत भारतीय उत्तरदाताओं ने महत्वपूर्ण या पूर्ण एआई उपयोग की जानकारी दी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 28 प्रतिशत है। रिपोर्ट में 200 से अधिक व्यापारिक और प्रौद्योगिकी दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। दूसरी ओर डेलॉयट ने पाया कि केवल 0-4 प्रतिशत भारतीय कंपनियों के पास उच्च स्तर की एआई विशेषज्ञता है, जो 2-8 प्रतिशत के वैश्विक औसत से काफी पीछे है।

- डेलॉयट ने अपनी रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज' में साफ की स्थिति

छोटे शहरों में ईवी विंडसर की बिक्री बढ़ाएगी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल विंडसर की बिक्री में 70 प्रतिशत योगदान गैर महानगरों का है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है इसी का लाभ उठाकर और जागरूकता बढ़ाकर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर अपनी बिक्री बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

एमजी विंडसर को अक्टूबर, 2024 में पेश किया गया था। तब से अब तक इस मॉडल की कुल बिक्री लगभग 65,000 इकाई रही है। इस मॉडल की कुल बिक्री में से चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई का हिस्सा 30 प्रतिशत रहा है। शेष भारत ने इसमें 70 प्रतिशत का योगदान दिया है। इस रुख पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रैना ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री शुरू में महानगरों में ही थी, जिसका मुख्य कारण कम जागरूकता और ऐसे उत्पाद की कमी थी जो सच में आम लोगों को पसंद आते। उन्होंने दावा किया, एमजी विंडसर के आने से यह माहौल बदल गया और यह मॉडल गैर-महानगर शहरों में ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह सही समय पर पेश किया गया सही उत्पाद था। इन बाजारों में ग्राहकों को एक टिकाऊ ड्राइविंग का अनुभव दिया गया है, जिससे उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई।

शीर्ष 10 कंपनियों में से 5 का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया।

जयशंकर भारत-रूस व्यापार पर केंद्रित सम्मेलन को संबोधित करेंगे

मॉस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के उनके समकक्ष सर्गेई लावरोव सोमवार को डिजिटल तरीके से एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के विशेषज्ञ खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों से निपटने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे।

मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) द्वारा आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ईरान का बंदर अंजली बंदरगाह मुंबई और सेंट पीटर्सबर्ग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करने वाले गलियारे पर स्थित प्रमुख बंदरगाह है। यह स्वेज नहर को दरकिनार करते हुए एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है। इस बंदरगाह को 18 मार्च को अमेरिका-इजराइल द्वारा किए गए मिसाइल हमले में नुकसान पहुंचा था।

- दोनों पक्ष खाड़ी क्षेत्र में तनाव से उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों पर करेंगे विचार

भारत-रूस दोनों ने इस गलियारे पर उम्मीदें टिका रखी हैं कि इससे द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, जैसा कि मोदी और पुतिन ने दिसंबर में नई दिल्ली में हुए शिखर सम्मेलन में सहमति जताई थी। 'रूस और भारतः द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नए एजेंडे की ओर' सम्मेलन दोनों देशों में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने को रोडमैप तैयार करेगा।

असल स्थिति अभी परिदृश्य में नहीं

कच्चे तेल का अदृश्य संकट

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई जैसे वैश्विक बेंचमार्क तेल बाजार की वास्तविक कमी और संकट को पूरी तरह नहीं दर्शा रहे हैं। यानी यह संकट उससे भी ज्यादा गहरा है जो वर्तमान में दिख रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कच्चे तेल का वास्तविक संकट वैश्विक स्तर पर परिलक्षित होने में कुछ समय लग सकता है लेकिन यह जब सामने आएगा तो वर्तमान संकट से भी ज्यादा गहरा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की जो कीमतें फिलहाल स्क्रीन पर दिख रही हैं, वे जमीनी हकीकत से काफी अलग हैं। केवल ब्रेंट या डब्ल्यूटीआई चार्ट देखकर समझना कि तेल बाजार शांत है, भूल हो सकती है। असली महंगाई और किल्लत उन स्थानीय बाजारों और रिफाइंड प्रोडक्ट्स में दिख रही है, जो वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं।

इन्वेंट्री डेटा

बेंचमार्क कीमतें अक्सर साप्ताहिक इन्वेंट्री रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया करती हैं। यह डेटा पिछला होता है। वास्तविक समय में समुद्र में टैंकरों की आवाजाही, लोडिंग में देरी या किसी टर्मिनल पर तकनीकी खराबी जैसी भौतिक कमियों को ये बेंचमार्क कुछ दिनों की देरी से पकड़ते हैं।

बेंचमार्क बनाम फिजिकल मार्केट

- ब्लूमबर्ग और जेपी मॉर्गन का तर्क है कि ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई वायदा बाजार की कीमतों में क्षेत्रीय इन्वेंट्री और पॉलिसी हस्तक्षेप के कारण स्थिरता दिख रही है। लेकिन फिजिकल मार्केट जहां वास्तविक तेल खरीदा-बेचा जाता है, वहां स्थिति गंभीर है।
- मध्य पूर्व के बेंचमार्क जैसे दुबई और ओमान के नकद दाम 155 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। यह अंतर बताता है कि खाड़ी देशों से आने वाले तेल की भारी कमी है, जो वैश्विक बेंचमार्क में अभी पूरी तरह प्राइस इन नहीं हुई है।

रिफाइंड उत्पादों में भारी महंगाई

- कच्चा तेल तो फिर भी 110 डॉलर के करीब है, लेकिन वास्तविक अर्थव्यवस्था जिस चीज का उपयोग करती है, जैसे डीजल, गैसोलीन और बंकर फ्यूल, उनकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं।
- सिंगापुर में बंकर फ्यूल की कीमतें 140 से 175 डॉलर तक पहुंच गई हैं। इसे ऑयल क्राइसिस- 2.0 कहा जा रहा है, जहां कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पाद के बीच का पारंपरिक संबंध टूट गया है।

अदृश्य संकट के कारण

- मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके नतीजे आने बाकी हैं।
- शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम बढ़ गया है, जिससे तेल की वास्तविक कीमत बहुत अधिक हो गई है।

क्षेत्रीय सीमाओं का असर

- डब्ल्यूटीआई अमेरिका के ओक्लाहोमा में पाइपलाइन और स्टोरेज की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर वहां स्टोरेज फुल है, तो कीमतें गिर सकती हैं, जबकि शेष दुनिया में तेल की भारी किल्लत हो सकती है।
- ब्रेंट उत्तरी सागर के तेल क्षेत्रों से जुड़ा है, जिनका उत्पादन धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह पूरी दुनिया (खासकर एशिया और मध्य पूर्व) के 'हैवी' और 'सोर' क्रूड की कमी को सटीक रूप से नहीं दर्शाता।

आर्थिक उथल-पुथल | भारतीय शेयरों में फिलहाल विश्वास नहीं, इक्विटी में भी घटाया निवेश

विदेशी निवेशकों ने इस महीने निकाले 1,05,316 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले तीन सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,05,316 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले निवेशक फरवरी में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना पैसा लगाया था उससे कम निकाला था।

एफपीआई ने मार्च में इक्विटी में अपना निवेश 88,180 करोड़ रुपये घटा दिया जो दिखाता है कि भारतीय शेयरों में अभी उनका विश्वास नहीं है। डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 13,754 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 2,911.27 करोड़ रुपये कम हुआ। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 37,847 करोड़ रुपये लगाये थे।

एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल एफपीआई की निकासी की एक और बड़ी वजह है।

आज एफपीआई निपटान नियमों में ढील पर विचार करेगा सेबी बोर्ड

नई दिल्ली। सेबी बोर्ड सोमवार को एक व्यापक एजेंडे पर चर्चा करने के लिए बैठक करने वाला है। इसमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कोष निपटान नियमों को आसान बनाने और बाजार मध्यस्थों के लिए नियामकीय ढांचे में बदलाव के प्रस्ताव शामिल हैं। एजेंडा का एक प्रमुख हिस्सा एफपीआई को उसी दिन के नकद बाजार व्यापार के लिए 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव है। मौजूदा ढांचे के तहत, एक एफपीआई को इक्विटी नकद बाजार सौदों का निपटान सकल आधार पर करना होता है। यानी प्रत्येक खरीद लेनदेन के लिए अलग से फंड देना होता है, भले ही उसी दिन कोई बिक्री लेनदेन भी हुआ हो। सेबी ने ''फंड नेटिंग'' की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एफपीआई उसी दिन की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग खरीद देनदारियों को चुकाने के लिए कर सकेंगे। इससे उन्हें केवल शुद्ध देय राशि ही चुकानी होगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंका में फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

कोलंबो। श्रीलंका ने अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के प्रभावों का सामना करने के लिए दो हफ़्तों में दूसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। सामान्य पेट्रोल की कीमत 317 श्रीलंकाई रुपये से बढ़कर 398 रुपये प्रति लीटर हो गयी है, जबकि डीज़ल की कीमत 79 रुपये बढ़कर 382 रुपये के चौंकाने वाले स्तर पर पहुंच गयी है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस ताज़ा बढ़ोतरी से ईंधन की खपत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी आएगी।

पांडिचेरी विवि में पद्मश्री पलानिवेल का सम्मान

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलंबम के मशहूर विशेषज्ञ पद्मश्री पलानिवेल को तमिलनाडु की देसी मार्शल विरासत को बचाने और बढ़ावा देने में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। उन्हें इस कला के प्रति उनके जीवन भर के समर्पण और योगदान और युवा पीढ़ी को इस सांस्कृतिक विरासत को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर सांस्कृतिक संयोजक प्रो. श्रीकला ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का जश्न मनाने में इस कार्यक्रम की अहमियत पर ज़ोर दिया।

ईरान ने जापानी के एक नागरिक को किया रिहा

तोक्यो। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है। मोतेगी ने 'फूजी टेलीविजन' के एक 'टॉक शो' में कहा कि यह व्यक्ति पिछले साल से हिरासत में था और उसे बुधवार को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया एक अन्य जापानी नागरिक अब भी हिरासत में है। जो व्यक्ति ईरान में अब हिरासत में है वह जापान के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता का एक पत्रकार है।

ईरान में मृतक संख्या 1,500 के पार पहुंची

काहिरा। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान में युद्ध के दौरान 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। सरकारी प्रसारणकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इस बीच, रमजान समाप्त होने के दौरान ईरान की राजधानी में भारी हवाई हमले हुए। पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह भी जारी है।

कतर में हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, छह लोगों की मौत

दोहा, एजेंसी

- एक व्यक्ति लापता, बचाव अभियान अभी जारी

कतर के क्षेत्रीय समुद्री जलक्षेत्र में तकनीकी खराबी के कारण हुए हेलीकॉप्टर हादसे में तुर्की के तीन नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई है। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सात में से छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उनके एक सैनिक और हथियार बनाने वाली कंपनी आसेलसन के दो तकनीशियनों सहित सात लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना के कारण का पता जांच के बाद ही लग पाएगा। कतर के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पहले बताया था कि नियमित ड्यूटी के दौरान कतर के एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने से वह समुद्र में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। आंतरिक मंत्रालय ने कुछ घंटों बाद जानकारी दी कि जारी तलाशी अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर में सवार सात में से छह लोगों को खोज लिया गया है, जिनकी मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। शेष एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटना के बाद व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है।

जंग में अमेरिका को लगा तगड़ा झटका

एफ-35 का मारा जाना

आधुनिक युद्धक विमानों के इतिहास में 19 और 20 मार्च, 2026 की तारीखें एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में दर्ज की गई हैं। जिसे दुनिया आसमान का भूत कहती थी और जिसे अजेय मानकर अमेरिकी वायुसेना अपनी श्रेष्ठता का दंभ भरती थी, उस एफ-35 के सुरक्षा कवच में ईरान ने सेंध लगा दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि एक एफ-35 विमान को ईरानी हमले के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लेकिन ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने दावा है कि उन्होंने विमान को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है और इसके क्रैश होने की संभावना बहुत अधिक है। यह घटना केवल एक विमान के क्षतिग्रस्त होने की खबर नहीं है, बल्कि उस अरबों डॉलर की स्टेल्थ टेक्नोलॉजी पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब तक कोई भी रडार पकड़ने में नाकाम रहा था।

एफ-35 की अजेयता का रहस्य

- अदृश्य स्टेल्थ : इसके डिजाइन में सपाट सतहों और समकोणों को खत्म कर दिया गया है ताकि रडार की तरंगें टकराकर वापस न जाएं। इस पर एक विशेष रडार-अवशोषक सामग्री (रैम) की कोटिंग होती है जो इसे रडार स्क्रीन पर एक चिड़िया जितना छोटा दिखाती है।
- सेंसर फ्यूजन : एफ-35 को फ्लाइंग कंप्यूटर कहा जाता है। यह अपने रडार, इन्फ्रारेड और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर से मिलने वाले डेटा को एक साथ जोड़कर पायलट को 360-डिग्री की जानकारी देता है।
- इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर : इसमें एक शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली है जो दुश्मन के रडार को जाम कर सकती है, जिससे इसे निशाना बनाना लगभग असंभव माना जाता था।

ईरान की तकनीक : कैसे किया शिकार

- स्वदेशी तकनीक : ईरान ने दावा किया है कि उसने एफ-35 को गिराने के लिए अपनी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान ने पैसिव इन्फ्रारेड सेंसर तकनीक का उपयोग किया है।
- हीट ट्रैकिंग : रडार की जगह ईरान के एडी-08 माजिद एयर डिफेंस सिस्टम ने विमान के इंजन से निकलने वाली गर्मी को ट्रैक किया।
- बिना सिग्नल का हमला : रडार आधारित सिस्टम तरंगें भेजते हैं जिससे विमान को पता चल जाता है कि उसे ट्रैक किया जा रहा है। लेकिन पैसिव इन्फ्रारेड सिस्टम कोई तरंग नहीं छोड़ता, इसलिए एफ-35 के पायलट को पता ही नहीं चला कि वह निशाने पर है।
- पहले का अनुभव : इस तरह की तकनीक का उपयोग यमन में हूतियों द्वारा भी किया जा चुका है, जहां उन्होंने अमेरिकी ड्रोनों को निशाना बनाया था।

किन देशों के पास है यह तकनीक

- एफ-22 रैप्टर (अमेरिका) : यह दुनिया का सबसे बेहतरीन एयर-सुपीरियरिटी फाइटर माना जाता है, लेकिन इसे अमेरिका किसी भी दूसरे देश को नहीं बेचता।
- जे-20 माइटी ड्रैगन (चीन) : चीन का पांचवीं पीढ़ी का विमान जो एफ-35 का मुख्य प्रतिस्पर्धी है।
- एसयू-57 फेलान (रूस) : रूस का स्टेल्थ फाइटर जो अपनी गति और चपलता के लिए जाना जाता है।
- जे-35 (चीन) : यह चीन का नया स्टेल्थ विमान है।

साख को क्षति

- एफ-35 का शिकार होना अमेरिका के लिए एक वित्तीय नुकसान नहीं बल्कि वैश्विक छवि का संकट है। दुनिया यह मानने लगी है कि अमेरिकी स्टेल्थ तकनीक को सस्ते और स्वदेशी हीट-सीकिंग मिसाइलों से भी भेदा जा सकता है।

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा

यूएन महिला आयोग : अमेरिका की जिद पर उत्पन्न हुआ तीखा गतिरोध, हुई वोटिंग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर रही तल्खी

संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) का हालिया सत्र महिलाओं के अधिकारों और न्याय तक पहुंच जैसे गंभीर विषयों पर गहरे कूटनीतिक विभाजन का गवाह बना। दशकों से चली आ रही आम सहमति की परंपरा तब टूट गई, जब जेंडर की परिभाषा और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच तीखा गतिरोध पैदा हो गया।

अमेरिका के पेश किए गए संशोधनों और उस पर बेल्जियम के लाए गए नो एक्शन मोशन ने माहौल को तल्खियों से भर दिया। इसके परिणामस्वरूप मुख्य निष्कर्षों को सर्वसम्मति के बजाय मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इस ऐतिहासिक खींचतान के बीच, भारत सहित छह देशों ने मतदान से दूरी बनाए रखी, जो वैश्विक मंच पर सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों और बहुपक्षवाद के भविष्य पर उठते बड़े सवालों की ओर इशारा करता है। संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) के हाल ही में आयोजित 70वां सत्र मुख्य रूप से जेंडर की परिभाषा, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और संप्रभुता जैसे विषयों पर सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। सत्र की शुरुआत में ही एक अभूतपूर्व घटना घटी। इस वर्ष का मुख्य विषय सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना और उसे मजबूत करना था। आमतौर पर आयोग के निष्कर्ष सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन पेश किए गए संशोधनों को इस बार अमेरिका के खारिज करने के बाद, निष्कर्षों को मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इसमें 37 देशों ने पक्ष में मतदान किया, जबकि अमेरिका ने विरोध में और भारत समेत छह देशों ने मतदान नहीं किया। सत्र के अंतिम दिन पाकिस्तान, नाइजीरिया और सेनेगल जैसे देशों ने मतदान के जरिये निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चिंता जताई। इन देशों का मानना था कि मतदान से निष्कर्ष निकालना बहुपक्षवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि हालांकि प्रस्ताव का वह समर्थन करता है, लेकिन यह सभी देशों की साझा सहमति को नहीं दर्शाता। वहीं, वेटिकन ने 'जेंडर' और 'प्रजनन अधिकार' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर अपनी पुरानी आपत्तियों को दोहराया।

अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के किया खारिज

सत्र के दौरान सबसे बड़ा विवाद अमेरिका के पेश किए गए प्रस्ताव को लेकर हुआ। इसमें जेंडर शब्द की सीमित और रूढ़िवादी व्याख्या करने की कोशिश की गयी थी। बेल्जियम ने यूरोपीय संघ की ओर से इस पर नो एक्शन मोशन पेश किया। इसका अर्थ था कि इस प्रस्ताव पर कोई चर्चा ही न की जाए। बेल्जियम का तर्क था कि यह प्रस्ताव 30 साल पहले बीजिंग घोषणापत्र में तय की गई परिभाषाओं को बदलने और वैश्विक प्रगति को पीछे ले जाने की कोशिश है। अंततः 23 मतों के साथ इस मोशन को मंजूरी मिली और अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के खारिज कर दिया गया।

भारत का रुख सुस्पष्ट रहा

सत्र के दौरान न्याय तक पहुंच से जुड़े मुख्य निष्कर्षों पर भारत का पारंपरिक और सुस्पष्ट रुख यह रहा है कि महिलाओं के अधिकारों जैसे संवेदनशील वैश्विक विषयों पर निर्णय मतदान के बजाय आम सहमति के आधार पर लिए जाने चाहिए, क्योंकि मतदान सदस्य देशों के बीच विभाजन पैदा करता है। भारत ने महिलाओं के उत्थान के मूल उद्देश्यों का तो समर्थन किया, लेकिन जेंडर और प्रजनन स्वास्थ्य जैसी शब्दावलियों पर थोपी जाने वाली परिभाषाओं और मतभेदों के कारण खुद को मतदान से दूर रखा।

ईओडब्ल्यू का अधिकारी बनकर 9.5 लाख की ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रतिरूपण कर ठगी और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना राखी में दर्ज इस प्रकरण में आरोपी ने स्वयं को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी से 9.5 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग से अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं, को 28 जनवरी 2026 को अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर यह बताया गया कि उनके खिलाफ सतर्कता विभाग, एसीबी एवं ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज है। प्रारंभिक जांच में ये कॉल साइबर ठगी के उद्देश्य से किये गये पाए गए। इस संबंध में प्रार्थी ने अपने परिचित धर्मेन्द्र को जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में रोप-वे ट्राली टूटी, एक महिला की मौत

महासमुंद, एजेंसी

- महासमुंद जिले में खल्लारी मंदिर में हुए हादसे में छह अन्य

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक पहाड़ी मंदिर से नीचे उतरते समय रोपवे ट्रॉली के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए। बागबाहरा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नमिता मारकोले ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ, जब पहाड़ी से सात यात्रियों को नीचे लाते समय ट्रॉली का केबल टूट गया।

इससे पहले ट्रॉली में आठ लोगों के सवार होने की सूचना दी गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इसकी विस्तृत जांच के आदेश दिए। अधिकारियों के अनुसार ट्रॉली करीब 200 से 300 फुट की ऊंचाई से नीचे आ गिरी। घटना नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के दौरान बागबाहरा तहसील के खल्लारी (भीमखोज) गांव स्थित खल्लारी माता मंदिर में हुई। लगभग 1,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु आमतौर पर रोपवे सेवा का उपयोग करते हैं, जबकि करीब 900 सीढ़ियां चढ़कर भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। एसडीएम ने बताया कि रायपुर निवासी आयुषी सतकार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति ऋषभ धवरे और रिश्तेदार छायांश धवरे समेत छह लोग घायल हो गए। अन्य घायलों की पहचान गोविंद स्वामी , नमिता स्वामी और कुष्मिता स्वामी तथा मानशवी गोदारिया के रूप में हुई है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूडान के अस्पताल पर हमले में 64 लोगों की मौत

जिनेवा/खार्तूम। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सूडान में स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्वी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-दईन स्थित अल-दईन टीचिंग अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 बच्चे, दो महिला नर्स, एक पुरुष डॉक्टर और कई मरीज शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसुस ने कहा कि इस घटना के साथ ही सूडान में युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमलों में मरने वालों की संख्या 2000 के पार पहुंच गई है। संगठन के अनुसार, करीब तीन साल से जारी संघर्ष के दौरान अब तक 213 हमलों में 2036 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ताजा हमले में 89 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें आठ स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हमले में अस्पताल के शिशु, मातृत्व और आपातकालीन विभागों को भारी नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर हमलों में 720 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं।

पांच राज्यों में होंगे विस चुनाव — महासंग्राम

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक नीत गठबंधन से अलग हुई टीवीके

चेन्नई, एजेंसी

- सत्ताधारी दल के बड़े भाई वाले रवैये का किया विरोध

तमिलनाडु में तमिलगा वाझवुरिमई काची' (टीवीके) ने रविवार को सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। टीवीके ने सत्ताधारी दल के 'बड़े भाई' वाले रवैये का विरोध किया और स्टालिन सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाया।

वहीं, मार्क्सवादी पार्टी ने अभी तक मुख्यमंत्री द्वारा 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में लड़ने के लिए दी गयी पांच सीटों की पेशकश पर कोई फैसला नहीं लिया है। मार्क्सवादियों और दलित संगठन 'विदुथलाई चिरुथाइगल काची' (वीसीके) की ओर ज़्यादा सीटों की मांग के चलते द्रमुक के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है।

द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में 'वन्नियार' समुदाय का चेहरा माने जाने वाले टीवीके के संस्थापक-अध्यक्ष टी. वेलमुरुगन ने यहां कहा कि हमारे प्रति द्रमुक का रवैया 'बड़े भाई' जैसा था। हम अपनी पार्टी के साथ इस तरह के बर्ताव को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम गठबंधन इसलिए नहीं छोड़ रहे हैं कि पिछली बार के मुकाबले ज़्यादा सीटों की हमारी मांग ठुकरा दी गई, बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि हमारी 10-सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार नहीं किया गया। तमिल राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाली टीवीके का जनाधार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वन्नियार समुदाय के बीच है, खासकर कुड्डालोर, नेवेली और चिदंबरम के साथ-साथ विलुप्पुरम ज़िलों में। यह पार्टी सत्ताधारी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ चुनावी समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। कुड्डालोर ज़िले के पनरुति से मौजूदा विधायक टी. वेलमुरुगन ने हम 2019 के लोकसभा चुनावों से ही द्रमुक के साथ हैं। सीटों के बंटवारे पर पहली बातचीत के दौरान द्रमुक ने हमें सिर्फ़ एक सीट देने की पेशकश की थी, लेकिन हमने और सीटों की मांग की। हमने अपनी मांगों का एक चार्टर भी सौंपा था, जिसमें तमिल लोगों को रोज़गार में प्राथमिकता देने के लिए कानून बनाना, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना करवाना और अन्य मांगों के साथ-साथ वन्नियार समुदाय के लिए 10.5 प्रतिशत का विशेष आरक्षण तय करना शामिल था। सरकार ने हमारी इन मांगों को नज़रअंदाज़ कर दिया है। उन्होंने इन्हीं बातों को कई पार्टियों वाले और मज़बूत द्रमुक नीत एसपीए को छोड़ने की वजह बतायी।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में बढ़ाई निगरानी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया, वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अधिकारी ने बताया, पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें। हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है। इस प्रक्रिया के तहत, कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भांगर थाने का दौरा किया और संभाग के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने उन्हें आयोग के दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी।

नंद ने बताया, सभी अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। मतदाताओं को बिना किसी डर के अपना वोट डालने में सक्षम होना चाहिए। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि विश्वास बढ़ाने और सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया, "हमने संवेदनशील क्षेत्रों, बस्तियों व व्यक्तियों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने जैसे कई कदम उठाए हैं। प्रेसिडेंसी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कंकर प्रसाद बरुई ने नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बरुईपुर थानों का दौरा किया तथा विशेष रूप से कोलकाता के निकट ग्रामीण बूथों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बरुई ने बताया, चुनाव की घोषणा के बाद हमने तैयारियों की समीक्षा की है। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी चर्चा हुई। हर पहलू की जांच की गई है।

केरल में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ प्राथमिकी

त्रिशूर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केरल विधानसभा चुनाव में गुरुवायूर से पार्टी उम्मीदवार बी गोपालकृष्णन के खिलाफ एक प्रचार वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवायूर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारी की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि गोपालकृष्णन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 192 जानबूझकर दंगा भड़काने के इरादे से उकसाने से जुड़ी है जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में वर्गों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आपत्तिजनक टिप्पणियों वाले वीडियो को हटाने के लिए पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को निर्देश दे दिए गए हैं। यह घटनाक्रम चुनाव गोपालकृष्णन द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर पैदा हुए राजनीतिक विवाद के बीच आया है। राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था।

असम में कांग्रेस की 7 और प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सात उम्मीदवारों की पांचवीं और अंतिम सूची जारी की। कांग्रेस ने इसी के साथ 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 101 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने आसन्न असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की अंतिम सूची के मुताबिक गोसाईगांव सीट से जोसेफ हसदा को, डोटमा (एसटी) से बिरखांग बोरो को, बिजनि से रजत कांति साहा और भेरगांव सीट से आंचुला ग्वारा दायमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने नारायण अधिकारी को माज़बत से, निर्मल लंगथासा को हाफलोंग (एसटी) से और अमर चंद जैन को कटिगोरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की थी, जिसमें एक मौजूदा विधायक का टिकट काट दिया गया था और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन में सहयोगी रायजोर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी गई हैं। राज्य में कांग्रेस नीत गठबंधन में छह दल है और उसने 15 सीट सहयोगियों के लिए छोड़ी है। असम विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है।

वोट की आस में उम्मीदवार बेल रहे रोटियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं। हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं। हुगली के पुरसुराह में, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं। इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैंने पहले भी रोटियां बनाई हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है। गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं। मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की। वोट मांगते हुए रोटियां बेलने की उम्मीदवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आप अधिकारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं। अनावश्यक खर्च से बचें।

वृष — आज भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन — आज कारोबारी मामलों में अड़चन आने की संभावना है। छोटी-मोटी बातों पर अधिक आक्रामक न हों। लोग आपको धोखा दे सकते हैं।

कर्क — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। खानपान अत्यंत संतुलित रखें।

सिंह — आज परिवार में काम की थोड़ी अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित करना पड़ेगा। बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है।

तुला — आज का दिन अपनों के बीच शांति से बिताएंगे। अनैतिक कार्यकलापों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। कोई निर्णय भी सोच-समझकर ही लें।

वृश्चिक — आज दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है। आपकी योजनाएं सफल होंगी। घर में कुछ आगंतुकों का आगमन हो सकता है।

धनु — आज घर का वातावरण अनुशासित रहेगा। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें।

मकर — आज उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। आलस्य में अपना समय व्यर्थ न करें। अपनी योग्यताओं पर संदेह न करें।

कुंभ — आज उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे। आपको सफलता मिल सकती है। धन लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

मीन — आज आप काम के प्रति एकाग्र रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगी। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

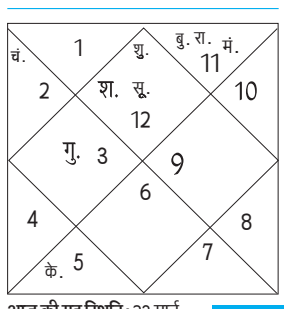

आज की ग्रह स्थिति : 23 मार्च, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 18.38 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- कृत्तिका 20.49 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू - 96 का हल

9	1	4	6	2	8	5	7	3
3	2	6	9	7	5	4	8	1
8	7	5	1	3	4	9	2	6
6	9	7	8	4	1	2	3	5
4	8	2	5	6	3	7	1	9
1	5	3	2	9	7	6	4	8
7	6	8	3	5	2	1	9	4
5	4	1	7	8	9	3	6	2
2	3	9	4	1	6	8	5	7

सुडोकू -97

		9				6		
5					9		1	
7		8		4				2
		3	6		8		4	
		7				8		
	2		5		3			
4				1				8
	3		2				5	
		6				9		

नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

-इरफान पठान

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार, 23 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

शनाका को साइन करने के लिए तैयार राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया हां, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहाँ उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था।

गोल्फर अदिति शीर्ष पांच से बाहर

मेनलो पार्क। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक फोर्टिनेट फाउंडर्स कप के तीसरे दिन एक ओवर 73 स्कोर करके संयुक्त तीसरे से संयुक्त 24वें स्थान पर खिसक गई। यो जू किम अब अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पांच स्ट्रोक्स आगे शीर्ष पर है। नेली कोरडा दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर रूइक्सिन लियू और गैबी लोपेज हैं।

अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में

मुंबई। भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह लगातार दूसरी बार है ये दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी पीएसए स्पर्धा में ख़िताब के लिए मुकाबला करेंगे। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में मौजूदा महिला चैंपियन और टॉप सीड अनाहत सिंह ने पूरी तरह से भारतीय सेमीफ़ाइनल मुकाबले में अपनी हमवतन तन्वी खन्ना को 3-1 (11-6, 9-11, 11-8, 11-2) से हराया। पुरुष वर्ग में एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन को 3-1 (11-9, 9-11, 11-3, 11-8) से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

डुप्लांटिस ने जीता विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब

टोरुन (पोलैंड)। आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानौइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया।

आईपीएल में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान के रूप में यह सत्र साबित हो सकता निर्णायक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं।

इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और सहयोगी स्टाफ पंत के बल्लेबाजी क्रम पर एकमत हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी एमएस धोनी, पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन, अनिरुद्ध श्रीकांत और अन्य लोग। एजेंसी

चेपॉक स्टेडियम में सीएसके का हुआ मेगा फैन शो

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को भारत के पूर्व हरफनमौला सुरेश रैना और आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम के पहले 'हाल आफ फेम' में शामिल किया। यह घोषणा एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर टीम के प्रशंसकों के लिये विशेष कार्यक्रम 'रोअर 26' के दौरान की गई। रैना 2008 से 2021 तक चेन्नई टीम का हिस्सा थे। वह चार बार आईपीएल में चेन्नई की विजेता टीम (2010, 2011, 2018 और 2021) के सदस्य रहे। प्रशंसकों के बीच 'चिन्ना थाला' के नाम से मशहूर रैना 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग जीतने वाली चेन्नई टीम में भी थे और 2014 में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे। चेन्नई के लिये उन्होंने सर्वाधिक 5529 रन बनाये हैं। हेडन 2008 से 2010 तक चेन्नई टीम में थे। उन्होंने 2009 में 572 रन बनाकर आरेंज कैप हासिल की थी। इस मौके पर चेन्नई सुपर किंग्स के कई पूर्व खिलाड़ी मौजूद थे।

बारह चक्कर मारने के लिए बोला तो मैने 15 दौड़े : हार्दिक

मुंबई। भारत के हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने रविवार को कहा कि उन्होंने अपने कैरियर की शुरूआत विशुद्ध बल्लेबाज के तौर पर की थी और कड़ी मेहनत तथा अतिरिक्त प्रयासों से उन्हें कामयाबी मिली। रणजी ट्रॉफी में 2013 में पदार्पण के बाद 2015 में इंडियन प्रीमियर लीग में कदम रखने वाले पंड्या 2024 और 2026 में भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे। बत्तीस बरस के पंड्या ने मुंबई इंडियंस के एक प्रचार कार्यक्रम में कहा मैं खालिस बल्लेबाज था। मुझे बस एक बात पता थी कि अगर मैदान के 12 चक्कर लगाने को कहा गया है तो मैंने 15 लगाए। वहीं पर किसी ने मुझे देखा और एक साल बाद मैने रणजी ट्रॉफी खेला। उन्होंने आगे कहा रणजी खेलने के दौरान मुंबई इंडियंस की प्रतिभा तलाश टीम मुझे देखने नहीं आई थी लेकिन उन्हें यह अहसास हुआ कि मुझमें कुछ खास है। इससे पता चलता है कि मुंबई इंडियंस की प्रतिभा तलाश टीम कितनी जबर्दस्त है और क्या कर सकती है। पंड्या ने कहा मुझे बिल्कूल पता नहीं था कि शरीर का ध्यान कैसे रखना है। मुझे पता था कि मेहनत कैसे करनी है। दुनिया ऊपर से नीचे हो जाये लेकिन मेरा भरोसा हमेशा से कड़ी मेहनत में था। मैं युवाओं से हमेशा यही कहता हूं।

प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की केकेआर ने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बराबर की शृंखला

वेलिंगटन, एजेंसी

कॉनर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर पांच मैचों की शृंखला 2-2 से बराबर कर ली।

एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक बनाया और वह आखिर में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी ने दोनों टीमों के बीच निर्णायक अंतर पैदा किया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बनाए थे जिसमें टिम रॉबिंसन के 22 गेंद पर बनाए गए 32 रन शामिल हैं। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने शिकंजा कस दिया। उसकी तरफ से प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पहले मैच में 13 रन देकर दो जबकि केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। लगभग तीन साल बाद न्यूजीलैंड की टीम में वापसी करने वाले डेन क्लीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर अपनी टीम की उम्मीद बरकरार रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित हो गई।

केशव महाराज का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते प्रेनेलन सुब्रायन। एजेंसी

न्यूजीलैंड के कप्तान जिमी नीशम ने कहा मुझे लगता है कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ा लक्ष्य था।

हमारे कुछ खिलाड़ी अनुभवहीन है जिसका हमें नुकसान हुआ। न्यूजीलैंड की पहले से ही कमजोर टीम टॉम लैथम के चोटिल होने और सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन के बाहर होने से और कमजोर पड़ गई। इससे पहले एस्टरहुइज़ेन ने दक्षिण अफ्रीका को तब संभाला जब उसने अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर वियान मुल्डर का विकेट खो दिया था। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका, तथा चौथे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया। इसके बाद उन्होंने पांचवें ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर 17 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावर प्ले में एक विकेट पर 50 रन बनाने में सफल रहा। टोनी डी ज़ोर्ज़ी (23) ने एस्टरहुइज़न के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की।

विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से गड़बड़ाए समीकरण

नई दिल्ली। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं।

कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे।

जबरदस्त प्रतिस्पर्धा

पोलैंड के टोरुन में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप में महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले हीट में पुर्तगाल की फातौमाता बिंटा डियालो सबसे आगे जीत के करीब पहुंचीं। एजेंसी

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल

लाहौर, एजेंसी

- पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने बताई टूर्नामेंट की तैयारी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि पीएसएल का यह सत्र कराची और लाहौर में ही खेला जाएगा। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पीएसएल अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और हमारा गौरव है। यह लीग 26 मार्च से ही होगी लेकिन दर्शकों को अनुमति नहीं रहेगी। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने पाकिस्तान में पीएसएल के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया।

आईपीएल जाने वालों पर होगी कार्रवाई

पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने उन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया है, जिन्होंने आखिरी समय पर पीएसएल छोड़कर आईपीएल का रुख किया। लगातार दूसरे साल दोनों लीग एक समय पर हो रही हैं। श्रीलंका के दासुन शनाका ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने लाहौर कलंदर्स टीम से नाम वापस ले लिया है।

ऑस्ट्रेलिया में अगले साल जनवरी से मार्च तक पांच टेस्ट खेलेगा भारत

मेलबर्न, एजेंसी

- कंगारू टीम ने जारी किया 2026-27 के लिए कार्यक्रम

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की शृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा।

अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की शृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट सीरीज में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के लिए कड़ी चुनौती बताया है।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम

अगस्त : बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच

अक्टूबर : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच

दिसंबर-जनवरी : न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच

जनवरी-मार्च : भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच

11-15 मार्च : इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच

जून : विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

जून-अगस्त : इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच।

लिवरपूल और चेल्सी पर बाहर होने का खतरा

लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है।

शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया।

मियामी ओपन

दामिर जुमहुर को एकतरफा मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया

सिनर ने जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी, एजेंसी

जैनिक सिनर ने शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में मियामी ओपन में दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। एटीपी रैंकिंग में नंबर 2 खिलाड़ी, जो 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं।

नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में टाइटल जीतने के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में 12 मैच जीतने के सिलसिले पर, सिनर ने उस लेवल पर लगातार सबसे ज्यादा सेट जीतने के नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड (24) की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर अपने बड़े विरोधी से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था।

जब सिनर से मास्टर्स 1000 में लगातार सीधे सेटों में जीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज़्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे एटीट्यूड के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।" इस जोड़ी की पहली लेक्सस हेड2हेड मीटिंग में वर्ल्ड नंबर 76 जुमहुर को हराने के लिए टॉप-क्लास सर्विंग परफॉर्मेंस देने के साथ-साथ, सिनर ने अपनी 71 मिनट की जीत के दौरान नेट पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। 25 बार के टूर-लेवल चैंपियन ने आगे बढ़ते हुए 17 में से 14 पॉइंट जीते।

'मेरे लिए ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी'

सिनर ने कहा, मेरे लिए, ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिसे हमने बहुत बेहतर बनाने की कोशिश की है। यह थोड़ा-बहुत दिन-ब-दिन पर भी निर्भर करता है। आज, सीधे ब्रेक से शुरुआत करते हुए, मैंने थोड़ा अग्रेसिव होने की कोशिश की। कभी-कभी यह बहुत अच्छा काम करता था, कभी-कभी मैंने कुछ अनफोर्स्ड गलतियां कीं, लेकिन मेरे पास यहां एडजस्ट करने के लिए ज्यादा समय नहीं था। यह इंडियन वेल्स से बहुत अलग है। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, इसलिए मैं खुश हूँ।